@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शनिवार, 15 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 282 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चमोली में टनल में पानी भरा, 7 मौतें

घटनास्थल जा रहे सांसद की गाड़ी पर बोल्डर गिरा; हिमाचल में रेल ट्रैक पर लैंडस्लाइड

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में चमोली जिले के पीपलकोटी में शाम करीब 7 बजे निर्माणाधीन टनल में पानी और मलबा भर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अभी भी टनल में फंसे हैं, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 22 लोग फंसे थे। इसमें 12 मजदूरों को निकाल लिया गया है।

वहीं, घायलों से मिलने जा रहे गढ़वाल सीट से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी की चलती कार पर पहाड़ से एक बोल्डर गिर गया। इससे कार का अगला हिस्सा डैमेज हो गया। हादसे के कुछ देर तक सांसद सीट पर बैठे रहे।

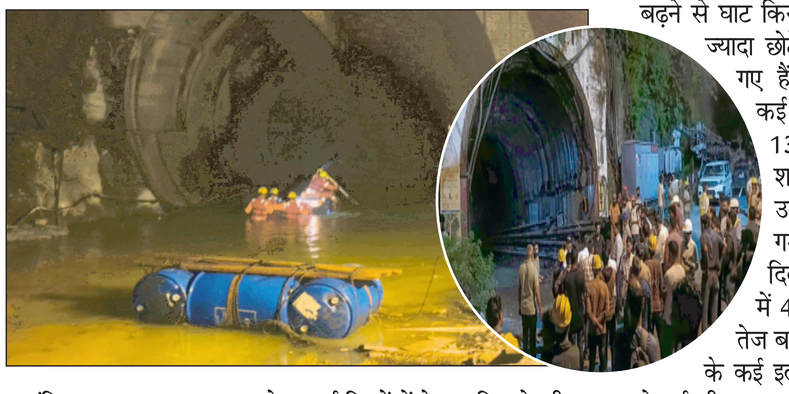

हालांकि, जब ड्राइवर कार से उतरा और उसने देखा कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त है और हेडलाइट टूट गई है। वहीं, यूपी के कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। बिहार के कई जिलों में 13 अगस्त की शाम बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। छपरा में 45 मिनट की तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में डेढ़ से ढाई फीट तक पानी भर गया। करीब 100 दुकानों में भी पानी घुस गया। राज्य के 18 जिलों में आज आंधी, बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और लैंडस्लाइड ने रेल और सड़क यातायात प्रभावित किया है। कांगड़ा में पठानकोट-बैजनाथ पपरोला रेल सेक्शन पर ट्रैक पर चट्टानें गिरने से 4 ट्रेन सेवाएं अगले आदेश तक रद्द कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने पीपलकोटी में टनल अंदर जाकर लिया हालात का जायजा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सुरंग के भीतर जाकर बचाव कार्यों की स्थिति देखी और अभियान में जुटी टीमों से जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मुख्यमंत्री को अब तक हुए रेस्क्यू अभियान और मौके पर चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी।

असम में बाढ़ का प्रकोप हुआ कुछ कम, 370 गांवों के 77542 नागरिक प्रभावित

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ का प्रकोप कुछ कम हुआ है। अब 370 गांवों के 77542 नागरिक प्रभावित हैं। बाढ़ की स्थिति में सुधार के बीच धनसिरी नदी (नुमलीगढ़) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रभावित लोग राहत शिविरों से अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं। क्षतिग्रस्त आवास संरचनाओं और बचे हुए घरों की मरम्मत एवं साफ-सफाई का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। प्रभावितों की मदद का कार्य सरकारी एवं निजी स्तर पर भी जोरशोर से चलाया जा रहा है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 13 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी उफान पर है। राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 104 दर्ज की गई है। वर्तमान समय में 7 जिले बाढ़ प्रभावित है। प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, नगांव, होजाई, जोरहाट, दरंग

एवं लखीमपुर हैं। बाढ़ से इन जिलों के 22 राजस्व मंडलों के कुल 370 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 77542 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 9908.85 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। समयऔर कैलेंडर बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अभी भी 38 राहत शिविर एवं 32 राहत वितरण केंद्र संचालित हैं। इनमें 6639 लोग आश्रय लिए हुए हैं।

शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 125 है। इस जिले में 10 पक्के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक जुटे हुए हैं।

खरगे के कार्यक्रम के बाद मंच के शुद्धिकरण पर मायावती नाराज

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण किए जाने की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे अति-निंदनीय और चिंतनीय बताते हुए उत्तराखंड सरकार से मामले की तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

मायावती ने शुक्रवार को जारी अपने एक पोस्ट में कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद दलित होने की वजह से उनके मंच का शुद्धिकरण किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस घटना की जानकारी गुरुवार को संसद के माध्यम से भी देश को मिली। उन्होंने इसे सामाजिक समानता और दलित सम्मान से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की।बसपा प्रमुख ने कहा कि उत्तराखंड सरकार को इस मामले में बिना किसी देरी के कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने जातिवादी और सामंती मानसिकता वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनों के तहत कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज में

भेदभाव की मानसिकता को बढ़ावा देती हैं और इन्हें किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। मायावती ने अपने पोस्ट में एक बड़े संगठन के मुखिया की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर उन्हें गंभीरता से विचार करना चाहिए, खासकर ऐसे समय में जब आर्थिक रूप से कुछ मजबूत हुए दलितों को आरक्षण से वंचित करने की बात कही जा रही है। उन्होंने संकेत दिया कि सामाजिक भेदभाव और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक दृष्टिकोण के साथ विचार किया जाना जरूरी है।

देश के नाम राष्ट्रपति का संबोधन: द्रौपदी मुर्मू बोलीं- सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में सही कदम

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने सभी देशवासियों को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राष्टपति ने कहा कि अब से कुछ ही घंटों बाद हमारे देश की स्वतंत्रता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होने जा रहा है। राष्टपति ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर हम आगे ब? रहे हैं। नागरिक राष्ट के लिए सदैव जागरूक रहें। राष्टपति ने कहा कि देश और दुनिया भर में रहने वाले सभी भारतीय इस पावन अवसर को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम भारत के लोग अपने-अपने सपनों को साकार करें और राष्ट निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि भारत की निरंतर प्रगति और तरक्की में योगदान देना ही हमारी स्वतंत्रता की सच्ची सार्थकता है। देश के हर नागरिक का योगदान भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगा। राष्टपति ने देश के हर वर्ग के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए समर्पित वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवाओं में लगे डॉक्टर और

स्वास्थ्यकर्मी तथा मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान अपने-अपने प्रयासों से राष्ट-निर्माण का कार्य कर रहे हैं। राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। देशवासी इस भावना को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जो हमारे लोकतंत्र की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा, फिर भी उन्होंने अपनी पहचान कभी नहीं छोड़ी।

हमारी विदेश नीति, देश हित पर आधारित है

राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आर्थिक सहयोग बढ़ाने तथा पारस्परिक सम्बन्धों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए, हमने अनेक देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स किए हैं। ग्लोबल साउथ के देशों में हम अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। विश्व पटल पर हमारे देश का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे किसी भी कार्य से, आने वाली पीढ़ियों द्वारा इस अधिकार के प्रयोग में तनिक भी कमी न हो। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम उनको और अधिक समृद्ध प्राकृतिक संपदाएं प्रदान करें। पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी आस्था हमारी परंपरा का हिस्सा है।

मुर्मू बोलीं-सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में

राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने यह भी कहा कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि संसाधनों की कमी के कारण किसी को भी न्याय से वंचित न रहना पड़े। आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में, खासकर किसानों के लिए, एक निर्णायक कदम है।

राष्टपति ने गिनाई देश की उपलब्धि

राष्टपति मुर्मू ने यह भी कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में सफलता मिली है। विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश की योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत लगभग 59 करोड़ खाताधारक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। उनमें 32 करोड़ से अधिक महिला खाताधारक शामिल हैं। 80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क राशन की व्यवस्था द्वारा उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए तक की निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। राष्टपति ने कहा कि पिछले साल, राष्ट्रीय गौरव की रक्षा के लिए बनाए गए मराठा सैन्य परंपरा से जुड़े बारह किलों को ह्श्वस्ष्टह्र की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। और इस साल, भगवान बुद्ध के पहले उपदेश स्थल, सारनाथ को ह्श्वस्ष्टह्र की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

हाइड्रोलिक सिस्टम फेल होने की वजह से 4 सेकंड तक बेकाबू रहा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 4 अगस्त को 20 से ज्यादा यात्रियों के लिए सफर खौफनाक बन गया। उड़ान के दौरान एयरबस ए-320 अचानक करीब 300 फीट नीचे गिर गया, जिससे विमान में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री और क्रू मेंबर्स झटके के कारण सीटों से उछलकर विमान की छत से जा टकराए। हादसे में 24 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। अब शुरुआती तकनीकी जांच में हादसे को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जांच के मुताबिक विमान करीब 4 सेकंड तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गया था। इस दौरान विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में एक साथ खराबी आ गई। हाइड्रोलिक पावर प्रभावित होने के कारण एलिवेटर्स और एलरोन्स ने काम करना बंद कर दिया। एलिवेटर्स विमान को ऊपर-नीचे नियंत्रित करते हैं, जबकि एलरोन्स उसकी दिशा बदलने में मदद करते हैं। इसी दौरान ऑटोपायलट भी बंद हो गया और कॉकपिट में 'स्टॉल' की चेतावनी बजने लगी। स्थिति बिगड़ती देख को-पायलट ने तय प्रक्रिया के तहत कंट्रोल स्टिक को आगे की ओर झुकाया, ताकि विमान को नीचे लाकर नियंत्रण हासिल किया जा सके। लेकिन हाइड्रोलिक सिस्टम में दबाव नहीं होने के कारण विमान ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। कुछ सेकंड बाद जब तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम दोबारा सक्रिय हुए तो विमान तेजी से नीचे की ओर जाने लगा। इसी दौरान यात्री और क्रू सदस्य छत से टकरा गए। प्रारंभिक जांच में हाइड्रोलिक प्रेशर स्विच में खराबी की आशंका जताई गई है। हालांकि हादसे के अंतिम कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय जांच एजेंसी के साथ एयरबस और फ्रांस की विमान दुर्घटना जांच एजेंसी के विशेषज्ञ भी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे के बीच पायलट को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। जांच में उसके शरीर में गांजे के सेवन के संकेत मिलने की बात सामने आई है। पायलट ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह लंबे समय से नींद की समस्या से जूझ रहा है और पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर नींद की दवा लेता है। घटना के समय पायलट अपनी सीट पर मौजूद नहीं था और को-पायलट विमान उड़ा रहा था। बताया गया है कि पायलट यात्रियों की स्थिति देखने के लिए केबिन में गया था। लैंडिंग के बाद भी उसकी हालत ठीक नहीं थी और उसे सहारे की जरूरत पड़ी। जांच में यह बात भी सामने आई है कि उड़ान के दौरान पायलट के वॉशरूम जाने पर एक अटेंडेंट कुछ समय के लिए उसकी सीट पर बैठा था। पूरे मामले की विस्तृत जांच के बाद ही हादसे की असली वजह और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

सोनमर्ग में बादल फटने से भारी तबाही, सड़क मार्ग बंद, रेस्क्यू टीमें तैनात

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग के रंगा मोड इलाके में गुरुवार को बादल फटने से भारी तबाही हुई। बाढ़ के कारण भूस्खलन-कीचड़ से सड़क मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ। नदियों के जलस्तर में अचानक भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को नदी के किनारों और जल स्रोतों के पास न जाने की सलाह दी गई है। सोनमर्ग में भारी बारिश के बीच श्रीनगर और लेह राजमार्ग प्रभावित हुआ है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने हाईवे को बंद कर दिया है। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को तैनात कर दिया गया है। सड़क को साफ करने और जल्द से जल्द यातायात बहाल करने के लिए बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के कर्मियों और मशीनों को तुरंत मौके पर भेजा गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और यात्रियों और चालकों को प्रभावित क्षेत्र से गुजरते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। बता दें यह घटना घाटी में पिछले कुछ दिनों से जारी खराब मौसम के बीच आई है। इससे लगभग 10 दिन पहले 3 अगस्त को भी घाटी में कई जगहों पर बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसके चलते सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

राहुल की याचिका पर सुनवाई 17 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट 17 अगस्त को याचिका पर सुनवाई कर सकता है। याचिका में हाईकोर्ट के उस आदेश पर सवाल उठाए गए हैं, जिसमें मामले की जांच से जुड़े सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया गया था। हाईकोर्ट ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताते हुए वरिष्ठ अधिकारी से नया हलफनामा मांगा था।

चंबा और नासिक में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा और महाराष्ट्र के नासिक में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों राज्यों में आए भूकंप की तीव्रता कम रही, जिससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। नासिक में कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जबकि चंबा में सुबह के समय धरती कांपी। भले झटके हल्के थे लेकन लोग डर गए और घरों से बाहर निकल पड़े। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शुक्रवार सुबह करीब 6-30 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता 3.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र चंबा में जमीन से करीब 5 किलोमीटर नीचे बताया गया है। इसका केंद्र 33.131 अक्षांश और 76.585 देशांतर पर दर्ज किया गया। कम तीव्रता के कारण फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार को कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका रात 12-05 बजे आया, जिसकी तीव्रता 3.5 थी। इसके बाद सुबह 5-32 बजे 3.4 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। झटके महसूस होने के बाद कुछ इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, दोनों घटनाओं में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र के पालघर जिले में भी हाल के दिनों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

वांगचुक बोले- ऐसे तो 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भारत की प्रति व्यक्ति आय और देश की मौजूदा व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा है कि अगर हालात इसी तरह बने रहे तो भारत 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में भारत से पीछे या उसके बराबर रहे कई देश आर्थिक और सामाजिक विकास के मामले में आगे निकल गए हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर सम्मानजनक स्थान बनाए रखने के लिए बड़े बदलाव जरूरी हैं।

गुरुवार देर रात जारी एक वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इस दौरान उन्होंने देश और उसके भविष्य को लेकर काफी विचार किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं किया जा सकता। अलग-अलग दलों की सरकारों के दौरान भी विरोध की आवाजों को दबाने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

वांगचुक ने 2012-13 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद राजनीतिक बदलाव जरूर हुआ, लेकिन सरकार बदलने के बावजूद भ्रष्टाचार और अन्याय जैसी समस्याएं खत्म नहीं हुईं। उनके मुताबिक अब ये समस्याएं नए रूप में और ज्यादा गंभीर हो गई हैं। उन्होंने देश में नेतृत्व चुनने की प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत बताते हुए शांतिपूर्ण क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र और देश में ऐसे निस्वार्थ, निडर, चरित्रवान और सक्षम लोगों की पहचान करें, जो देश को नई दिशा दे सकें। वांगचुक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक ऐसे व्यक्ति का नाम सुझाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से मिलना उनके लिए स्वतंत्रता दिवस का तोहफा होगा और वे देश का नया भविष्य तैयार करने में उनकी भूमिका देखना चाहते हैं।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी वांगचुक ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भी उन्हें नए नेतृत्व से बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। देश की प्रगति सीधे तौर पर शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी है और जब तक शिक्षा पीछे रहेगी, देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। वांगचुक ने 28 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगड़ने पर 18 जुलाई को उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। बाद में इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने 24 जुलाई को भूख हड़ताल समाप्त कर दी थी।

पीएम मोदी ने देश के विभाजन का दर्द झेलने वालों को याद कर किया नमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त 1947 में हुए देश के विभाजन के पीड़ितों को शुक्रवार को याद किया। केंद्र सरकार देश के विभाजन के बाद हुए दंगों और बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापन के दौरान जान गंवाने वालों की स्मृति में 2021 से 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मना रही है। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि आज हम 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रहे हैं। हम विभाजन से प्रभावित सभी लोगों के साहस को याद करते हैं। यह इतिहास का एक ऐसा क्षण था, जिसने कई जिंदगियां तबाह कर दीं। कई परिवार उजड़ गए, कई लोगों को अपनों को खोना पड़ा और लोगों ने अत्यधिक पीड़ा झेली। पीएम मोदी ने कहा कि इस उथल-पुथल के बावजूद लोगों ने शून्य से अपना जीवन फिर खड़ा किया, विपरीत परिस्थितियों को उपलब्धियों में बदला और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इन लोगों का जीवन सभी को मानवीय जिजीविषा की शक्ति की याद दिलाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने कहा कि यह दिन हमारे देश में सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने और 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे। उन्होंने कहा कि आइए, हम सद्भावना और एकता की राष्ट्रीय भावना को और सुदृढ़ करें। भारत शनिवार को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा।

भारत को बड़ी कामयाबी: यूएई से आएगा ड्रग सरगना वीरेंद्र बसोया

-केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा.... कोई नहीं बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी पाई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अंतरराष्ट्रीय ड्रग सरगना और भगौड़े आरोपी वीरेंद्र सिंह बसोया को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाएगी। यह इस साल दूसरी बड़ी सफलता है, इसके पहले अप्रैल में दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की से गिरफ्तार कर भारत प्रत्यर्पित किया गया था। डोला करीब 5000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा कि कोई भी ड्रग तस्कर भारतीय कानून के लंबे हाथों से बच नहीं पाएगा, चाहे वह कहीं भी छिप जाएं। उन्होंने कामयाबी को नशीले पदार्थों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति में एक नया मील का पत्थर बताया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विदेशों में छिपे मादक पदार्थ तस्करों का लगातार पता लगा रही है और उनके पूरे नेटवर्क को खत्म करने का काम कर रही है। जांच एजेंसियों द्वारा अपनाई गई टॉप-टू-बॉटम और बॉटम-टू-टॉप रणनीति ने एक बार फिर साबित कर दिया हैं कि इसतरह के अपराधी कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

मोदी सरकार ने जून 2026 में ड्रग कंट्रोल पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029) और एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें प्रवर्तन, खुफिया, रोकथाम और पुनर्वास के लिए 40 से अधिक मंत्रालयों और विभागों को शामिल कर राष्ट्रीय योजना भी शामिल है। इतनी ही नहीं केंद्र सरकार नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट में कमियों की भी समीक्षा कर रही है, साथ ही उन रसायनों के वर्गीकरण की भी समीक्षा की जा रही है जिनका उपयोग ड्रग्स बनाने में किया जाता है, ताकि ड्रग्स के खिलाफ कानूनी लड़ाई को और मजबूत किया जा सके।

हल्द्वानी में मंच शुद्धिकरण पर मचा सियासी घमासान

राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर भाजपा और आरएसएस पर मनुवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता में व्यक्ति की हैसियत उसके जन्म से तय की जाती है, जबकि देश का संविधान समानता और इंसानियत की बात करता है। कांग्रेस ने भी मामले के विरोध में 14 अगस्त को देशभर के जिला मुख्यालयों पर मार्च और सत्याग्रह का ऐलान किया है।

राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह सोच आज भी समाज में मौजूद है और इंसान की पहचान उसके जन्म के आधार पर तय करने की कोशिश करती है। उन्होंने मंच के शुद्धिकरण की घटना को इसी मानसिकता से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। इससे पहले खड़गे ने राज्यसभा में हल्द्वानी की घटना का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त को रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित किया था। उनके मुताबिक, भाषण के दौरान उन्होंने किसी जाति या धर्म का नाम नहीं लिया और केवल लोगों की समस्याओं को सामने रखा। खड़गे का आरोप है कि उनके भाषण के बाद कुछ लोगों ने हवन कर मंच का शुद्धिकरण किया। खड़गे ने कहा कि वे अनुसूचित जाति से आते हैं और लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन कभी किसी के सामने अपने सम्मान या सुरक्षा के लिए नहीं झुके। उन्होंने मंच का शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि अगर खड़गे की भावनाएं आहत हुई हैं तो यह केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी गतिविधि का समर्थन नहीं किया जाता और मामले की जांच के बाद दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के बाबू जगजीवन राम के बाद दूसरे दलित अध्यक्ष हैं। वे कर्नाटक से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करने के बाद कई बार विधायक रहे। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। 2022 में वे कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए।

स्वतंत्रता दिवस : पुलिस और फायर कर्मियों को 1057 वीरता एवं सेवा पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर केंद्र सरकार ने पुलिस, अग्निशमन सेवा, होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा और सुधारात्मक सेवा के कुल 1,057 कर्मियों को उनके असाधारण साहस और विशिष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न पदकों से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह सम्मान देश की सेवा में उनके समर्पण और बलिदान को रेखांकित करता है। इन कुल पदकों में से 301 वीरता पदक हैं, जो जीवन की रक्षा, अपराध रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने के दौरान दिखाए गए अदम्य साहस के लिए प्रदान होते हैं। इसमें से 197 पदक वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर्मियों को, 51 जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से और 12 पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित हैं। इन वीरता पदकों में 272 पुलिसकर्मी और 29 अग्निशमन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 92 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) प्रदान किया जाएगा। यह पदक सेवा में उनके उत्कृष्ट और विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए मिलता है। इसमें 83 पुलिसकर्मी, चार अग्निशमन सेवा, तीन नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड और दो सुधारात्मक सेवा के अधिकारी शामिल हैं। वहीं, 664 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से नवाजा जाएगा, जो कर्तव्य के प्रति समर्पण और सूझबूझ से की गई बहुमूल्य सेवा को दर्शाता है। इन पदकों में 606 पुलिसकर्मी, 28 अग्निशमन सेवा कर्मी, 18 नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड और 12 सुधारात्मक सेवा के अधिकारी शामिल हैं। यह घोषणा देश की आंतरिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने वाले इन कर्मियों के प्रति राष्ट्र के सम्मान को व्यक्त करती है।

सांसद मिश्रा के सौरव दास ने पूछा- 14 करोड़ कहां उड़ा दिए?

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष और भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को तीखा हमला बोला। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि बीसीआई ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैठकों और गतिविधियों पर करीब 14.22 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि यात्रा और आवास पर भी बड़ी रकम खर्च हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि संस्था का पैसा किस तरह और किन मदों में खर्च किया जा रहा है।

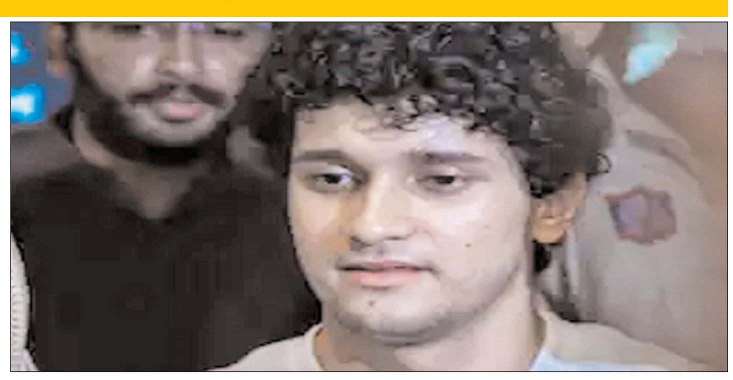

विवाद की शुरुआत बीसीआई के उस आदेश से हुई, जिसमें हैदराबाद स्थित नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों के अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर रोक लगा दी गई थी। आदेश के मुताबिक कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। बीसीआई ने विश्वविद्यालय से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट और संबंधित छात्रों के नाम मांगे थे। आदेश में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायिक पद का सम्मान नहीं करने वाले छात्र जिम्मेदार अधिवक्ता नहीं बन सकते। इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए सौरव दास ने इसे अनुचित और दमनकारी बताया। उन्होंने आदेश वापस नहीं लेने पर बीसीआई कार्यालय और मनन कुमार मिश्रा के आवास के बाहर प्रदर्शन की चेतावनी दी। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी मिश्रा के लंबे कार्यकाल और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए।

हालांकि आदेश जारी होने के कुछ ही घंटों बाद बीसीआई ने अपना रुख बदल दिया। पहले स्पष्ट किया गया कि अधिकांश छात्रों की कोई गलती नहीं है और उन्हें नामांकन की अनुमति दी जाएगी। बाद में मनन कुमार मिश्रा ने घोषणा की कि 2026 बैच के छात्रों के खिलाफ पूरी कार्रवाई बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार सदस्यों और छात्रों की प्रतिक्रियाओं के बाद बीसीआई इस निष्कर्ष पर पहुंची कि छात्रों की किसी गड़बड़ी में भूमिका नहीं थी।

इसके बाद सीजेपी ने बीसीआई के खर्चों को मुद्दा बनाया। सौरव दास ने बीसीआई के आधिकारिक ऑडिटेड आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2024-25 में गतिविधियों और बैठकों पर करीब 14.22 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि संस्था की कुल आय लगभग 234 करोड़ रुपये थी। उन्होंने सवाल उठाया कि लंबे समय से बीसीआई का नेतृत्व कर रहे मिश्रा ने युवा वकीलों और लॉ स्कूलों के कल्याण के लिए क्या किया। छात्रों पर कार्रवाई वापस लिए जाने को सीजेपी ने अपनी बड़ी जीत बताया है। हालांकि पार्टी ने अब भी मिश्रा की जवाबदेही और इस्तीफे की मांग को लेकर दबाव बनाए रखने का संकेत दिया है।

मंड विवाद को लेकर प्रदर्शन, पुलिस ने किया बल प्रयोग दागे आंसू गैस के गोले

-पुलिसकर्मियों समेत प्रदर्शनकारी घायल, मंड पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला एनएच-44 पर गुरसिमरन सिंह मंड विवाद को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किए गए तीन युवकों की रिहाई की मांग पर अड़े रहे। दोपहर करीब 2 बजे से रात 9 बजे तक एनएच-44 पर यातायात बाधित रहा। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच सहमति नहीं बनने के बाद आखिरकार पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंबाला के पंजोखरा साहिब में गुरसिमरन सिंह मंड विवाद को लेकर सिख समाज का प्रदर्शन कई घंटे तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि मामले में गिरफ्तार किए गए तीन युवकों को रिहा किया जाए और गुरसिमरन सिंह मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। प्रदर्शन के बीच पुलिस ने मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी, लेकिन प्रदर्शनकारी तीनों गिरफ्तार युवकों की रिहाई पर अड़े रहे। वहीं पुलिस की ओर से युवकों की जमानत करवाने की बात कही जाती रही, लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनी। इसके चलते दोपहर करीब 2 बजे से रात 9 बजे तक दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे-44 पर यातायात प्रभावित हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक कई घंटे तक हाईवे बंद रहने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए फोर्स का इस्तेमाल किया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर प्रदर्शनकारियों को हाईवे से खदेड़ा और इसके बाद एनएच-44 पर यातायात सुचारू करवाया गया। इस कार्रवाई में कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई, जबकि प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आईं हैं। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई के बाद हाईवे पर स्थिति को नियंत्रित किया गया है। बता दें दोपहर बाद अंबाला के पंजोखरा को जाने वाले रास्ते में पड़ते एनसीसी स्कूल के बाहर ही पुलिस ने सिख प्रदर्शनकारियों को रोक लिया था, जहां तनाव बढ़ते ही पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। स्कूल की छुट्टी के समय हुई इस कार्रवाई के कारण बच्चे स्कूल के अंदर फंस गए। परिजनों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिख समाज के प्रतिनिधि गिरफ्तार युवाओं की रिहाई और गुरसिमरन सिंह मंड के खिलाफ एफआईआर की मांग कर रहा है। फिलहाल पंजोखरा साहिब से लेकर एनएच-44 तक तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। बता दें हरियाणा के अंबाला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में श्री गुरु हरकिशन साहिब के प्रकाश पर्व के अवसर पर 7 अगस्त को माथा टेकने पहुंचे ऑल इंडिया कीर्तन फैडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट गुरसिमरन सिंह मंड की गाड़ी पर हमला किया गया था।

बांग्लादेश का चीन प्रेम: भारत के लिए संकट पैदा करने वाला , भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ने चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने बांग्लादेश की विदेश नीति में चीन के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अब चीन के करीब जाता दिख रहा है, जिससे भारत के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। चेलानी के अनुसार, प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पद संभालने के बाद भारत के बजाय चीन और मलेशिया को अपनी पहली विदेशी यात्राओं के लिए चुना, जो बांग्लादेश की विदेश नीति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। चेलानी ने याद दिलाया कि फरवरी में रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें बधाई देने वाले शुरुआती नेताओं में थे और उन्होंने रहमान को नई दिल्ली की राजकीय यात्रा का औपचारिक निमंत्रण भी दिया था। हालांकि, रहमान ने यह निमंत्रण स्वीकार नहीं किया। चेलानी का मानना है कि 2024-25 की हिंसक राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में बने घरेलू राजनीतिक दबाव के कारण रहमान पर नई दिल्ली से अपनी दूरी दिखाने का दबाव था।

जून में मलेशिया और चीन की यात्रा के दौरान, रहमान ने बीजिंग में चीन को बांग्लादेश का सबसे मूल्यवान और भरोसेमंद साझेदार बताया, जो ढाका के चीन की ओर बढ़ते झुकाव को और स्पष्ट करता है। इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिसमें बंगाल की खाड़ी में मोंगला और चट्टोग्राम बंदरगाहों के विकास में चीन की भागीदारी, भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के पास प्रस्तावित तीस्ता नदी जल परियोजना, रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने तथा चीन से हथियारों की अधिक आपूर्ति जैसे मुद्दे शामिल हैं। चीन ने 300 मिलियन डॉलर से अधिक की सहायता और बांग्लादेश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में चीनी विनिर्माण इकाइयों को स्थानांतरित करने की योजनाओं का भी उल्लेख किया गया।

चेलानी ने बांग्लादेश की विदेश नीति में चीन पर अधिक निर्भरता की दिशा में जानबूझकर किए जा रहे बदलाव का संकेत बताया। हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बांग्लादेश अभी भी जरूरी आपूर्ति, व्यापार मार्गों, बिजली, पानी और औद्योगिक इनपुट के लिए भारत पर काफी हद तक निर्भर है। इसके बाद रहमान नई दिल्ली के साथ संबंधों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उन्हें एक नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। उनके मुताबिक, रहमान अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से दूर रहकर घरेलू स्तर पर अपनी मजबूत छवि बनाना चाहते हैं। खासकर शेख हसीना के हाल में नई दिल्ली में मीडिया के सामने आने के बाद यह उनके लिए राजनीतिक रूप से अहम हो सकता है। फिर भी, रहमान ने भारत की पूर्ण राजकीय यात्रा करने की इच्छा जताकर यह संकेत भी दिया है कि वह नई दिल्ली के साथ संपर्क बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन समान शर्तों पर।

कारोबारी और उनकी पत्नी को घर में बंधक बनाकर एक करोड़ से ज्यादा की लूट

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के रूप नगर में शुक्रवार की रात में हथियारबंद बदमाशों ने बुजुर्ग ऑटो पार्ट्स कारोबारी व उनकी पत्नी को बंधक बनाकर एक करोड़ से अधिक की लूट को अंजाम दिया। विरोध पर आरोपियों ने दंपती को बुरी तरह पीटा। बाद में घर की अलमारी और तिजोरियों में रखे 10 लाख कैश, सोने और चांदी के जेवरात व मूर्तियां लेकर बदमाश भाग गए। दंपती ने किसी तरह मामले की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम व एफएसएल को मौके पर बुलाया गया। टीम ने वहां से साक्ष्य जुटाए। पीड़ित तारेश बैसीवाला (74) के बयान पर पुलिस ने लूटपाट का केस कर छानबीन शुरू की है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस आशंका जता रही कि वारदात को किसी करीबी की सूचना पर अंजाम दिया गया है। पुलिस घर में काम करने वाले नौकरों के अलावा तारेश के कर्मचारियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की पड़ताल कर बदमाशों के आने-जाने के रूट की पड़ताल की जा रही है। उत्तरी जिला के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तारेश बैसीवाला अपनी पत्नी अर्चना (70) के साथ रूप नगर स्थित अपने बंगले में रहते हैं। तारेश का कश्मीरी गेट इलाके में ऑटो पार्ट्स का बड़ा कारोबार है। शुक्रवार रात करीब 2.30 बजे वह वॉशरूम जाने के लिए उठे तो देखा कि पानी नहीं आ रहा था। वह मेन गेट खोलकर मोटर चलाने चले गए। इस बीच पहले से घात लगाए चार बदमाशों ने तारेश को बंधक बना लिया। दो बदमाशों ने हेलमेट लगाए हुए थे, जबकि बाकी दोनों के चेहरे ढके हुए थे। अंदर घुसते ही बदमाशों ने तारेश और उनकी पत्नी अर्चना को बंधक बना लिया। बदमाशों के पास दो पिस्टल, चाकू, रॉड थे। बदमाशों ने तारेश पर पिस्टल तानते हुए अलमारी और तिजोरी की चाबी मांगी। इन्कार करने के बाद मारपीट की। बाद में आरोपियों ने दंपती की पिटाई करने के बाद उनके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद रॉड की मदद से अलमारी और तिजोरी के ताले तोड़कर अंदर रखा माल लूट लिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ितों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। अब पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। क्या लूटकर ले गए बदमाश = बदमाशों ने अलमारी में रखे 10 लाख कैश, 20 सोने की चेन, 25 अंगूठियां, पांच सोने के सिक्के, एक सोने का नेकलेस सेट, करीब पांच किला वजन की चांदी की मूर्तियां, एक हजार चांदी के सिक्के और अन्य सामान लूट लिया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को पता चला कि लूटे गए माल की कीमत एक करोड़ से ज्यादा है।

आजादी का दिन, वो दिन जब भारत अंग्रेजों की दासता से आजाद हुआ: रामदास मालिक

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ सह सयोजक प्रमुख समाजसेवी एवं बीजेपी नेता रामदास मालिक ने कहा कि भारत के इतिहास में 15 अगस्त का दिन केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, संघर्ष, त्याग और बलिदान की गौरवशाली गाथा का प्रतीक है। वर्ष 1947 में इसी दिन भारत ने लगभग दो शताब्दियों की ब्रिटिश दासता से मुक्ति प्राप्त की और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में नई यात्रा की शुरुआत की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, राष्ट्रगान गूंजता है और देशवासी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इसी क्रम में रामदास मालिक ने कहा कि आजादी का दिन हर भारतीय के लिए गर्व और भावनाओं से जुड़ा हुआ ऐतिहासिक दिन है। रामदास मालिक ने कहा कि 15 अगस्त हमें उस संघर्ष की याद दिलाता है, जिसमें देश के लाखों लोगों ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया। भारत की स्वतंत्रता किसी एक व्यक्ति, संगठन या आंदोलन का परिणाम नहीं थी, बल्कि यह लंबे समय तक चले संघर्ष, जनजागरण, आंदोलनों और असंख्य लोगों के त्याग का परिणाम थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने सुख-सुविधाओं का त्याग किया और देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वतंत्र भारत का सपना देखा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन के दौरान भारतीयों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। आर्थिक शोषण, राजनीतिक नियंत्रण और सामाजिक चुनौतियों के बीच भारतीय समाज में स्वतंत्रता की चेतना लगातार मजबूत होती गई। धीरे-धीरे यह भावना एक व्यापक जनआंदोलन में बदल गई। देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आवाज उठाई और स्वतंत्रता की मांग को मजबूत किया। रामदास मालिक ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम कई चरणों से होकर गुजरा। 1857 का विद्रोह भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। इसके बाद देश में राजनीतिक और सामाजिक जागरूकता बढ़ती गई। विभिन्न आंदोलनों और संगठनों ने भारतीयों को एकजुट करने का कार्य किया। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे आंदोलनों ने स्वतंत्रता संघर्ष को व्यापक जनभागीदारी से जो?ा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के साथ-साथ अनेक महान नेताओं और क्रांतिकारियों का योगदान रहा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, लोकमान्य तिलक, लाला लाजपत राय और अनेक अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने-अपने तरीके से देश की आजादी के संघर्ष को मजबूती प्रदान की। इसके अलावा हजारों ऐसे वीर-वीरांगनाएं भी थीं, जिनके नाम इतिहास के पन्नों में भले ही व्यापक रूप से दर्ज नहीं हैं, लेकिन जिनका योगदान देश कभी नहीं भूल सकता। रामदास मालिक ने कहा कि आज

भारत विश्व के सामने अपनी अलग पहचान बना रहा है। देश की युवा शक्ति, वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी विकास और लोकतांत्रिक व्यवस्था भारत को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। ऐसे समय में हमें स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमें देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और विचारों के बावजूद देशवासियों का तिरंगे के नीचे एकजुट होना भारत की विशेष पहचान है। इस एकता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त का दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि स्वतंत्रता प्राप्त करना जितना कठिन था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र, संविधान, कानून का सम्मान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा स्वतंत्र भारत की मूल भावना का हिस्सा हैं। आने वाली पीढ़ियों को भी इन मूल्यों के प्रति जागरूक करना जरूरी है। रामदास मालिक ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन प्रत्येक भारतीय के दिल में देशप्रेम की भावना को और मजबूत करे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के सभी ज्ञात-अज्ञात सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान की बदौलत आज हम स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी का दिन हमें गर्व के साथ-साथ जिम्मेदारी का एहसास भी कराता है। हमारा कर्तव्य है कि हम देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा करें तथा भारत को एक मजबूत, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें। स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत वही होगा, जहां हर नागरिक को समान अवसर मिले और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। रामदास मालिक ने कहा कि 15 अगस्त केवल आजादी का उत्सव नहीं, बल्कि देश के गौरवशाली इतिहास को याद करने, वीर शहीदों को नमन करने और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प लेने का दिन है। तिरंगे की शान हमेशा ऊंची रहे और देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे—यही स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक भारतीय की सबसे बड़ी कामना होनी चाहिए।

दरोगा के बेटे ने मर्सिडीज से कार के परखच्चे उड़ाए, 70 साल की महिला की मौत

नई दिल्ली। हरियाणा पुलिस में दरोगा के बेटे ने नशे में धुत होकर अपनी तेज रफ्तार मर्सिडीज से वैगनआर कार को टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार घूमकर सड़क किनारे खड़े टेंपों से टकरा गई। इस दौरान चिड़ियों को दाना डाल रहीं 70 साल की बुजुर्ग महिला उर्मिला की टेंपो व कार के बीच में आने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने मर्सिडीज चला रहे शुभम को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। लोगों का आरोप है कि शुभम नशे में था और उसकी गाड़ी से बीयर केन मिला। आरोपी 80 से 90 किमी की रफ्तार से कार चला रहा था। हादसे में वैगनआर चालक नरेंद्र भी घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी शुभम के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से मौत का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि शुभम दोस्तों संग पार्टी कर नरेला स्थित अपने घर वापस जा रहा था। हादसा मामूरपुर के हिमालय अपार्टमेंट के सामने सुबह करीब 8 बजे हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी शुभम नरेला के ग्रीन वैली अपार्टमेंट में रहता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार शुभम ने अपने दोस्त से खरीदी है, लेकिन अभी कागज में उसका नाम दर्ज नहीं हुआ है। मर्सिडीज के आगे और पीछे के नंबर अलग-अलग थे। कहा जा रहा है कि चालान से बचने के लिए उसने यह हरकत की थी। उसकी गाड़ी में बीयर की केन भी मिली है। शुभम पिछले साल एमए की पढ़ाई पूरा कर चुका है और अभी बेरोजगार है। स्थानीय निवासी राजवीर सिंह ने बताया कि हादसे के समय वह पार्क में घूम रहे थे। टक्कर की आवाज आते ही भागे तो देखा उर्मिला गाड़ी की चपेट में आ गई थीं। राजवीर ने बताया कि मर्सिडीज की रफ्तार 80 से अधिक रही होगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हादसे वाली जगह से कुछ ही दूर शराब और चिकन की दुकान हैं। अक्सर लोग यहां से नशे में गाड़ी निकालते हैं।

शराब के नशे में बाइक चला रहे युवक ने पूर्व सैनिक को मारी टक्कर

गुरुग्राम। बुढेड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र के चंदू गांव में शराब के नशे में तेज रफ्तार बाइक चला रहे युवक ने पैदल जा रहे सेवानिवृत्त सैनिक को टक्कर मार दी। हादसे में पूर्व सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की शिकायत पर राजेंद्रा पार्क थाने में बाइक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। चंदू गांव निवासी सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि वह इंडियन आर्मी की सिग्नल कोर से सेवानिवृत्त हैं। 8 अगस्त की रात वह चंदू गांव से छीलना मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते से पैदल खेतों की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार बाइक सवार गलत दिशा में आया और उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। सुनील के अनुसार, बाइक चालक शराब के नशे में था।

8वीं के छात्र ने ने फंदा लगाकर दी जान, मां ने इसलिए भेजा था ननिहाल

कासगंज। कासगंज के ढोलना क्षेत्र में ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहे 13 वर्षीय कक्षा आठ के छात्र ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। मां ने बेहतर पढ़ाई के लिए करीब तीन महीने पहले उसे ननिहाल भेजा था। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतक हिमांशु पुत्र स्वर्गीय शैलेन्द्र (13) एटा जिले के थाना जैथरा क्षेत्र स्थित गांव परौली का निवासी था। वह राणा इंटर कॉलेज में कक्षा 8वीं का छात्र था। हिमांशु अपनी पढ़ाई बेहतर ढंग से करने के लिए करीब 3 महीने पहले ही अपने ननिहाल ढोलना थाना क्षेत्र के गांव नगला नारायन में नाना रामसिंह पुत्र हुलासी के घर आया हुआ था। बृहस्पतिवार रात घर की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में हिमांशु ने फंदा लगाकर जान दे दी। घटना का खुलासा तब हुआ जब नाना के छोटे भाई के नाती शिवा ने उसको फंदे पर लटका देखा। शिवा के शोर मचाने पर आनन-फानन में परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजन ने तुरंत घटना की सूचना थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मासूम बालक की अचानक हुई मौत की खबर मिलते ही मां जावित्री देवी, 11 वर्षीय बहन मुस्कान और 6 वर्षीय छोटे भाई ऋषि का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता के साये के बाद अब बेटे को भी खो देने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता की मृत्यु तीन वर्ष पहले हो चुकी है।

अतरौली ब्लॉक प्रमुख के पति और उनके भाई के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट, पकड़ने को दबिश दे रही पुलिस

अलीगढ़। अलीगढ़ के चर्चित छात्रवृत्ति गबन मामले में अदालत ने अतरौली ब्लॉक प्रमुख के पति केहर सिंह और उनके भाई साहब सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए हैं। अदालत ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जल्द से जल्द अदालत में पेश किया जाए। वर्ष 2013 में आम आदमी पार्टी (आप) के तत्कालीन महानगर अध्यक्ष कमल सिंह ने न्यायालय के आदेश पर सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें अतरौली ब्लॉक प्रमुख पति केहर सिंह और उनके भाई साहब सिंह पर आरोप था कि पला साहिबाबाद क्षेत्र के दो विद्यालयों में छात्रवृत्ति के नाम पर बड़े पैमाने पर धन का गबन किया गया था। तत्कालीन प्रधानाचार्य रमेश चंद्र के त्यागपत्र देने के बाद, जब वादी कमल सिंह ने आरटीआई के तहत दस्तावेज निकलवाए, तब इस वित्तीय फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ था। पुलिस ने वर्ष 2014 में मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसके बाद आरोपियों ने डीजीपी से मिलकर मामले की अग्रिम विवेचना के आदेश करवा लिए थे। अग्रिम विवेचना में पुलिस ने चार्जशीट को संदिग्ध बताते हुए कुछ बच्चों को गलत नाम से छात्रवृत्ति मिलने की बात कही। इसी आधार पर वर्ष 2024 में निचली अदालत ने दोनों भाइयों को प्राथमिकी से डिस्चार्ज कर दिया था और केवल पूर्व प्रधानाध्यापक के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश दिए थे। इस फैसले के खिलाफ अदालत में रिवीजन याचिका दाखिल की गई। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए पूर्व प्रधानाध्यापक पर चार्ज फ्रेम करने के आदेश को रद्द कर दिया और केहर सिंह व साहब सिंह के खिलाफ मुकदमा चलाने के स्पष्ट निर्देश दिए।अदालत के ताजा आदेश के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। कोर्ट द्वारा दोनों भाइयों के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद, पुलिस अब इनकी धरपकड़ के लिए दबिश दे रही है।

NAME CHANGE
I, RAHUL SHAHI son of Shri RAJA NAND SHAHI, residing at E-802, Sunshin Helios, Sector-78, Noida, PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201305, have changed the name of my minor daughter SHAMBHAVI SHAHI aged 07 years and she shall hereafter be known as PIHU SHAHI.

NAME CHANGE
I RAHISUDDIN SON OF ALEYHDAAD R/O H NO. 57-B, GALI NO. 1, KARDAMPURI, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME RAIS AHMED ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I CHANDERKES GUPTA S/O KATWARU GUPTA R/O H NO-304 STREET NO-2 FRIENDS COLONY OLD FARIDABAD HARYANA 121002 HAVE CHANGED MY NAME TO CHANDERKESH GUPTA

NAME CHANGE
I, Love S/o Omprakash R/o 85, Gram Radoi Post-Bisawar, Radoi, PO: Bisawar, Dictrict : Mathura, Uttar Pradesh-281302 have changed my name to Kush.

NAME CHANGE
I hitherto known as Gunjan D/o Gopal Ram Gopal R/o Rasoolpur Dasana, Vidyut Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201008 have changed my name and shall hereafter be known as Parwati.

NAME CHANGE
I, Kameljeet kaur, W/O Harbans Singh, D11/2 Behind Bank Of India Vishnu Garden Delhi Pin 110018 Have Changed My Name To Kamaljeet Kaur For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Yash S/O Bijender Singh, 1887 Old Housing Board Colony Sector 15, Sonipat Pin 131001, Haryana, India Have Changed My Name To Yash Panchal For All The Future Purposes

NAME CHANGE
I RESHMA BEGUM W/O AZHAR SAIFI R/O 35/180 , BLOCK 35 TRILOK PURI DELHI 110091 have changed my minor son name ANAS TO ANAS AZHAR SAIFI Permanently for all future purpose

NAME CHANGE
I MOHD FAISAL KHAN S/O FAROGHE KALEEM KHAN R/O D-264 B, 2ND FLOOR, GALI NO - 6 SHAKAR PUR BARAMAD MANDAWALI WEST VINOD NAGAR DELHI - 110092 have changed my name to MOHAMMAD FAISAL KHAN Permanently for all future

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनीता कुमारी पत्नी श्री नरेंद्र कुमार,(श्री दीपांशु दलाल पुत्र श्री राजेश दलाल, श्री प्रशांत झाखड़ पुत्र श्री कुलबीर सिंह झाखड़ तथा श्री नीरज सिंह जीना पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह जीना एवं संपत्ति के समस्त स्वामियों से) तृतीय तल (RHS), बिना छत अधिकार के, प्लॉट संख्या 133 पर निर्मित, जिसका क्षेत्रफल 113 वर्ग गज है, जो 130 वर्ग गज में से तथा कुल 250 वर्ग गज क्षेत्रफल में से है, खसरा संख्या 104 एवं 105 में से, राजस्व ग्राम डिंडारपुर की राजस्व सीमा में स्थित, वर्तमान में श्याम विहार फेज-I, ई-ब्लॉक एक्सटेंशन, नजफगढ़, नई दिल्ली के नाम से ज्ञात कॉलोनी में स्थित उक्त संपत्ति को खरीदने का इरादा रखती हैं, उक्त संपत्ति के समस्त स्वामियों द्वारा श्रीमती उत्तरा दास पत्नी श्री एच.के. दास उर्फ हरिकृष्ण दास के पक्ष में निष्पादित दिनांक 31.03.2025 की GPA के आधार पर उपरोक्त विक्रेता उक्त संपत्ति के स्वामी हैं, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक तथा अन्य तृतीय-पक्ष दावों से पूर्णतः मुक्त है। उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री दीपांशु दलाल पुत्र श्री राजेश दलाल, श्री प्रशांत झाखड़ पुत्र श्री कुलबीर सिंह झाखड़ तथा श्री नीरज सिंह जीना पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह जीना के पास है, उपरोक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा- नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदान की जानी है।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I RIHANA BEGUM W/0 MOHD DULARE R/0 KH.NO B-BLOCK 3RD FLOOR GALI NO-8 SANGAM VIHAR DELHI 110084 CHANGED MY NAME TO MALKA

NAME CHANGE
LAVANYA D/o PRADEEP KUMAR R/o FLAT NO 302 THIRD FLOOR H1 BLOCK SAMRIDHI APARTMENT SECTOR-18 DWARKA SECTOR-20 RAJ NAGAR -II SOUTH WEST DELHI-110077 HAVE CHANGED MY NAME TO LAVANYA VERMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I MO RAIS S/0 MOHD DULARE R/0 KH.NO B-BLOCK 3RD FLOOR GALI NO-8 SANGAM VIHAR DELHI 110084 CHANGED MY NAME TO MOHD RAIS

NAME CHANGE
I DULARE KHAN S/0 MEHBOOB KHAN R/0 KH.NO B-BLOCK 3RD FLOOR GALI NO-8 SANGAM VIHAR DELHI 110084 CHANGED MY NAME TO MOHD DULARE

सार्वजनिक सूचना
मैंने अपने बेटे मोहम्मद अजमल से गलत आचरण के कारण उससे समस्त संबंध समाप्त कर लिए हैं। भविष्य में उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सकीना बेगम उम्र 40 वर्ष निवासी बी-1/47, अगर नगर, प्रेम नगर-3, किरारी सुलेमान नगर, दिल्ली - 110086

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे ग्राहक आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से श्री राम नायक ने प्लॉट संख्या 218 के एक हिस्से (75 वर्ग गज क्षेत्रफल), खसरा संख्या 128 के भाग, जो बिंदपुर गांव, ओ-एक्सटेंशन कॉलोनी, वाणी विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली में स्थित है, के लिए संपर्क किया है। श्रीमती महिंदर कौर द्वारा श्री राम नायक के पक्ष में दिनांक 02.04.2009 को निष्पादित जीपीए (दस्तावेज़ संख्या 3024) की वसीयत व एटीएस गुम है। उक्त संपत्ति, जिसमें प्लॉट संख्या 218 का एक हिस्सा (75 वर्ग गज क्षेत्रफल), खसरा संख्या 128 का भाग, जो बिंदपुर गांव, ओ-एक्सटेंशन कॉलोनी, वाणी विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली में स्थित है, उपलब्ध नहीं है। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखी जाने वाली संपत्ति। बैंक, वित्तीय संस्थान या कोई भी पक्षकार, जिनका उक्त संपत्ति या उसके किसी भाग पर उत्तराधिकार, आवंटन, गिरवी, प्रभार, कब्ज़ा, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप में कोई दावा (खसरा संख्या पर आपत्ति), मांग, अधिकार या हित हो, उन्हें प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर दस्तावेजी साक्ष्य सहित लिखित रूप में इसकी सूचना देना आवश्यक है, अन्यथा उक्त व्यक्ति/व्यक्तियों का कोई दावा, यदि कोई हो, तो उसे माफ और निपटा हुआ मान लिया जाएगा।
सुश्री रानी शिल्पी (एडवोकेट)
कार्यालय पता- मकान नंबर टी/181, यूजीएफ, शूकर बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाइल नंबर - 9717780057

NAME CHANGE
I, SHADAN ALAM, S/o ANJUM and FURQUAN ALAM, R/O H. NO. R-89, STREET NO. 22, BRAHAMPURI, NEW SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI 110053, HEREBY DECLARE THAT THE NAME OF MY PARENTS HAVE BEEN CHANGED:
Father's Name: FURQAN ALAM
Mother's Name: ANJUM JAMAL

NAME CHANGE
I HARDAS S/O RAM DAS R/O H.NO- 63-A, SAINIK ENCLAVE, GALI NO-06, NEAR DURGA MANDIR, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, DIST: WEST DELHI - 110059 HEREBY DECLARE THAT THE NAME OF MINE & FATHER HAVE BEEN CHANGED:
MY CORRECT NAME: HARDASS
FATHER NAME: RAM DASS

NAME CHANGE
I ROSHAN KUMAR SAHNI S/0 DEEPAK KUMAR SAHNI R/0 D-101 GALI NO-7GANESH NAGAR SHAKARPUR DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO ROSHAN SAHNI

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Shri Nirmal Kumar Ahlawat 2. Shri Vimal Ahlawat are the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Property Bearing No. C-356-B, on Plot No. 11, with roof/terrace rights, area measuring 135 Sq. Yds., i.e., 112.87 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 113/15, Situated in the area of Village Palam, Delhi State Delhi, Colony Known as Gali No. 41, Mahavir Enclave, Part-III, Uttam Nagar, New Delhi-110059. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 07.05.2026 duly registered as Document No. 2026/16/I/6792, in Book No. I, Volume No. 16666, on Pages. 1-18, on 07.05.2026, with the Sub-Registrar Office of South West Kapashera., We are notifying/declaring publicly that Sh. Rajinder Singh Ahlawat S/o Sh. Chandan Singh Ahlawat and Shri Rajender Singh Son of Shri Attar Singh both are same person. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Jhandewalan New Dehi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, REKHA, is legally mother of Army No. 2813649L, Rank - HAV, Name - DAHAKE GIRISH BHASKAR, presently residing at Vill - Kaotha (Rly), Post - Kaotha (Rly), Tal - Deoli, Dist - Wardha, State - Maharashtra, Pin - 442302, have changed my name from REKHA to REKHA BHASKARRAO DAHAKE and date of birth from 12/10/1967 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, MUSHRAT W/o MOHD REHAN R/o 2636, Gali Khajoor Wali, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi-110002, have changed my name to MUSARRAT JAHAN for all purposes.

NAME CHANGE
I KARAN SINGH GAUTAM S/O NIHAL SINGH R/O H.NO- 8/61 A, RAM GALI VISHWAS NAGAR, P.O - SHAHDARA, DIST: SHAHDARA DELHI - 110032 HAVE CHANGED TO MY NAME KARAN SINGH

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि आम जनता को ज्ञात हो कि श्री प्रशांत वर्मा संपत्ति संख्या II-35, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज अर्थात 41.80 वर्ग मीटर, ब्लॉक- II, खसरा संख्या 29/29 में से, ग्राम खुरेजी खास, इल्लाका शाहदरा, दिल्ली-110051 के क्षेत्र में स्थित जगतपुरी की आबादी में स्थित संपत्ति को श्री संदीप कुमार से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में श्री संदीप कुमार का स्वामित्व श्रीमती कविता सचदेवा, सुश्री उमा एवं श्री श्याम खन्ना द्वारा निष्पादित त्यागपत्र (Relinquishment Deed) दिनांक 19.07.2018, दस्तावेज संख्या 4400, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 36-39, वॉल्यूम संख्या 1350, दिनांक 28.07.2018, उप-पंजीयक कार्यालय स्क्र-VIIIA, प्रीत विहार, दिल्ली के माध्यम से प्राप्त हुआ। इससे पूर्व, श्रीमती ईश्वरी देवी एवं श्री संदीप कुमार ने संयुक्त रूप से उक्त संपत्ति को श्रीमती कमलेश धवन द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) दिनांक 29.08.2012, दस्तावेज संख्या 17742 के माध्यम से क्रय किया था। तत्पश्चात, श्रीमती ईश्वरी देवी के निधन के बाद उक्त संपत्ति में उनके अधिकार/हिस्से का हस्तांतरण संबंधित कानूनी दस्तावेजों के अनुसार हुआ, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, देनदारियों, बंधक, दावों एवं अन्य तृतीय-पक्ष हितों से मुक्त बताया गया है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के लिए Bajaj Housing Finance Ltd., सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा वित्तपोषण प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति या दावा है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति/दावा लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं। उक्त आपत्ति/दावा अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक (Registered Post) के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजा जा सकता है। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति/दावा प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त दावे/अधिकार को निरस्त एवं शून्य (Null and Void) माना जाएगा तथा बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I PRATIBHA legally mother of Army no - 2817391A, Rank - SEP, Name - ARBAT SHUBHAM RAMKRUSHNA, Presently Residing At - Dewarda, Post- Palsod Teh - Akot, Dist - Akola, State- Maharashtra, Pin - 444101 have changed my name from PRATIBHA to PRATIBHA RAMKRUSHNA ARBAT for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 11/07/1976 instead of my correct date of birth as 01/01/1976 Vide Affidavit dated 13/07/2026 before Notary Public Delhi.

Date of Birth Change
I, BHASKAR NAMDEORAO DAHAKE, is legally father of Army No. 2813649L, Rank - HAV, Name - DAHAKE GIRISH BHASKAR, presently residing at Vill - Kaotha (Rly), Post - Kaotha (Rly), Tal - Deoli, Dist - Wardha, State - Maharashtra, Pin - 442302, have changed my date of birth from 05/06/1960 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/08/2026 before Public Notary, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री जय प्रकाश पुत्र जितेंद्र कुमार, जो मकान संख्या 849 (पीआईडी संख्या 1CQTDAT6) के स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है और जो खेवट खाता संख्या 563/603, मुस्तिल संख्या 31, किला संख्या 1(7-11), 2(7-11), काइट 2 रकबा 15 कनाल 2 मरला, वका सिवाना मौजा, धनवापुर हॉल कॉलोनी, सूरत नगर, फेज 2, तहसील कादीपुर, जिला गुरुग्राम, हरियाणा-122006, एमसी गुरुग्राम के अंतर्गत आता है, ने श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री जितेंद्र कुमार द्वारा निष्पादित हस्तांतरण विलेख संख्या 3819 दिनांक 19.06.2026 के माध्यम से श्री जय प्रकाश पुत्र जितेंद्र कुमार के पक्ष में संपत्ति हस्तांतरित की है। उक्त संपत्ति के दस्तावेज इस प्रकार हैं- 1) मूल पंजीकृत विक्रय विलेख, पंजीकरण संख्या 11887, दिनांक 12.01.1999, श्री चरण सिंह पुत्र श्री राम काला द्वारा श्री कर्नल दिनेश चंद कुलशेष्ठ पुत्र श्री बीपी कुलशेष्ठ के पक्ष में निष्पादित, कुल भूमि क्षेत्र 60 वर्ग गज। 2) मूल पंजीकरण जीपीए संख्या 1548 दिनांक 30.05.2012 श्री कर्नल दिनेश चंद कुलशेष्ठ पुत्र श्री बीपी कुलशेष्ठ द्वारा श्री सीपीएस रंगा पुत्र श्री श्रीचनाद रंगा के पक्ष में निष्पादित किया गया। उपर्युक्त दस्तावेज गुम हो गया है, जिसकी शिकायत हरियाणा पुलिस नागरिक सेवा में आवेदन संख्या 132270752600927 और गुम होने की तिथि 06/08/2026 के तहत दर्ज कराई गई थी और इसकी प्राप्ति स्वीकार कर ली गई है। श्री जय प्रकाश पुत्र जितेंद्र कुमार उक्त संपत्ति के सच्चे और वैध स्वामी हैं। ग्राहक उक्त संपत्ति के बदले ट्रू होम फाइनेंस लिमिटेड गुरुग्राम शाखा से ऋण सुविधा ले रहा है और ऋणदाता इस सुविधा को सुरक्षित करने के लिए उक्त संपत्ति पर अपना प्रभार बनाएगा। उक्त संपत्ति के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति का कोई अधिकार, आपत्ति या दावा नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता है। इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। कृपया नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें
दीपक मलिक (वकील)
पता-दुकान नंबर 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स, दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव
मोबाइल नंबर - 9540419009

NAME CHANGE
I MANDEEP SINGH S/O HARVINDER SINGH GILL R/O. RZ-25B/10 GALI NO-32 INDRA PARK PALAK COLONY DELHI-110045 have changed my name to MANDEEP SINGH GILL for all future purposes.

NAME CHANGE
I NAMDEV legally father of Army no - 2813736Y, Rank - Nk, Name - More Vyankoba Namdev, Presently Residing At Panshewadi, Post- Panshewadi, Teh - Kandhar, Dist - Nanded, State- Maharashtra, Pin - 431714 have changed my name from NAMDEV to NAMDEV MADHAVRAO MORE for all future purposes, In my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 Vide Affidavit dated 15/07/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "3RD FLOOR WITH ROOF PROPERTY NO. 239, AREA 32 SQ. YDS., KHASRA NO. 642, VILLAGE CHANDRAWALI ALIAS SHAHDARA IN THE ABADI OF CHAR TUTI WALI TELIWARA ILLAQA SHAHDARA DELHI 110032" I.E. 1. ORIGINAL TITLE DOCUMENT/KHATUNI, IN FAVOUR OF SMT. PUSHPA DEVI W/O LATE SUNDER LAL, 2. ORIGINAL NOTARY GPA, ATS & WILL DT. 20.09.1990 EXECUTED BY SMT. PUSHPA DEVI W/O LATE SUNDER LAL IN FAVOUR OF SMT. USHA RANI VERMA W/O SH. NANAK CHAND, 3. ORIGINAL NOTARY GPA, ATS & WILL DT. 21.06.1996 EXECUTED BY SMT. USHA RANI VERMA W/O SH. NANAK CHAND IN FAVOUR OF SMT. PUSHPA DEVI W/O LATE SUNDER LAL AND 4. DEATH CERTIFICATE SH. SUNDER LAL HAVE BEEN LOST / NOT AVAILABLE WITH THE CURRENT OWNER MR. RAJESH KUMAR AND SAID OWNER MR. RAJESH KUMAR ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE RELINQUISHMENT DEED DT. 09.01.2023 EXECUTED BY 1) SMT. ASHA RANI 2) SMT. SUSHMA RANI 3) SMT. SUNITA SIKKA ALL D/O LATE SUNDER LAL IN FAVOUR OF SH. RAJESH KUMAR S/O LATE SUNDER LAL NOW MR. RAJESH KUMAR WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अपर्णा सामंता पुत्री स्वर्गीय श्री दीपक सामंता एवं श्री सत्यजीत मैती पुत्र श्री स्वपन मैती तृतीय तल, बिना छत अधिकार के, संपत्ति संख्या 1867/1, गली नं. 14, क्षेत्रफल 66 वर्ग गज, खसरा नं. 27 में से, गोविंदपुरी एक्सटेंशन, कालकाजी, नई दिल्ली-110019 में स्थित उक्त संपत्ति को श्री समर्थ गुप्ता पुत्र श्री परवीन कुमार गुप्ता से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में श्री समर्थ गुप्ता को दिनांक 08.05.2026 को निष्पादित त्यागपत्र/Reliinquishment Deed के माध्यम से स्वामित्व प्राप्त हुआ, जो श्रीमती नीलम गुप्ता पत्नी श्री परवीन कुमार गुप्ता एवं श्रीमती शुचि मलिक पत्नी श्री दिवांशु मलिक द्वारा निष्पादित किया गया था। श्री परवीन कुमार गुप्ता पुत्र श्री मनोहर लाल का दिनांक 28.10.2025 को निधन हो गया था। श्री परवीन कुमार गुप्ता ने उक्त संपत्ति को दिनांक 30.03.1988 की पंजीकृत GPA के माध्यम से श्रीमती कंचन भाटिया पत्नी श्री इंद्रजीत भाटिया से प्राप्त किया था, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, दावों तथा अन्य तृतीय-पक्ष हितों से मुक्त बताई गई है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए Bajaj Housing Finance Ltd., Ghaziabad, U.P. द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति या दावा है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति/दावा लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं। उक्त आपत्ति/दावा अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक (Registered Post) के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजा जा सकता है। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति/दावा प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त दावे/अधिकार को निरस्त एवं शून्य (Null and Void) माना जाएगा तथा बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarwfiwvashwani@gmail.com

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

कार्य का नामः दिल्ली मंडल के अंतर्गत आनंद विहार डिपो की प्राइमरी-बेस्ड शताब्दी/तेजस/शताब्दी-टाइप/राजधानी/दुरंतो/गतिमान/AC/एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन-बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के समय, AC कोचों के ताजी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल तथा कूलिंग/कंडेंसर कॉइल्स की सफाई का कार्य, तीन वर्षों की अवधि के लिए।

निविदा संख्या	30-विद्युत-11टीआर-कोचिंग-2025-26
कार्य का अनुमानित लागत (रू0 में)	रू० 12,68,02,167.22/-
निविदा फार्म का मूल्य	0.00/-
कार्यालय का पता	वरि० मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली
बयाना राशि	रू० 7,84,000/-
कार्य समाप्ति की अवधि	36 महीने
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	03.09.2026, 15:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि व समय	03.09.2026, 15:01 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरि० मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग/दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2802/2026

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जागरूकता वाहन रवाना, पर्यावरण संरक्षण का भी देगा संदेश

एजेंसी

हिसार। हर घर तिरंगा अभियान के तहत वीरवार को उपायुक्त महेंद्र पाल ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग तथा वन विभाग के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की गौरव गाथा और देशभक्ति का संदेश देगा। इसके अतिरिक्त एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नागरिकों को पौधारोपण व पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन-बान-शान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि तिरंगा वाहन के माध्यम से आमजन को एक पेड़ मां के नाम अभियान से भी जोड़ा जाएगा। वाहन के जरिए लोगों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे तिरंगे के सम्मान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएं और पौधारोपण कर प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान दें।

एमडीयू में पीजी के पांच कोर्सों की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक ने सत्र 2026-27 में खाली सीटों को भरने के लिए कई पीजी पाठ्यक्रमों में दोबारा आवेदन का मौका दिया है। विश्वविद्यालय ने एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी और पीजी डिप्लोमा इन कर्मकांड में दाखिले के लिए नए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि एमएससी केमिस्ट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 अगस्त तक किए जा सकेंगे। मेरिट सूची 21 अगस्त को जारी होगी और पहली फिजिकल काउंसलिंग 24 अगस्त को होगी। एमएससी बायोकेमिस्ट्री के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 19 अगस्त है। इसकी मेरिट सूची और फिजिकल काउंसलिंग 20 अगस्त को होंगी। एमएससी माइक्रोबायोलॉजी और एमएससी माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी के लिए आवेदन 17 से 24 अगस्त तक किए जा सकेंगे। इन दोनों पाठ्यक्रमों की फिजिकल काउंसलिंग 25 अगस्त को होगी और फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 26 अगस्त है। वहीं, पीजी डिप्लोमा इन कर्मकांड के लिए आवेदन 17 से 20 अगस्त तक होंगे। मेरिट सूची 21 अगस्त को जारी होगी। पहली काउंसलिंग 22 अगस्त को और सीटें खाली रहने पर दूसरी काउंसलिंग 24 अगस्त को होगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता देवकांत हरको बैंक के प्रोफेशनल डायरेक्टर नियुक्त

चंडीगढ़। वरिष्ठ अधिवक्ता देवकांत शर्मा को हरियाणा राज्य सहकारी अपेक्स बैंक का प्रोफेशनल डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विनोद शर्मा, भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद श्री धर्मबीर सिंह, हरको बैंक के चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल तथा बैंक के सभी निदेशकगण का हृदय से आभार व्यक्त किया। श्री देवकांत शर्मा, लंबे समय से भिवानी बार में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अपनी नई जिम्मेदारी को लेकर उनका प्रमुख उद्देश्य हरको बैंक और सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना, आमजन एवं किसानों के हित में प्रभावी कार्य करना तथा बैंक के विकास और जनकल्याण को नई दिशा देना रहेगा।

अतिरिक्त उपायुक्त के मार्गदर्शन में आयोजित किये गए समाधान शिविर

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में जिला में समाधान शिविर आयोजित किये गए। इन समाधान शिविरों में नागरिकों की समस्याएं सुनी गई तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को इन समस्याओं के समयबद्ध निपटारे के निर्देश दिये गए। जिला स्तर पर स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध उचित निपटारा करें ताकि उन्हें राहत मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करते समय संबंधित नागरिक से बात अवश्य करें तथा उन्हें विभागीय कार्यवाही की जानकारी देकर संतुष्ट करें। राजपाल चहल ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार नागरिकों की हर विभाग से संबंधित समस्या का एक छत के नीचे तुरंत निपटारा करने के उद्देश्य से हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है।

गुरु के शीश की रक्षा के लिए अपना शीश देने वाले बाबा कुशाल सिंह दहिया की धरती पर निकली तिरंगा यात्रा

राई की बलिदानी मिट्टी ने फिर दिया राष्ट्र प्रथम का संदेश, तिरंगे के साथ गूंजे भारत माता के जयघोष

● 'बलिदान केवल शब्द नहीं, बल्कि अपनी सबसे प्रिय वस्तु भी किसी महान उद्देश्य के लिए समर्पित कर देने का नाम है।'

एजेंसी

चंडीगढ़। जिस राई की पावन धरती ने बाबा कुशाल सिंह दहिया जैसे महान बलिदानी को जन्म दिया, उसी ऐतिहासिक धरती पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा ने त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की गौरवशाली परंपरा को एक सूत्र में पिरो दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा और आमजन हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा राई क्षेत्र राष्ट्रभक्ति से गुंजायमान हो उठा।

डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राई की धरती का इतिहास हमें बताता है कि बलिदान केवल शब्द नहीं, बल्कि अपनी सबसे प्रिय वस्तु भी किसी महान उद्देश्य के लिए समर्पित कर देने का नाम है। बाबा कुशाल सिंह दहिया जी ने गुरु के शीश की रक्षा के लिए अपना शीश देकर त्याग और बलिदान की ऐसी मिसाल कायम

की, जिसे युगों-युगों तक श्रद्धा के साथ स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज उसी बलिदानी धरती पर हाथों में तिरंगा लेकर चलना अपने आप में गौरव और भावुकता का क्षण है। जिस मिट्टी में धर्म और गुरु की मर्यादा की रक्षा के लिए शीश अर्पित करने की परंपरा रही हो, उस मिट्टी से उठता तिरंगा राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पण का संदेश देता है। बाबा कुशाल सिंह दहिया जी का बलिदान और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों तथा शहीदों का त्याग हमें एक ही शिक्षा देता है—व्यक्ति से बड़ा राष्ट्र और अपने स्वार्थ से बड़ा कर्तव्य होता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश की स्वतंत्रता भी असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों के त्याग और बलिदान से प्राप्त हुई है। हमारे वीर सैनिक आज भी सीमाओं पर मातृभूमि की रक्षा के लिए डटे हैं। आजादी के महापर्व की पूर्व संध्या पर हमें उन सभी वीरों के प्रति कृतज्ञ होकर यह संकल्प लेना चाहिए कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान से कभी समझौता नहीं होने देंगे। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि तिरंगा अभियान प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति उसके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि उन असंख्य बलिदानों की अमूल्य विरासत है जिनके कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सिर ऊंचा करके खड़े हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का गौरव और तिरंगे का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। भाजपा राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी है और उसका प्रत्येक कार्यकर्ता इसी भावना के साथ राष्ट्रसेवा में जुटा है।

दक्षता विकास केंद्र युवाओं के कौशल, आत्मविश्वास और उज्जवल भविष्य की आधारशिलाः सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में क्षेत्रीय दक्षता विकास केंद्र का किया उद्घाटन

रखी जा रही इस आधारशिला और हमारे प्रयासों का वास्तविक परिणाम भविष्य में हमारे सामने आएगा
--मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत स्थित दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में क्षेत्रीय दक्षता विकास केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केंद्र प्रदेश के युवाओं के कौशल, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है, इस कौशल प्रयोगशाला से सीखकर युवा सीधे उद्योगों तक पहुंचेगा। उनके सपनों को रोजगार, उद्यम तथा राष्ट्र-निर्माण की शक्ति मिलेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विश्वविद्यालय के मेधावी स्कॉलर और शिक्षकों को एक्सीलेंस अवॉर्ड दिए। उन्होंने दक्षता विकास केंद्र लैब का स्वयं अवलोकन

किया और विद्यार्थियों से बातचीत करके उन्हें बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम किसान मसीहा दीनबंधु सर छोटू राम जी के नाम पर है। जिन्होंने सपना देखा था कि भारत में परिश्रम करने वालों को सम्मान मिले। आज यह केंद्र सर छोटूराम के विचार का आधुनिक विस्तार है। आज हमारे युवाओं का कौशल विकसित भारत और विकसित हरियाणा की दिशा तय कर रहा है। सर छोटू राम जी का कृषि-विजन और आधुनिक तकनीक का यह संगम मुरथल से पूरे प्रदेश के लिए नई प्रेरणा बनेगा। उन्होंने वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड-वोल्वो समूह और आइशर मोटर्स के इस संयुक्त उद्यम की प्रशंसा की और उनके इस प्रयास को उद्योग और अकादमिक जगत के बीच विश्वास का सेतु बताया।

युवाओं से तीन संकल्प का किया आह्वान

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों से तीन संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पहला संकल्प- जीवन भर सीखते रहें, क्योंकि तकनीक बदलती है और सीखना ही हमें प्रासंगिक रखता है। दूसरा संकल्प- कौशल के साथ चरित्र निर्माण करें, क्योंकि ज्ञान शक्ति देता है, पर ईमानदारी उस शक्ति को सही दिशा देती है।

तीसरा संकल्प- जो सीखें, उसका कुछ अंश समाज को लौटाएं, क्योंकि सफलता का सर्वोच्च रूप सेवा है। उन्होंने कहा कि याद रखिए, डिग्री आपको पहला अवसर दे सकती है, लेकिन अनुशासन, परिश्रम और संवेदनशीलता ही आपको दूर तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हमारे सामने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प रखा है।

माधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जिला में आयोजित समाधान शिविरों में कुल 7 शिकायतें प्राप्त हुईं

एजेंसी

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन की शिकायतों के निराकरण का प्रभावी मंच बनकर उभरे हैं। इन शिविरों के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है तथा शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में करनाल मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर में सीटीएम सुरेश कुमार विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडल स्तरों पर आयोजित समाधान शिविरों में वीरवार को 7 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें करनाल मुख्यालय व इंद्री उपमंडल में आयोजित समाधान शिविरों में दो-दो शिकायतें प्राप्त हुईं। वहीं नीलोखेड़ी, असंध व घरौंडा उपमंडल में एक-एक शिकायत प्राप्त हुई। करनाल मुख्यालय पर आयोजित शिविर में मेहर सिंह मलबा हटवाने से संबंधित शिकायत को लेकर पहुंचे। विक्रमजीत सिंह परिवार पहचान पत्र को ठीक करने की शिकायत को लेकर पहुंचे। नीलोखेड़ी उपमंडल में आयोजित समाधान शिविर में बबली परिवार पहचान पत्र में जन्म तिथि को ठीक करवाने से संबंधित शिकायत को लेकर पहुंची। असंध उपमंडल में आयोजित समाधान शिविर में सुभाष चंद परिवार पहचान पत्र में जन्म तिथि को ठीक करवाने से संबंधित शिकायत को लेकर पहुंचे। इसी प्रकार से घरौंडा उपमंडल में आयोजित समाधान शिविर में भगवती परिवार पहचान पत्र में जन्म तिथि को ठीक करवाने से संबंधित शिकायत को लेकर पहुंचे।

हर भारतीय की पहचान, सम्मान, स्वाभिमान का प्रतीक है तिरंगा - डीसी अभिषेक मीणा

लघु सचिवालय रेवाड़ी, कोसली व बावल में लगाई गई हर घर तिरंगा प्रदर्शनी

एजेंसी

रेवाड़ी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत लघु सचिवालय परिसर रेवाड़ी के साथ-साथ कोसली, बावल व इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर में विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा तैयार की गई इस प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के गौरवशाली इतिहास, महत्व और सम्मान पूर्वक उपयोग से जुड़े नियमों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि वंदे मातरम को 150 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इसको लेकर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिले में इस प्रकार की चार जगह प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें लघु सचिवालय रेवाड़ी, उपमंडल कोसली, उपमंडल बावल व इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर शामिल हैं। सभी आमजन इस प्रदर्शनी का अवलोकन करें और तिरंगे के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करें। डीसी ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों का संगम नहीं है, बल्कि यह देश के 140 करोड़ भारतीयों की पहचान, सम्मान, स्वाभिमान तथा संकल्प का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान जन आंदोलन बन गया है। यह देश के हर घर, हर परिवार और हर नागरिक के जीवन से जुड़ गया है।

युवा पीढ़ी को जीवन में हमेशा आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए – डीसी

विभाजन की पीड़ा और बलिदानों को याद कर राष्ट्रीय एकता का संकल्प ले युवा पीढ़ी : डीसी

एजेंसी

झज्जर। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित संवाद भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीसी वर्षा खांगवाल ने भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना व नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी के साथ वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान पीड़ित लोगों के संघर्ष, पीड़ा और बलिदान को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

साथ ही विभाजन की स्मृति लघु फिल्म का प्रसारण किया गया। वहीं विभाजन विभीषका को लेकर प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका प्रभावित पारिवारिक सदस्यों व विद्यार्थियों ने अवलोकन किया। गणमान्य लोगों ने विभाजन के दौरान पीड़ित परिवारों को सम्मान पटका व शाल भेंटकर सम्मान किया। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें इतिहास के उस दर्दनाक दौर की याद दिलाता है, जब वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान लाखों लोगों को विस्थापन, कठिन परिस्थितियों और अपनों से बिछड़ने का दर्द सहना पड़ा। अनेक परिवारों ने अपने घर-बार छोड़े और असहनीय पीड़ा का सामना किया। उन सभी लोगों के संघर्ष और बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। युवा पीढ़ी को जीवन में हमेशा आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि विभाजन की स्मृतियों को याद करने का उद्देश्य किसी के प्रति वैमनस्य पैदा करना नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी को इतिहास से सीख लेकर वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का महत्व समझाना है।

सफेद बटन मशरूम उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत जगह बना रहा हरियाणा प्रदेश : श्री श्याम सिंह राणा

राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार राज्य में बागवानी और कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी बनाकर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि हरियाणा आज सफेद बटन मशरूम उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत जगह बना रहा है। राज्य सरकार किसानों को मशरूम इकाइयाँ स्थापित करने के लिए 40 से 50 प्रतिशत तक का अनुदान दे रही है। इसके साथ ही, अनुसूचित जाति के किसानों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए विशेष योजनाएँ लागू की गई हैं, जिनके तहत विभिन्न बागवानी गतिविधियों पर 85 प्रतिशत तक

की भारी सब्सिडी प्रदान की जा रही है। कृषि मंत्री ने कंकरी दी कि राज्य में बागवानी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बागवानी को व्यापक और आधुनिक स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई 'बागवानी पॉलिसी' तैयार की जा रही है, जिसे जल्द ही लागू कर दिया जाएगा। इस वर्ष राज्य के सभी जिलों में स्मार्ट बागवानी तकनीकों–जैसे संरक्षित खेती, एरोपोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ग्रीनहाउस और वर्टिकल फार्मिंग–को तेजी से प्रोत्साहित किया जाएगा और लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र को इन आधुनिक तकनीकों के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा गया है। श्री राणा ने बताया कि बागवानी फसलों के उत्पादन से लेकर उनके मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) और बाजार में सही विपणन (मार्केटिंग) तक किसानों को बेहतर संस्थागत सहयोग देने के उद्देश्य से विभाग के ढांचे में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत विभाग का पुनर्गठन कर इसे नया नाम 'बागवानी एवं विपणन विभाग' देने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, वर्ष 2026-27 के दौरान 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर बागवानी फसलों का पंजीकरण पूरे साल खुला रहेगा, जिससे किसान आसानी से अपनी फसलों का ब्योरा दर्ज करा सकेंगे। वहीं फसलों के बेहतर भंडारण, कीमतों में स्थिरता बनाए रखने और तरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए एक समर्पित 'कोल्ड चेन नीति' भी लागू की जाएगी। श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि इन सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं और नीतियों के माध्यम से हरियाणा सरकार कृषि को आधुनिक, टिकाऊ और अधिक मुनाफा देने वाला क्षेत्र बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मजबूत होगी जल निकासी व्यवस्था, 12.42 करोड़ रुपये की परियोजना को मिली प्रशासनिक मंजूरी

बारिश के पानी की निकासी को बेहतर बनाने के लिए बनेगा नया स्टॉर्म वाटर ड्रेन

एजेंसी

चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार प्रदेश में बारिश के पानी की सुचारू निकासी और शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में अंबाला शहर में पुराने दिल्ली रोड पर जंडली फ्लाईओवर से पॉलिटेक्निक चौक तक नए स्टॉर्म वाटर ड्रेन के निर्माण के लिए 12.42 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की गई है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान जलभराव से लोगों को राहत देने के साथ-साथ ऐसी मजबूत एवं वैज्ञानिक जल निकासी व्यवस्था विकसित करना है, जो भविष्य में बढ़ती आबादी और शहरीकरण की जरूरतों को भी पूरा कर सके। उन्होंने बताया कि अंबाला शहर में पुराने दिल्ली रोड के साथ मौजूदा ड्रेनों के ओवरफ्लो होने के कारण बारिश के दौरान सड़क पर पानी भराव होने और यातायात प्रभावित होने की समस्या सामने आ रही थी। ऐसे में इसके निदान के लिए

ठोस कदम उठाए गए है। मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब नए स्टॉर्म वाटर ड्रेन का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री घोषणा के तहत किए जाने वाले इस कार्य से पुराने दिल्ली रोड की बारिश के पानी की निकासी क्षमता बढ़ेगी और जलभराव की समस्या को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सकेगा।परियोजना को तकनीकी रूप से मंजूरी मिलने के बाद अब प्रशासनिक मंजूरी भी प्रदान कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2026-27 में अर्बन ड्रेनेज एंड फ्लड कंट्रोल के तहत 80 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। प्रदेश में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर परियोजनाएं आगे बढ़ाई जा रही हैं। इससे शहरी क्षेत्रों में बारिश के पानी की निकासी बेहतर होने के साथ-साथ जलभराव और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करने में मदद मिलेगी। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार विकास कार्यों को केवल वर्तमान जरूरतों के आधार पर नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ा रही है। आधुनिक एवं प्रभावी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, ताकि प्रदेशवासियों को मानसून के दौरान बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

एसएमएएम योजना के तहत चयनित किसान 18 अगस्त तक खरीदें कृषि यंत्र :- अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार

एजेंसी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने जिला के एसएमएएम योजना 2026-27 के तहत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने के लिए सभी चयनित किसानों का आह्वान किया है कि जिन किसानों ने अभी तक अपना परमिट डाउनलोड नहीं किया है अथवा कृषि यंत्र की खरीद नहीं की है, वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी करें। विभाग द्वारा कृषि यंत्र खरीदने की अंतिम तिथि 18 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। इसलिए जिन किसानों ने अभी तक कृषि यंत्र नहीं खरीदा है, वे पहले अपना परमिट डाउनलोड करें और उसके बाद ही कृषि यंत्र की खरीद करें। नरेंद्र कुमार ने बताया कि संबंधित किसान विभागीय पोर्टल agriharyana.gov.in पर जाकर अपना परमिट स्वयं डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा किसान विभाग द्वारा अधिकृत अपने पसंदीदा कृषि यंत्र निर्माता अथवा डीलर के पास जाकर भी परमिट डाउनलोड करवा सकते हैं। परमिट डाउनलोड करने से पहले विभागीय पोर्टल पर अपनी पसंद के कृषि यंत्र के निर्माता, डीलर तथा कृषि यंत्र का वेरिएंट चुनना अनिवार्य है। इसके बाद ही परमिट डाउनलोड होगा। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि किसान कृषि यंत्र खरीदने के बाद उस पर अपना नाम, पता और योजना का नाम अवश्य लिखवाएं। कृषि यंत्र के साथ निर्माता/डीलर अथवा उनके प्रतिनिधि के साथ खड़े होकर अपनी लोकेशन आधारित फोटो लें। कृषि यंत्र का बिल, ई-वे बिल और फोटो निर्माता अथवा डीलर के माध्यम से विभागीय पोर्टल पर अपलोड करवाएं। परमिट में कृषि यंत्र का जो आकार/साइज निर्धारित किया गया है, किसान को उसी आकार का कृषि यंत्र खरीदना होगा। जिन किसानों ने कृषि यंत्र खरीद लिया है और निर्माता द्वारा उसका बिल विभागीय पोर्टल पर अपलोड करवाया जा चुका है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 70 अंक, निफ्टी 30 अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 70 अंक नीचे आकर 78,009.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक टूटकर 24,366.00 पर बंद हुआ। बाजार में आई इस गिरावट के पीछे निवेशकों की मुनाफावसूली को भी एक बड़ा कारण माना गया है। इसके अलावा वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच भी बाजार में बिकवाली हावी रही जिससे भी वह गिरा। आज कारोबार के दौरान अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और विप्रो के शेयरों में तेजी रही जबकि टाटा मोटर्स, जियो फाइनेंशियल, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई)के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। आज केवल मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनियां ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुईं। इसके अलावा फार्मा, सरकारी बैंक, एफएमसीजी और ऑटो जैसे अन्य सभी प्रमुख विभागों में गिरावट रही। व्यापक बाजार में भी हल्का दबाव देखा गया, जहां `निफ्टी` मिडकैप 0.17 फीसदी और` निफ्टी स्मालकैप 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो` निफ्टी मेटल सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले सेक्टरों में रहा, वहीं` निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेवल ने बाजार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया। वैश्विक संकेतों और भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में दबाव में दिखा। वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच बाजार में बिकवाली हावी रही।

भारतीय बैंकों में जमा राशि रिकॉर्ड स्तर पर, तीन पखवाड़े में 115 अरब डॉलर बढ़ी

मुंबई ।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में जमा राशि हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। यह उछाल मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की फॉरेन-करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर) स्कीम के तहत प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) से भारी डॉलर प्रवाह के कारण देखा गया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक के तीन पखवाड़ों में बैंकिंग सिस्टम में जमा राशि में कुल 11 ट्रिलियन रुपए (लगभग 115.25 बिलियन डॉलर) की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि 1 अप्रैल से 15 जून के बीच हुई 3.87 ट्रिलियन रुपए की शुद्ध कमी को उलट देती है। वर्तमान में, भारतीय बैंकों में कुल जमा राशि रिकॉर्ड 269.4 ट्रिलियन रुपए पर पहुंच गई है। जून में आरबीआई ने एनआरआई जमा आकर्षित करने और ऋणदाताओं व सरकारी कंपनियों के लिए सस्ते डॉलर फंड जुटाने के लिए एक डिस्काउंटेड स्वैप विंडो की घोषणा की थी। जुलाई के अंत तक, इन स्कीमों के माध्यम से लगभग 41 बिलियन डॉलर का प्रवाह हुआ। एक सरकारी बैंक के ट्रेडर के अनुसार, डॉलर को रुपए में बदलने की तेज प्रक्रिया इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

एयरटेल ने बंद किए सस्ते प्लान, अब ₹349 का सबसे सस्ता प्लान

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड प्लान पोर्टफोलियो में बदलाव करते हुए ₹299 समेत चार रिचार्ज प्लान बंद कर दिए हैं। कंपनी ने ₹299, ₹579, ₹619 और ₹649 वाले प्लान 12 अगस्त से हटा दिए हैं । अब 28 दिन की वैधता वाला ₹349 प्लान सबसे सस्ता है. इसमें डेली-डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग प्लान की सुविधा है।

₹349 के प्लान में प्रतिदिन 2त्नक्क हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड लोकल-एसटीडी कॉलिंग और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। पुराने ₹299 प्लान में 1.5त्नक्क दैनिक डेटा मिलता था। यानी समान अवधि के लिए ग्राहकों को अब ₹50 अधिक खर्च करने होंगे। हालांकि कंपनी ने इसे टैरिफ बढ़ोतरी नहीं है. सस्ते कम कीमत के प्लान हटाने से ग्राहकों के लिए सस्ते विकल्प के अवसर एयरटेल में सीमित हो गए हैं।

स्वतंत्र माइक्रोफिन 3,000 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

उद्यमी अनन्या बिड़ला के नेतृत्व वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबलीएफसी-एफआई) माइक्रोफिन लिमिटेड ने 3,000 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्राथमिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, यह आईपीओ 1,500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 1,500 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग स्वतंत्र माइक्रोफिन अपने टियर-ढ्ढ पूंजी आधार को मजबूत करने, भविष्य की वृद्धि को वित्तपोषित करने तथा आगे ऋण देने की क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। अनन्या बिड़ला इस वित्तीय समावेशन-केंद्रित कंपनी की चेयरपर्सन और गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। स्वतंत्र माइक्रोफिन ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बिना गारंटी वाले छोटे कर्ज और वित्तीय सेवाएं प्रदान कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है।

लीप इंडिया का शेयर बाजार में निर्गम मूल्य से 4 फीसदी ऊपर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । लीप इंडिया लिमिटेड के शेयर ने शुक्रवार को शेयर बाजारों में अपने निवेशकों को शानदार आगाज दिया। आपूर्ति श्रृंखला परिसंपत्तियां साझा करने वाली इस कंपनी के शेयर निर्गम मूल्य से 4 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए, जो आईपीओ को मिले मजबूत अभिदान का परिणाम है। बीएसई पर लीप इंडिया का शेयर 166 रुपये पर खुला, जो इसके निर्गम मूल्य 159 रुपये से 4.40 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह, एनएसई पर यह 4.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 165.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इस मजबूत शुरुआत के साथ, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 6,530.95 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के 2,480 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन 8.38 गुना अभिदान मिला था।

जुलाई में भारत का खाद्य तेल आयात 8 फीसदी गिरा

रिफाइंड तल का आयात घटा, कच्चे तेल की हिस्सेदारी 96 फीसदी तक पहुंची

नई दिल्ली ।

भारत का खाद्य तेल आयात जुलाई महीने में 8 प्रतिशत घटकर 14.81 लाख टन रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 16.16 लाख टन था। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। एसईए के अनुसार जुलाई 2026 में भारत का कुल वनस्पति तेल (खाद्य और अखाद्य) आयात भी सालाना आधार पर 7 प्रतिशत घटकर 15.25 लाख टन दर्ज किया गया, जबकि पिछले साल यह 16.48 लाख टन था। हालांकि, तेल वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (नवंबर 2025 से जुलाई 2026) में, वनस्पति तेल का कुल आयात 121.50 लाख टन रहा, जो पिछले विपणन वर्ष की समान अवधि के 116.03 लाख टन से अधिक है। इसी अवधि में, खाद्य तेल का कुल आयात भी 5 प्रतिशत बढ़कर 119.23 लाख टन हो गया, जबकि पिछले तेल वर्ष की समान अवधि में यह 113.46 लाख टन था। आयात की प्रवृत्ति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है, जहां परिष्कृत तेल का अनुपात 14 प्रतिशत से घटकर मात्र 4 प्रतिशत रह गया है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

मुनाफावसूली से सोना 1,117 रुपए टूटा, चांदी भी 1,861 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों में ठहराव आने से निवेशकों में सतर्कता बढ़ी, जिसके चलते कीमती धातुओं में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कमजोर बने रहने से आगे चलकर इन धातुओं के लिए सकारात्मक रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,370 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव 4,420.40 डॉलर से 48.10 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। चांदी भी 0.86 डॉलर की गिरावट के साथ 64.13 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले बंद भाव 64.99 डॉलर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुबह से ही सुस्ती का माहौल रहा और दिनभर गिरावट जारी रही। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुख देखा गया। सोने का अक्टूबर वायदा अनुबंध 1,117 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। यह 266 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,200 रुपये पर खुला था। इसी प्रकार चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 1,861 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,586 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,35,447 रुपये था। चांदी की शुरुआत 1,667 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,780 रुपये पर हुई थी। दोनों धातुओं के वायदा भाव दिनभर दबाव में रहे, जिससे निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए मुनाफावसूली की।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई राहत नहीं

तेल कंपनियों ने नहीं किया कोई बदलाव, कई शहरों में 110 के पार पहुंचा पेट्रोल

नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से ठीक एक दिन पहले देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ईंधन दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है, जिससे उपभोक्ताओं को न तो तत्काल राहत मिली है और न ही नई बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है। यह स्थिति पिछले कई महीनों से कायम है, जब आखिरी बार कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई थी। शुक्रवार को भी देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। देश के अन्य प्रमुख शहरों जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 110 रुपये प्रति लीटर से ऊपर दर्ज किए गए। हैदराबाद में डीजल भी 103.82 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। दरों की बात करें तो भोपाल में पेट्रोल 114.54 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे महंगा रहा, जबकि कोलकाता में यह 113.51 रुपये और पटना में 113.37 रुपये दर्ज किया गया। जयपुर में पेट्रोल 112.66 रुपये और चेन्नई में 107.74 रुपये प्रति लीटर बिका। हालांकि, सूरत में पेट्रोल 95.00 रुपये और डीजल 89.00 रुपये प्रति लीटर पर रहा, जो सूचीबद्ध शहरों में सबसे कम कीमतों में से एक है। पुणे में पेट्रोल 104.04 रुपये और डीजल 90.57 रुपये प्रति लीटर दर्ज किया गया। कुल मिलाकर, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव न होने से मौजूदा स्तरों पर स्थिरता बनी हुई है, लेकिन कई शहरों में उच्च कीमतें अभी भी चिंता का विषय हैं।

एंकर निवेशकों की समय पूर्व निकासी से आईपीओ कीमतों पर दबाव- सेबी

एफपीआई रहे बड़े बिकवाल, 30 दिन की लॉक-इन अवधि खत्म होने पर दिखा असर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अध्ययन ने खुलासा किया है कि प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में एंकर निवेशकों की बिकवाली, खासकर 30 दिन की लॉक-इन अवधि समाप्त होने के आसपास, सूचीबद्ध कंपनियों की कीमतों पर महत्वपूर्ण दबाव डालती है। अध्ययन में पाया गया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस अवधि में सबसे बड़े बिकवाल रहे, जिससे बाजार में अस्थायी आपूर्ति दबाव बना। सेबी ने अप्रैल 2022 से अक्टूबर 2025 के बीच सूचीबद्ध हुए 242 मेनबोर्ड आईपीओ के विश्लेषण में पाया कि जहां एंकर निवेशकों ने अपनी 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेची, वहां टी प्लस 29 से टी प्लस 33 के दौरान कीमतों में औसतन 3.5 प्रतिशत और मध्यिका के आधार पर लगभग छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मौजूदा नियमों के तहत एंकर निवेशकों को आवंटित 50 प्रतिशत शेयरों पर 30 दिन और शेष 50 प्रतिशत पर 90 दिन की लॉक-इन अवधि होती है। इस उच्च बिकवाली तीव्रता वाली श्रेणी में एफपीआई ने अपने बड़े आवंटन का औसतन 24.5 प्रतिशत हिस्सा बेचा, जो कॉरपोरेट (23.1 प्रतिशत) और अन्य योग्य संस्थागत खरीदारों (21.6 प्रतिशत) से अधिक था। हालांकि, 90 दिन की लॉक-इन अवधि पूरी होने के बाद यह दबाव काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि एंकर निवेशकों की बिकवाली निर्धारित लॉक-इन अवधि से आगे तक जारी रहती है। कुल भारित निकासी टी प्लस 30 पर 3.5 प्रतिशत से बढ़कर टी प्लस 365 तक 50.7 प्रतिशत हो गई, जिससे पता चलता है कि एक साल के भीतर लगभग आधा एंकर आवंटन बेच दिया जाता है। मूल्य के लिहाज से, एफपीआई ने टी प्लस 365 तक करीब 22,474 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि उनका कुल एंकर आवंटन 37,491 करोड़ रुपये था। इसके अतिरिक्त, छोटे आईपीओ (0-250 करोड़ रुपये) में बिकवाली की तीव्रता अधिक रही, जहां टी+365 तक 72.5 प्रतिशत निकासी दर्ज की गई, जबकि 1,001-2,500 करोड़ रुपये के निर्गम आकार वाले आईपीओ में यह 40.8 प्रतिशत थी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शक्रवार को 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.52 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.39 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 के स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की मामूली बढ़त है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 95.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.78 पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार से विदेशी पूंजी की निकासी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये पर दबाव बना रहा।

भारत की अमेरिका से 2027 तक 15 फीसदी एलपीजी गैस खरीदने की तैयारी

पश्चिमी एशिया पर निर्भरता कम करने और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भारत अपनी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति को पूरी तरह सुरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता के रूप में भारत ने 2027 के वार्षिक अनुबंधों के तहत अमेरिका से अधिक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस खरीदने के लिए बातचीत शुरू की है। इसका उद्देश्य अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना और पश्चिम एशिया पर अपनी वर्तमान निर्भरता को कम करना है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन जैसे राज्य-स्वामित्व वाले रिफाइनरों को 2027 तक भारत के कुल एलपीजी आयात का कम से कम 15 फीसदी अमेरिकी कंपनियों के साथ टर्म कॉन्ट्रैक्ट के जरिये हासिल करने का निर्देश दिया है। इस साल भारत ने 22 लाख टन का पहला अमेरिकी टर्म सप्लाई अनुबंध किया था, जो उसके कुल आयात का 10 फीसदी था। तीनों रिफाइनरों के अधिकारी इस समय अमेरिका में आपूर्ति सौदों पर बातचीत कर रहे हैं। एक ओर, यह भारत के आपूर्ति विकल्पों का विस्तार करेगा और पश्चिम एशिया में संभावित व्यवधानों के जोखिम को कम करेगा। दूसरी ओर, यह अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने में भी मदद करेगा, जो नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच लंबित व्यापार समझौते के लिए महत्वपूर्ण है। हॉरमुज स्ट्रेट पर तनाव और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध के कारण भारत के एलपीजी आपूर्ति दृष्टिकोण पर लगातार दबाव बना हुआ है। पिछले महीने एलपीजी की खपत में 16 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जिससे घरों और उद्योगों को वैकल्पिक ईंधन की ओर स्विच करना पड़ा। अमेरिका पहले ही भारत का शीर्ष एलपीजी सप्लायर बन चुका है, इस साल अगस्त तक शिपमेंट रिकॉर्ड 39 लाख टन तक पहुंच गया था।

माल्या-एसबीआई विवाद खत्म करें, देश की अर्थव्यवस्था हो रही प्रभा वित- बॉम्बे हाईकोर्ट

एक दशक पुराने वाणिज्यिक विवाद को तार्किक अंत तक पहुंचाने पर जोर

मुंबई ।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या और बैंकों के बीच एक दशक से चल रहे वाणिज्यिक विवाद को अब खत्म करने की बात कही है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच की मौजूदा स्थिति और अटैच की गई संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। कोर्ट का मानना है कि इस विवाद का देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा और नकारात्मक असर पड़ रहा है। जस्टिस मिलिंद जाधव की सिंगल जज बेंच ने माल्या की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर दोनों पक्ष इस विवाद को खत्म नहीं करते हैं, तो इसका देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।

कोर्ट ने जोर दिया कि एक दशक से चल रहे इस मामले को अब एक तार्किक अंत तक पहुंचना चाहिए। माल्या ने 2020 में पीएमएलए कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें बैंकों को ईडी द्वारा अटैच की गई उसकी संपत्तियों का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

माल्या पर बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के लिए बैंकों से लिए गए लगभग 9,000 करोड़ रुपए के लोन को डिफॉल्ट करने का आरोप है।

वह मार्च 2016 में यूके भाग गया था और 2019 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया। कोर्ट ने पहले भी साफ किया था कि जब तक माल्या भारत लौटकर सरेंडर नहीं करता, तब तक उसकी याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। माल्या ने इंग्लैंड की अदालतों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का हवाला देते हुए कहा है कि वह फिलहाल यह नहीं बता सकता कि भारत कब लौटेगा। उसके वकील ने हालांकि, याचिकाकर्ता की अनुपस्थिति में भी सुनवाई का आग्रह किया है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का मुनाफा 80 फीसदी गिरा

पुर्जों की कमी, सप्लायर और जेएलआर के कमजोर प्रदर्शन ने बिगाड़ा खेल

मुंबई।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारी झटका लगा है। कंपनी का मुनाफा 80 फीसदी से ज्यादा घटकर 775 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,924 करोड़ रुपए था। यह भारी गिरावट स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में बाधाओं और प्रीमियम ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के कमजोर प्रदर्शन के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही में टाटा मोटर्स का मुनाफा 3,924 करोड़ रुपए से घटकर महज 775 करोड़ रुपए रह गया, यानी 80 फीसदी से अधिक की गिरावट। कंपनी के लिए यह झटका स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में रुकावटों, एक बड़े कंपोनेंट सप्लायर के यहां लगी आग और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष जैसी कई चुनौतियों के कारण लगा। इसके अतिरिक्त, कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होने से भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 9 फीसदी बढ़कर 95,799 करोड़ रुपए रहा। मुनाफे में गिरावट के बावजूद रेवेन्यू में वृद्धि बताती है कि कंपनी के प्रोडक्ट्स की मांग बनी हुई है, लेकिन परिचालन संबंधी चुनौतियां हावी रहीं। कंपनी का ऐ बिटा मार्जिन 130 बेसिस पॉइंट्स घटकर 7.4 फीसदी पर आ गया, साथ ही 32 करोड़ रुपए का एक्सेप्शनल लॉस भी दर्ज किया गया। प्रीमियम सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा।

जेएलआर का मुनाफा 73 फीसदी गिरकर 66 बिलियन डॉलर पर आ गया, जबकि रेवेन्यू में भी 9 फीसदी की कमी आई। जेएलआर के खराब प्रदर्शन के पीछे भी सप्लायर के यहां आग, मिडिल ईस्ट संघर्ष और कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होना प्रमुख कारण रहे।

जुलाई में थोक मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट, 9.78 फीसदी पर पहुंची

ईंधन-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी ने दी राहत

नई दिल्ली ।

महंगाई मोर्चे पर आंशिक राहत देते हुए थोक मुद्रास्फीति जुलाई में मामूली रूप से घटकर 9.78 प्रतिशत पर आ गई है। जून में यह 9.87 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार के नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के तहत यह पहली मासिक गिरावट है, जो मुख्य रूप से ईंधन, बिजली और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के कारण संभव हुई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत रह गई, जो जून में 27.41 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई में 5.49 प्रतिशत से घटकर 5.44 प्रतिशत पर आ गई। इन प्रमुख क्षेत्रों में कीमतों में आई नरमी ने समग्र थोक मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद की है। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई, जो जून में 7.48 प्रतिशत थी, जिससे पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाई। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के कारण वैश्विक कच्चे तेल तथा उर्वरकों की लागत में वृद्धि का असर अभी भी अर्थव्यवस्था पर बना हुआ है, जिसने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत से थोक महंगाई को लगातार बढ़ाया था। यह राहत उस समय आई है जब खुदरा मुद्रास्फीति खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण जुलाई में बढ़कर 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। आरबीआई ने अल नीनो की स्थिति और कमजोर मानसून का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत रखा है, जो भविष्य की चुनौतियों का संकेत देता है।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

ललित गर्ग

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है।

लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होती; वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए।

आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत/2047 रू वॉइस ऑफ यूथ' पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए; उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करे यही नए भारत की तस्वीर है।

आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान, नवाचार, चरित्र, परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा था 'भारत को आजाद कैसे कराएं?', तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-ह्यभारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शांतिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं? 'स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी 2047 को नागरिकों के सपनों और संकल्पों से जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का निर्माण प्रत्येक भारतीय की भागीदारी से होगा। आजादी के अमृत से लेकर स्वतंत्रता के 80वें पड़ाव तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है। अब अगला पड़ाव केवल आर्थिक शक्ति बनना नहीं, बल्कि विश्वास, विवेक, विज्ञान, संस्कार और सामर्थ्य से सम्पन्न भारत बनना है। शहीदों ने हमें स्वतंत्र भारत सौंपा था; अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा भारत सौंपें जिस पर उसे गर्व हो। 'यही स्वतंत्रता का नया आयाम है, यही 2047 की ओर बढ़ते भारत का संकल्प है और यही हमारे तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।'

संपादकीय

लालच का जानलेवा खेल

पंजाब स्थित नवांशहर के एक गांव में ऑनलाइन गेमिंग में बड़ी रकम हारने के सदमे में एक युवक व दो किशोरों का जहर खा लेना विचलित करने वाली घटना है। बाद में युवक व एक किशोर की मौत हो गई। निस्संदेह, ऑनलाइन गेम के लालच में किशोर-युवा विवेक खो देते हैं। लत लगाने वाले ये जहरीले खेल सुनहरे सपने तो दिखाते हैं, लेकिन हकीकत बेहद खुरदरी है। कहना कठिन है कि ऑनलाइन खेलों को कितने पारदर्शी तरीके व ईमानदारी के साथ संचालित किया जाता है। बहुत संभव है कि ये गेम भी ऑनलाइन फ्रॉड संस्कृति का ही हिस्सा हों, जो संचालकों के मुनाफे के लिये ही संचालित होते हों। बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। एक बच्चे को जन्म देने से लेकर पालने-पोसने तक माता-पिता पूरा जीवन लगा देते हैं। उनसे बड़ी उम्मीदें होती हैं। मगर जब बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं तो परिवार पूरी तरह टूट जाता है। बच्चा तो आत्महत्या कर लेता है, लेकिन परिवार को रोज तिल-तिल कर मरने को छोड़ देता है। दरअसल, आज मोबाइल दुधारी तलवार जैसे हो गए हैं। सूचना-संवाद तो देते हैं, साथ ही तमाम आघातों की आशंकाएं भी रहती हैं। जो मोबाइल बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई और संवाद के लिये दिये जाते हैं, उसका दुरुपयोग बच्चे ऑनलाइन गेमिंग व वर्जित सामग्री देखने के लिये करने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी बेबस है कि वे बच्चों की निगरानी कैसे करें? वे पढ़ रहे हैं या गेम खेल रहे हैं?

चिंतन-मनन

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं।

यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है।

सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है। प्रेम भावना के रूप में सत्य नहीं, अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

स्वतंत्रता दिवस पर संदेश - आजादी का संकल्प : भारत के लिए कुछ करें

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि यह उस संकल्प को याद करने का दिन है, जिसके लिए असंख्य वीरों ने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, तो हमारे सामने यह प्रश्न भी होना चाहिए कि इस स्वतंत्रता को हम कितनी जिम्मेदारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

आज का भारत युवा भारत है। देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। युवाओं के पास ऊर्जा है, प्रतिभा है, नई सोच है और तकनीक का ज्ञान है। यदि यही ऊर्जा सही दिशा में लग जाए तो भारत को दुनिया की अग्रिम पंक्ति में ले जाने की क्षमता रखती है। लेकिन इसके लिए युवा पीढ़ी को केवल अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग होना होगा।

वर्तमान समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं–सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रभाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, मानसिक तनाव, दिखावे की संस्कृति, समय की बबार्दी और सफलता को केवल धन तथा प्रतिष्ठा से जोड़कर देखने की सोच। इन चुनौतियों के बीच युवाओं को विवेक से निर्णय लेना होगा। तकनीक का उपयोग ज्ञान और विकास के लिए हो, जीवन को भटकाने के लिए नहीं। प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन संस्कारों की कीमत पर नहीं; सफलता मिले, लेकिन मानवीय संवेदनाएँ पीछे न छूटें।

राष्ट्र निर्माण केवल सीमा पर खड़े सैनिकों का दायित्व नहीं है। एक विद्यार्थी ईमानदारी से पढ़कर, एक युवा अपने कार्य में निष्ठा रखकर, एक व्यवसायी ईमानदारी से व्यापार करके, एक नागरिक कानून और अनुशासन का पालन करके तथा प्रत्येक व्यक्ति समाज के प्रति संवेदनशील बनकर राष्ट्रसेवा कर सकता है।

युवा यदि अपने आसपास की समस्याओं को समझे और उनके समाधान में छोटी-सी भूमिका भी निभाए, तो परिवर्तन निश्चित है। किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की पढ़ाई में सहयोग करना, पर्यावरण की रक्षा करना, जल बचाना, स्वच्छता का ध्यान रखना, नशे से दूर रहना, बुजुर्गों का सम्मान करना, जीवों के प्रति करुणा रखना और समाज में प्रेम व सद्भाव बढ़ाना–ये सभी राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियाँ हैं।

भारत की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, तकनीक या सैन्य सामर्थ्य में नहीं, बल्कि उसके चरित्र, संस्कार, अहिंसा, करुणा और मानवीय मूल्यों में भी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आधुनिकता में आगे हो, लेकिन अपनी संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ा रहे।

इस स्वतंत्रता दिवस पर मेरी युवा पीढ़ी से विशेष अपेक्षा है कि वह अपने जीवन का लक्ष्य केवल 'मैं कितना आगे बढ़ूँ?' तक सीमित न रखे, बल्कि यह भी सोचे–'मेरी प्रगति से मेरा समाज और मेरा देश कितना आगे बढ़े?'

देश को बदलने के लिए किसी बड़े अवसर की प्रतीक्षा मत कीजिए। परिवर्तन की शुरूआत अपने घर, अपने व्यवहार और अपने विचारों से कीजिए। अपने समय का सदुपयोग कीजिए, अपने चरित्र को मजबूत बनाइए और अपनी प्रतिभा को राष्ट्रहित में लगाइए। देश ने हमें बहुत कुछ दिया है; अब हमारी बारी है कि हम भी भारत को कुछ दें।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि हम अपने ज्ञान, श्रम, प्रतिभा, समय और ऊर्जा का एक हिस्सा राष्ट्र के नाम समर्पित करेंगे। हम ऐसा भारत बनाने में योगदान देंगे जहाँ विकास के साथ संस्कार हों, शक्ति के साथ शांति हो, स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी हो और प्रगति के साथ मानवता हो।

याद रखिए–देश का भविष्य संसदों और संस्थानों में ही नहीं, युवाओं के विचारों, चरित्र और कर्मों में भी लिखा जाता है।

युवा जागेगा, तो भारत आगे बढ़ेगा।

युवा बदलेगा, तो भारत बदलेगा।

और जब युवा राष्ट्र के लिए कुछ करने का संकल्प लेगा, तब भारत विश्व में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

धमकी से नहीं चलेगा पानी का रिश्ता, पाकिस्तान को आतंकवाद का हिसाब देना होगा

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत को सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर धमकी देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी में कोई कमी करने या उसे रोकने की कोशिश हुई तो पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि इस मुद्दे पर उनका देश कभी पीछे नहीं हटेगा। अपने भाषण में उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए यह दावा भी किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को पराजित किया। शहबाज शरीफ के इन बयानों से साफ है कि पाकिस्तान आज भी वास्तविकता को स्वीकार करने के बजाय धमकी, दुष्प्रचार और भावनात्मक नारों का सहारा लेकर अपनी जनता को भ्रमित करना चाहता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को आज अचानक सिंधु नदी का पानी इतना याद क्यों आ रहा है? क्या वे यह भूल गए हैं कि भारत ने दशकों तक एक अंतरराष्ट्रीय समझौते का सम्मान करते हुए पाकिस्तान को उसके हिस्से का पानी दिया? क्या वे यह भूल गए हैं कि भारत ने हमेशा यह माना कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल सीमा और सुरक्षा से नहीं, बल्कि मानवता, सहयोग और आपसी विश्वास से भी चलते हैं? लेकिन पाकिस्तान ने बार-बार उस विश्वास को चोट पहुंचाई है। जब पाकिस्तान की धरती से प्रशिक्षित आतंकवादी भारत में निर्दोष नागरिकों का खून बहाते हैं और उसके बाद पाकिस्तान पानी के सवाल पर भारत को धमकी देता है, तो यह उसकी दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण बन जाता है।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर की गई आतंकवादी घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। नाम पूछकर लोगों की हत्या करने जैसी अमानवीय घटना का दर्द केवल उन परिवारों का दर्द नहीं है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। यह पूरे भारत की पीड़ा है। किसी व्यक्ति की मौत गोली से हो, आतंकवादी हमले में हो या किसी अन्य कारण से, उसके परिवार के लिए उसका दुख समान होता है। ऐसे में पाकिस्तान यदि आतंकवादियों को संरक्षण देने के आरोपों से स्वयं को अलग नहीं करता और दूसरी तरफ भारत से पानी की मांग भी धमकी के स्वर में करता है, तो उसके रवैये पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सिंधु जल समझौता भारत की उदारता और दूरदर्शिता का भी प्रतीक रहा है। वर्ष 1960 में हुए इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह प्रमुख नदियों के पानी का बंटवारा निर्धारित किया गया। पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के पानी के उपयोग का अधिकार भारत को मिला, जबकि पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के लिए निर्धारित किया गया। इतने वर्षों तक भारत ने इस समझौते का सम्मान किया। लेकिन परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। जब कोई देश लगातार सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप झेलता है और भारत की सुरक्षा तथा नागरिकों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करता, तो भारत के सामने अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की समीक्षा करना स्वाभाविक है।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई धमकी देकर हासिल करने वाली वस्तु नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में समझौते तभी मजबूत रहते हैं, जब उनके पीछे आपसी विश्वास और जिम्मेदारी की भावना हो। पाकिस्तान यदि भारत से अच्छे संबंध चाहता है तो उसे सबसे पहले आतंकवाद के मुद्दे पर गंभीरता दिखानी होगी। भारत के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने वालों पर कार्रवाई करनी होगी और यह भरोसा पैदा करना होगा कि पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। केवल भाषण देने और भारत को धमकाने से दोनों देशों के बीच विश्वास पैदा नहीं हो सकता।

कश्मीर को लेकर भी पाकिस्तान को वास्तविकता समझने की जरूरत है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और भारत अपनी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जितनी बार चाहें कश्मीर पर पुराने बयान दोहरा सकते हैं, लेकिन इससे जमीन पर वास्तविकता नहीं बदलेगी। कश्मीर के नाम पर दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति ने पाकिस्तान को क्या दिया, यह पाकिस्तान की आर्थिक और सामाजिक स्थिति देखकर समझा जा सकता है। यदि कश्मीर वास्तव में पाकिस्तान की चिंता का विषय है तो उसे आतंकवाद और हिंसा का रास्ता छोड़कर शांतिपूर्ण संबंधों की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान दोस्ती को हिमालय से भी ऊंचा बताया। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों पर चलती है। चीन और पाकिस्तान के बीच भले ही रणनीतिक और आर्थिक संबंध हों, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि चीन भारत के साथ अपने व्यापक हितों को छोड़कर पाकिस्तान की हर नीति का समर्थन करेगा। चीन एक बड़ी आर्थिक शक्ति है और भारत भी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों का महत्व पाकिस्तान से कहीं अधिक व्यापक है। इसलिए केवल चीन का नाम लेकर भारत को धमकाने की कोशिश पाकिस्तान की कमजोर रणनीति को ही उजागर करती है। पाकिस्तान को यह भी समझना चाहिए कि किसी देश की शक्ति केवल हथियारों से तय नहीं होती। आर्थिक क्षमता, तकनीकी सामर्थ्य, राजनीतिक स्थिरता, कूटनीतिक प्रभाव, मजबूत संस्थाएं और जनता का विश्वास किसी राष्ट्र की वास्तविक ताकत बनते हैं। भारत इन सभी क्षेत्रों में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। इसके विपरीत पाकिस्तान लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवाद, महंगाई और जल संकट जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे समय में भारत को धमकी देने के बजाय पाकिस्तान को अपनी ऊर्जा अपने देश की समस्याओं के समाधान में लगानी चाहिए।

पाकिस्तान में जल संकट गहराता जा रहा है तो उसका समाधान भारत को धमकी देना नहीं है। पाकिस्तान को अपनी सिंचाई व्यवस्था में सुधार करना होगा, पानी की बबार्दी रोकनी होगी, जल संरक्षण बढ़ाना होगा और अपने राज्यों के बीच पानी के बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था करनी होगी। सिंध और बलूचिस्तान जैसे क्षेत्रों में पानी की कमी की शिकायतें केवल भारत के कारण नहीं समझी जा सकतीं। पाकिस्तान की आंतरिक जल प्रबंधन व्यवस्था, बढ़ती आबादी, कृषि पर दबाव और जलवायु परिवर्तन भी इसके महत्वपूर्ण कारण हैं। अपनी नाकामी का दोष भारत पर डाल देना आसान है, लेकिन इससे पाकिस्तान की समस्या हल नहीं होगी। भारत के लिए भी यह समय भावनाओं में बहने के बजाय दृढ़ और संतुलित नीति अपनाने का है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं दिखानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष तथ्यों, कानून और जिम्मेदार राष्ट्र की छवि के साथ मजबूती से रखा जाए। भारत ने दुनिया को कई बार दिखाया है कि वह शांति चाहता है, लेकिन शांति को कमजोरी नहीं समझता।

शहबाज शरीफ को यह याद रखना चाहिए कि धमकियों से रिश्ते नहीं सुधरते। यदि पाकिस्तान सचमुच भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की नीति छोड़नी होगी। भारत के नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करके पाकिस्तान एक ओर आतंकवाद को बढ़ावा दे और दूसरी ओर पानी के अधिकार की दुहाई दे, यह दोहरा रवैया स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया है। शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दी। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़: एसी जैकेट से UV छाते तक, ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है। जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें।

क्या पश्चिम एशिया में फिर बिगड़ेंगे हालात? लाल सागर में हूती लड़ाकों ने सऊदी जहाजों को बनाया निशाना

रियाद, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को सऊदी जहाजों को निशाना बनाया। जिससे पश्चिम एशिया के हालात फिर से बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोहियों ने बुधवार को लाल सागर में एक सैन्य परिवहन पोत पर हमला किया और सऊदी समर्थित ठिकानों पर भी हमले किए। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 'विद्रोही समूह ने मोचा और मारिब क्षेत्रों में सऊदी अरब के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस दौरान हथियार डिपो और कमान केंद्रों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। हमले सटीक थे और इनमें सऊदी नागरिकों समेत दर्जनों लोग हताहत हुए।' हूती लड़ाकों ने कहा है कि वे आगे भी सऊदी अरब की सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाना जारी रखेंगे। सऊदी अरब तनाव बढ़ाकर हमारे देश पर कब्जा करना चाहता है। इससे पहले भी हूति विद्रोहियों ने बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक पोत पर मिसाइल हमला किया था। जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए थे। यमन सरकार ने इस हमले के पीछे हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया था। इस बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल अलीमी ने कहा है कि सरकार हूती विद्रोहियों की कार्रवाई का जवाब देगी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे समूह से लड़ाई खत्म करने, हथियार डालने और देश की राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान भी करते हैं।

सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक': व्हाइट हाउस प्रेस सचिव लेविट की विदाई पर बोले ट्रंप; क्या होगी नई भूमिका?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को (स्थानीय समय) घोषणा की कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ देंगी। वह अपने छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लेविट को अपनी 'सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि वह उनके फैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी व्हाइट हाउस की शानदार प्रेस सचिव और मेरी सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ेंगी, ताकि वह अपने प्यारे छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकें। मैं उनके इस फैसले को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि लेविट आगे भी उनके शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक के रूप में काम करती रहेंगी। साथ ही वह रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि उनका प्रशासन आने वाले मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने आगे कहा, कैरोलिन अब मेरे शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक होंगी और रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि हम इतिहास को

गलत साबित करने और मध्यावधि चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कैरोलिन व्हाइट हाउस में एक सच्ची नेता रही हैं और उन्होंने 2018 से न्याय, स्वतंत्रता और आजादी के लिए शानदार काम किया है। इसमें 2024 का हमारा ऐतिहासिक चुनाव अभियान भी शामिल है। कैरोलिन व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के पद के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रेस सचिवों में से एक रही हैं। कैरोलिन अच्छी तरह से काम करने के लिए आपका धन्यवाद।

कैरोलिन लेविट ने क्या कहा : लेविट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना 'उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान' रहा है। उन्होंने कहा, 'पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतने असाधारण अवसर दिए। इनमें वेस्ट विंग में काम करना, ओवल ऑफिस में अनगिनत घंटे बिताना, दुनियाभर में उड़ान भरना और विदेशी नेताओं से मिलना और हमारे खूबसूरत देश की यात्रा करके हर तरह के लोगों से मिलना शामिल है।

राष्ट्रपति ट्रंप का आभार जताया : लेविट ने आगे कहा, सबसे बढ़कर, मैं राष्ट्रपति की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे व्हाइट हाउस के पोडियम से उनकी ओर से बोलने का विशेष अधिकार और जिम्मेदारी दी। मैंने इस प्रशासन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में बहुत गर्व के साथ बात की है। मैंने उदारवादी मीडिया को जवाबदेह ठहराने और यह सुनिश्चित करने का भी पूरा आनंद लिया है कि अमेरिकी लोगों तक राष्ट्रपति ट्रंप की सफलताओं की सच्चाई पहुंचे। मां के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए लेविट ने कहा कि अपने छोटे बच्चों की परवरिश के साथ इतनी व्यस्त नौकरी करना संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण रहा है।

'जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने का कठिन फैसला' : उन्होंने कहा, मां बनना और एक नए बच्चे का स्वागत करना, साथ ही दुनिया की सबसे कठिन नौकरियों में से एक को करना, मेरी जिंदगी का सबसे संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर रहा है। सच यह है कि अपनी बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने के बाद से मेरे दिल में यह भावना रही कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के लिए जरूरी समय, ऊर्जा और ध्यान देने के साथ मैं अपने दो छोटे बच्चों के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक सबसे अच्छी मां नहीं बन सकती। इसी वजह से मैंने आखिरकार व्हाइट हाउस छोड़ने और अपनी जिंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत करने का यह भावुक लेकिन कठिन फैसला लिया है।

डेमोक्रेटिक पार्टी से अमेरिका के अस्तित्व को खतरा : उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझसे बाहर से उनके शीर्ष सलाहकारों में से एक के रूप में काम करते रहने को कहा है। मैं हमेशा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और रिपब्लिकन पार्टी की खुलकर वकालत करती रहूंगी। हमारा देश एक ऐसी डेमोक्रेटिक पार्टी से अस्तित्व के लिए बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जो लगातार ज्यादा कट्टरपंथी होती जा रही है और अमेरिका की हर महान चीज को नष्ट करना चाहती है। मेरा मानना है कि जो भी लोग इस देश की परवाह करते हैं, उन सभी की जिम्मेदारी है कि वे इस खतरे के खिलाफ लड़ें। मेरी लड़ाई अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुई है।

अमेरिका की वीजा नीति का असर: घट सकते हैं 1.1 लाख विदेशी छात्र, होगा 3.4 अरब डॉलर का नुकसान; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सख्त वीजा नीति और बदलती नीतियों को लेकर बनी अनिश्चितता का असर विदेशी छात्रों के दाखिले पर पड़ सकता है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के शीतकालीन सत्र में अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के दाखिले में 1.1 लाख तक की कमी आ सकती है। शिक्षकों के संगठन (एनएएफएसए) एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल एजुकेटर्स और शोध संस्था जेबी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी छात्रों की संख्या घटने से अमेरिकी स्थानीय अर्थव्यवस्था को 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर यानी करीब 32,457.83 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इससे करीब 39,000 नौकरियों पर भी असर पड़ने का अनुमान है।

11.69 लाख से घटकर 10.57 लाख हो सकती है संख्या : रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के शीतकालीन सत्र में अमेरिका में विदेशी छात्रों के दाखिले की अनुमानित संख्या 11.69 लाख थी। इस साल यह घटकर 10.57 लाख रह सकती है। अमेरिका में विदेशी छात्रों के सबसे बड़े स्रोत के तौर पर भारत की अहम भूमिका है। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 3.63 लाख से अधिक भारतीय छात्रों ने अमेरिका में अलग-अलग पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025-26 के शीतकालीन सत्र में विदेशी छात्रों ने अमेरिकी स्थानीय अर्थव्यवस्था में 41.77 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 3,98,754.02 करोड़ रुपये) का योगदान दिया था। 2026-27 में यह घटकर 38.37 अरब डॉलर (करीब 3,66,296.19 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है। एनएएफएसए की कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैंटा आव ने कहा कि अमेरिका की नीतियां और नियम इस बात को प्रभावित करते हैं कि विदेशी छात्र अपना भविष्य कहां बनाने का फैसला करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के ये फैसले अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था पर छोटे और लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सख्त वीजा नीतियों के अलावा, विदेश विभाग की ओर से फीफा विश्व कप के टिकट धारकों को छात्रों की तुलना में वीजा जारी करने में प्राथमिकता देना भी विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के दाखिले को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐतिहासिक रूप से इस व्यस्त मौसम में विदेश विभाग छात्र और शोधकर्ता वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देता रहा है। इससे छात्रों को समय पर विश्वविद्यालय परिसरों में पहुंचने में मदद मिलती थी। पिछले साल अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अफगानिस्तान और यमन समेत दर्जनों देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाए थे।

कोलंबिया: मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान; बेटे के जन्मदिन पर काल के मुंह से बाहर आई मां

पेरेरा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई। सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है।

इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया।

वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गईं। घटना के दिन उनके बेटे का 12वां जन्मदिन था और परिवार जश्न की तैयारी कर रहा था। डेनियला परेरा शहर में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से मलबे में फंस गई थीं और 38 घंटे तक दबी रहीं। रेस्क्यू टीम ने 10 घंटे के कड़े संघर्ष के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय लोगों ने तालियां बजाकर खुशी मनाई। पिता ने इसे अपनी बेटी के दोबारा जन्म जैसा बताया है।

आर्कटिक में तनाव की चेतावनी: पुतिन ने समुद्री मार्ग में भारत की रुचि का जिक्र क्यों किया? नाटो का भी उल्लेख

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्कटिक क्षेत्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस के साझेदार देशों में नॉर्दर्न सी रूट के साथ सहयोग को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है और भारत इस दिशा में प्रमुख देशों में शामिल है। पुतिन ने यह बात बुधवार को प्रशांत बेड़े के जवानों के साथ बैठक के दौरान कही। उनके बयान में भारत का जिक्र ऐसे समय हुआ है, जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच नए व्यापार और समुद्री रास्तों पर सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

नॉर्दर्न सी रूट क्या है और भारत के लिए क्यों अहम : नॉर्दर्न सी रूट आर्कटिक क्षेत्र से होकर गुजरने वाला समुद्री मार्ग है। रूस लंबे समय से इस रास्ते की क्षमता का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर देता रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस इस मार्ग के फायदे का इस्तेमाल

अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के दायरे में रहकर करने को तैयार है। भारत की बढ़ती रुचि का मतलब यह है कि नई दिल्ली इस मार्ग से जुड़ी संभावनाओं को व्यापार और रणनीतिक सहयोग के नजरिये से देख रही है।

पुतिन ने नाटो को लेकर क्या चेतावनी दी : पुतिन ने नॉर्दर्न सी रूट में बढ़ती दिलचस्पी के साथ आर्कटिक में बढ़ते 'कृत्रिम तनाव' की भी चेतावनी दी। उन्होंने बाहरी देशों की गतिविधियों और नाटो के विस्तार का संकेत देते हुए कहा कि आर्कटिक में तनाव पैदा करने की कोशिशों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रूस के लिए आर्कटिक क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद अहम है और वह इस इलाके में अपनी मौजूदगी तथा हितों को लेकर लगातार सतर्क रहा है।

भारत, रूस और चीन की भूमिका क्या : पुतिन ने कहा कि चीन, भारत और दूसरे देश रूस के साथ नॉर्दर्न सी रूट पर सहयोग को लेकर सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने भारत को उन प्रमुख देशों में गिना जिनकी इस समुद्री मार्ग में दिलचस्पी बढ़ रही है। रूस के साथ भारत के पुराने रणनीतिक संबंधों और ऊर्जा सहयोग को देखते हुए आर्कटिक मार्ग आने वाले समय में दोनों देशों के लिए सहयोग का एक नया क्षेत्र बन सकता है। यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने कई प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के बीच रूस अपने व्यापार के लिए वैकल्पिक रास्तों और साझेदार देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहा है। नॉर्दर्न सी रूट इसी रणनीति का अहम हिस्सा है। रूस चाहता है कि इस समुद्री रास्ते के जरिये एशियाई देशों के साथ संपर्क और व्यापार की संभावनाएं बढ़ें। रूस के समुद्री व्यापार को लेकर यूरोपीय संघ की कार्रवाई भी तेज हुई है। पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने और रूसी तेल के निर्यात में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध जहाजों के बेड़े को 'शैडो फ्लीट' कहा जाता है। यूरोपीय देशों ने ऐसे कई जहाजों की जांच और उन्हें रोकने की कार्रवाई बढ़ाई है। इसी मुद्दे पर पुतिन ने यूरोपीय देशों को कड़ी चेतावनी दी है।

ईरानी मिसाइल के निशाने पर थे ट्रंप: दावा- आईआरजीसी को पता थी लोकेशन, खुफिया एजेंसियों ने कैसे फेरा मंसूबे पर पानी

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर खतरे का दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कई इनपुट मिले थे कि ईरान को तुर्किये की राजधानी अंकारा में ट्रंप के ठिकाने की सटीक जानकारी थी। बताया गया कि ईरानी एजेंटों को उस होटल की मंजिल तक की जानकारी थी, जहां ट्रंप ठहरे हुए थे। सुरक्षा अधिकारियों ने इसी दौरान ट्रंप को निशाना बनाने वाले संभावित सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल खतरे का भी पता लगाया। खतरे का आकलन इतना गंभीर बताया गया कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों ने असाधारण सुरक्षा योजना तैयार की।

रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो सम्मेलन के आसपास एक व्यक्ति को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल के साथ भी देखा गया था। साथ ही ऐसी जानकारी सामने आई कि ट्रंप को ले जाने वाले विमान को निशाना बनाया जा सकता है। इसके बाद ट्रंप की आवाजाही को सार्वजनिक रूप से सामान्य दिखाते हुए उन्हें गुप्त तरीके से दूसरे विमान में भेजने की योजना बनाई गई। ट्रंप को एयरपोर्ट से गुप्त तरीके से कैसे निकाला गया? सुरक्षा योजना के तहत ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से पुराने एयरफोर्स वन में सवार होने का दृश्य दिया। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट के अंदर एक कैटरिंग कंटेनर के जरिए गुप्त रूप से बाहर निकाला गया और सैन्य विमान से तुर्किये से बाहर ले जाया गया। दूसरी ओर, मूल एयरफोर्स वन को अंकारा से ब्रिटेन के लिए रवाना किया गया। इसमें विदेश मंत्री मार्को रुबियो, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सहयोगी स्टीफन मिलर तथा स्टीवन च्यूंग समेत कई अधिकारी मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मूल एयरफोर्स वन में मौजूद सभी यात्रियों को खतरे की पूरी गंभीरता की जानकारी नहीं दी गई थी। 8 जुलाई को अंकारा से ब्रिटेन की उड़ान के दौरान यात्रियों को विमान की खिड़कियों के पर्दे बंद रखने का निर्देश दिया गया। बाद में ट्रंप गुप्त रूप से फिर एयरफोर्स वन में शामिल हो गए और कैमरों के सामने ऐसे दिखाई दिए, जैसे वह पूरे समय उसी विमान में रहे हों। इस पूरी कार्रवाई को लेकर पूर्व व्हाइट हाउस अधिकारियों के बीच भी सवाल उठे हैं। इस सुरक्षा अभियान को लेकर दो तरह की राय सामने आई है।

कुछ पूर्व अधिकारियों का मानना है कि जिस विमान को डिकॉय बनाया गया, उसमें मौजूद लोगों को खतरे की जानकारी दी जानी चाहिए थी। वहीं, इस फैसले का बचाव करने वालों का तर्क है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय खतरे की स्थिति में असाधारण कदम उठाना जरूरी था।

बचपन में अलग हुईं, फिर दोस्ती हुई और 40 साल पता खुला राज, डीएनए रिपोर्ट ने कैसे बदली दोनों की जिंदगी

संयुक्त राष्ट, एजेंसी। भारत में शिशु अवस्था में अलग-अलग अनाथालयों में छोड़ी गईं दो बच्चियां करीब 40 साल तक अपनी-अपनी जिंदगी जीती रहीं। दोनों को नीदरलैंड के अलग-अलग परिवारों ने गोद लिया और दोनों की परवरिश एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हुई। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके जीवन में एक ऐसी बहन भी है, जिससे उनकी मुलाकात किशोरावस्था में हो चुकी है। वर्षों बाद डीएनए जांच ने उनकी पुरानी दोस्ती के पीछे छिपा रिश्ता सामने ला दिया।

कहानी में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मीना और मीनल पहली बार किशोरावस्था में 1996 में एक गोद लिए गए बच्चों की सभा में मिली थीं। उस समय दोनों करीब 100 मील की दूरी पर रहती थीं। पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच असामान्य रूप से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। दोस्तों ने भी दोनों के चेहरे और शक्ल-सूरत में समानता देखी। दोनों ने एक-दूसरे के पते लिए और मजाक में पत्रों में एक-दूसरे को 'बहन' कहकर बुलाने लगीं। इसके बाद करीब 15 साल तक दोनों का संपर्क नहीं रहा।

डीएनए जांच ने कैसे खोला 40 साल पुराना राज : अप्रैल में मीनल ने माईहेरिटेज डीएनए जांच कराई। फोन पर जब जांच का नतीजा आया तो उसमें मीना का नाम बहन के रूप में दिखाई दिया। डीएनए में 100 फीसदी का दुर्लभ मिलान सामने आया। मीनल ने बताया कि वह उस समय अपने घर के सोफे पर बैठी थीं, जब फोन पर नतीजे का संदेश आया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जिस लड़की से वह किशोरावस्था में मिली थीं, वही उनकी सगी बहन है।

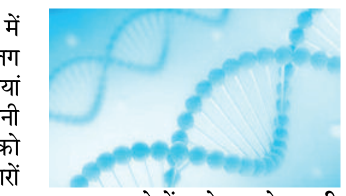

क्या दोनों को पहले कभी अपने रिश्ते का अंदाजा हुआ था : बचपन में दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी कोई बहन है। मीनल ने बताया कि वह अपने डच माता-पिता और भाई-बहनों के साथ प्यार से पली-बढ़ीं, लेकिन उनके भीतर एक गहरी अकेलेपन की भावना भी थी। दूसरी ओर, मीना भी लंबे समय से अपने भीतर एक खालीपन महसूस करती थीं। जब डीएनए जांच से रिश्ता सामने आया तो उन्हें लगा जैसे जिंदगी का कोई खोया हुआ हिस्सा वापस मिल गया हो। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मीनल को पहले यह समझ नहीं आया कि मीना वही लड़की है, जिससे वह करीब 30 साल पहले मिली थीं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर मीना को खोजा और उसकी तस्वीरें देखीं। तस्वीरों को देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया कि डीएनए रिपोर्ट में जिस बहन की बात सामने आई है, वह वही पुरानी दोस्त है। मीनल ने कहा कि वे बहन बनने से पहले दोस्त थीं और असल में वे पूरी जिंदगी बहनें ही थीं, बस उन्हें इसका पता नहीं था। रिश्ता सामने आने के बाद दोनों बहनों ने नीदरलैंड में भावुक मुलाकात की। इस दौरान आंसू, गले मिलना और हंसी एक साथ दिखाई दी। दोनों ने पहली बार साथ में सेल्फी भी ली। मीना ने अपनी बहन से कहा कि जब वह उसे देखती हैं तो उन्हें घर जैसा महसूस होता है। अप्रैल में डीएनए नतीजा आने के बाद से दोनों हर दिन घंटों फोन पर बात और संदेशों के जरिए एक-दूसरे से जुड़ी रहती हैं।

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी?

अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी-2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद : ईबी-2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी-2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत : भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी-2 और ईबी-3 भारत

श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है।

क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है : फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

नए वित्त वर्ष में भारतीयों के लिए क्या चुनौती रहेगी : इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

मशरूम में छिपा है पोषण का खजाना

यदि सब्जियों की बात की जाए तो मशरूम काफी लोकप्रिय सब्जी है, जो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी की पसंदीदा है। इसमें और सब्जियों की तुलना में अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। मशरूम में लाइसिन नामक अमीनो अम्ल अधिक मात्रा में होता है, जबकि गेहूं, चावल आदि अनाजों में इसकी मात्रा बहुत कम होती है। यह अमीनो अम्ल मानव के संतुलित भोजन के लिए आवश्यक होता है। मशरूम में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट हमें फ्री रेडिकल्स से बचाता है। यह एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है, जो माइक्रोबियल और अन्य फंगल संक्रमण को ठीक करता है।

- यह ब्लड प्रैशर जैसी बीमारी को भी नियंत्रित करने में मदद करता है, जो लोग इस बीमारी से परेशान हैं, उन्हें मशरूम का सेवन अवश्य करना चाहिए।
- कार्बोहाइड्रेट की पर्याप्त मात्रा होने के कारण यह कब्ज, अपचन, अति अम्लीयता सहित पेट के विभिन्न विकारों को दूर करता है, साथ ही शरीर में कोलेस्ट्रॉल एवं शर्करा के अवशोषण को कम करता है।
- मशरूम वह सब कुछ देगा, जो डायबिटीज रोगी को चाहिए। इसमें विटामिन, मिनरल और फाइबर होता है। इसमें फैट, कार्बोहाइड्रेट और शुगर भी नहीं होती, जो डायबिटीज रोगी के लिए जानलेवा है। यह शरीर में इंसुलिन का निर्माण करता है।
- इसमें लीन प्रोटीन होता है, जो वजन घटाने में बढ़ा कारगर होता है। मोटापा कम करने वालों को प्रोटीन डाइट पर रहने को बोला जाता है, जिसमें मशरूम खाना अच्छा माना जाता है।
- इसमें सोडियम सॉल्ट नहीं पाया जाता, जिस कारण मोटापे, गुर्दे तथा हृदयघात रोगियों के लिए आदर्श आहार है। हृदय रोगियों के लिए कोलेस्ट्रॉल, वसा एवं सोडियम सॉल्ट सबसे अधिक हानिकारक पदार्थ होते हैं।
- मशरूम में लौह तत्व यूं तो कम मात्रा में पाया जाता है, लेकिन मौजूद होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखता है। इसमें बहुमूल्य फॉलिक एसिड की उपलब्धता होती है, जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फॉलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है।

खूबियों का खजाना है प्याज

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से कई तरह के रोगों को दूर करने में उत्तम घरेलू औषधि होती है प्याज। प्याज का प्रयोग वैसे हर दिन हर घर में होता है। प्याज का छौंक लगी हुई दालों, सब्जियों के अलावा कई तरह के फास्ट फूड आदि में स्वाद बढ़ाता है प्याज। प्याज का हम सलाद के रूप में भी सेवन करते हैं। इसके अलावा आयुर्वेद में प्याज के कई औषधीय गुण बताए गए हैं, जो बहुत ही चमत्कारी हैं।

प्याज के गुण

आयुर्वेद में प्याज को पलांडू कहते हैं। प्याज में प्रोटीन 1.2 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 11.6 प्रतिशत तथा कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए, विटामिन बी1, विटामिन सी पाए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, प्याज का प्रयोग शरीर पर बाहरी और आंतरिक दोनों ही रूपों में किया जा सकता है और इससे भरपूर लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

ज्वरनाशक है प्याज

प्याज का उपयोग बुखार को ठीक करने के लिए किया जाता है। अगर किसी व्यक्ति को बुखार आ रहा हो तो ऐसा व्यक्ति प्याज के पत्तों को एक गिलास पानी में तब तक उबाले, जब तक वह आधा न हो जाए। फिर इसे ठंडा करके पीने से बुखार में तुरंत आराम मिलता है।

डायबिटीज दूर करे

जिन लोगों को डायबिटीज की बीमारी है, उन्हें प्याज, अजवाइन, कलौंजी और मेथी के बीजों को एक समान मात्रा में मिलाकर पीसकर एक-एक चम्मच नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इससे डायबिटीज की समस्या हमेशा नियंत्रित रहेगी।

कफ को निकाल बाहर करे

प्याज का सेवन करने से जमा हुआ कफ पतला होकर आसानी से बाहर निकल जाता है। इसके लिए प्याज को हल्का गर्म करके उसका रस निकालकर उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाएं। कफ से पीड़ित बच्चे को यह रस एक चम्मच पिलाएं और बड़े को दो चम्मच।

अनेक रोगों में उपयोगी

अकसर गर्मियों के मौसम में गर्म हवाएं चलने के कारण लू लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में अगर खुद को लू लगने से बचाना है तो नियमित रूप से प्याज का सेवन करना चाहिए। जो लोग दिनभर धूप में बाहर रहते हैं, उनको अपनी जेब में एक प्याज रखनी चाहिए, ताकि लू न लगे।

गर्मी के कारण अकसर उल्टी, दस्त जैसी समस्या हो जाती है। जब कभी ये समस्या हो तो प्याज के रस के साथ पुदीना एवं काला नामक मिलाकर पीने से तरंत राहत मिलती है। किस समस्या से बचने के लिए कितनी खुराक लें, इसकी जानकारी विशेषज्ञ से ले लें।

त्वचा रोगों से मिले छुटकारा

त्वचा से संबंधित किसी भी तरह की समस्या जैसे फोड़े-फुंसी, मुहांसे हो जाएं या फिर शरीर में किसी जगह गांठ निकल आए या त्वचा में खुजली की समस्या हो तो प्रभावित जगह पर प्याज का रस लगाएं, त्वचा संबंधी रोगों से छुटकारा मिलेगा।

किसी भी कारण से त्वचा जल जाए तो प्रभावित जगह पर तुरंत प्याज का रस लगा लेने से जलन कम होती है। त्वचा पर कहीं भी जलने के निशान हों तो। उस जगह प्याज का लेप लगाने से वह निशान धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। इतना ही नहीं प्याज का उपयोग दांत दर्द दूर करने में भी अचूक साबित होता है।

दांत में कीड़ा लगने और मसूड़ों में सूजन आने पर प्याज और कलौंजी के बीजों को बराबर मात्रा में मिलाकर और उसे चिलम में भरकर उसका धुआं लेने से दोनों तकलीफों से आराम मिलता है।

जहरनाशक है प्याज

कुत्ते के काटने पर प्याज के रस में चूना मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाने से कुत्ते का जहर खत्म हो जाता है। प्याज के बीजों को कलौंजी के बीजों के साथ मिलाकर इस्तेमाल करने से भी कुत्ते, बिच्छू, मधुमक्खी जैसे कई अन्य जहरीले कीड़ों के काटने का असर नहीं होता। इससे उनके काटने से हुई जलन भी काफी कम हो जाती है।

बालों के लिए चमत्कारी है प्याज

अगर किसी व्यक्ति के सिर के बीच के कुछ बाल संक्रमण के कारण उड़ जाते हैं या दाढ़ी के बाल उड़ जाते हैं, उनके लिए प्याज किसी चमत्कार से कम नहीं है। ऐसे में प्याज के रस में शहद मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाने से कुछ ही दिनों में बाल धीरे-धीरे वापस आ जाते हैं।

बालों में डैंड्रफ होने पर प्याज के पत्तों के रस और धतूरे के पत्तों के रस को एक साथ मिलाकर लगाएं, डैंड्रफ खत्म हो जाएगा। इसके अलावा बालों में चमक लाने के लिए प्याज के रस के साथ आंवले का रस, एलोवेरा का रस मिलाकर लगाएं, बाल चमक उठेंगे।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

आंखों की रोशनी कम होने और आंखों से पानी आने पर प्याज के रस में बराबर मात्रा में गुलाब जल मिलाकर इसकी कुछ बूंदें आंखों में डालें। प्याज के पत्तों के रस को आंखों में डालने से रतौंधी रोग भी दूर हो सकता है।

रेसिपी

शाही मशरूम

सामग्री

- मशरूम: 200 ग्राम ■ प्याज: 4
- टमाटर: 5 ■ अदरक: 1 टुकड़ा
- हरी मिर्च: 2 ■ नमक: स्वाद के अनुसार
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर: 1/2 चम्मच
- चीनी: 1 चम्मच
- क्रीम: 1 कप ■ काजू: 1 कप
- घी: 3 चम्मच

विधि

मशरूम को धोकर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज और टमाटर को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कड़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद कड़ाही में टमाटर, अदरक और हरी मिर्च डालें, जब टमाटर मुलायम होने लगे तो गैस ऑफ करें और मिश्रण के ठंडा होने पर उसका पेस्ट बना लें। अब उसी कड़ाही में बचा हुआ घी डालें और गर्म करें। तैयार पेस्ट को घी में डालें अब कड़ाही में लाल मिर्च पाउडर, सभी मसाले, चीनी और काजू का पेस्ट डालें। चार से पांच मिनट तक धीमी आंच पर भूनें ग्रेवी के लिए आधा कप पानी डालें। जब ग्रेवी उबलने लगे तो कड़ाही में मशरूम डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकाएं। सबसे अंत में नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। लगातार चलाते हुए पांच मिनट तक पकाएं और गैस बंद कर दें।

बेसन भुर्जी का स्नैक्स

सामग्री

- बेसन: 1 कप ■ अलसी के बीज का पाउडर: 1 चम्मच ■ दही: 2 चम्मच

सब्जियों के लिए-

- जीरा: 1 चम्मच ■ बारीक कटा प्याज: 1
- बारीक कटी शिमला मिर्च: 1 ■ कटा हुआ मशरूम: 1 कप ■ बारीक कटी मिर्च: 2
- हल्दी पाउडर:1/4 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर: 1 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1 चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ तेल: 2 चम्मच
- धनिया पत्ती: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बर्तन में बेसन, दही और अलसी का पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी डालकर मिलाएं और बेसन का घोल तैयार कर लें। नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे तो पैन में प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर मिलाएं। मसाले डालकर मिलाएं और पांच से छह मिनट तक भूनें। अब धीरे-धीरे बेसन वाला मिश्रण पैन में डालें। धीमी आंच पर लगभग पांच मिनट पकाएं। जब बेसन वाला मिश्रण किनारों से पकने लगे तो धीरे-धीरे सब्जी व बेसन के मिश्रण को मिलाना शुरू करें। ध्यान रहे कि सब्जियां पूरी तरह से गल न जाएं। जब भुर्जी का रंग सुनहरा होने लगे तो पैन में नमक व धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। दो-तीन मिनट बाद गैस बंद कर दें। इस भुर्जी को ब्रेड टोस्ट के साथ नाश्ते में सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 1807

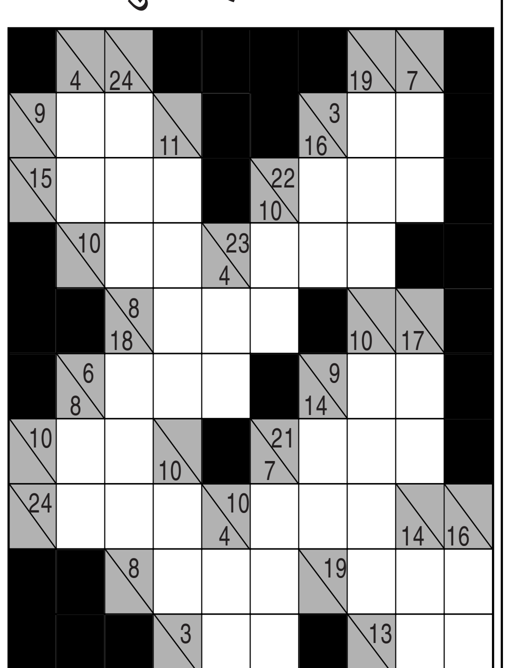

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

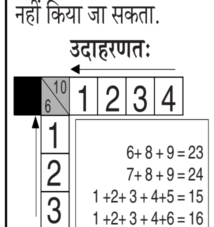

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1806 का हल

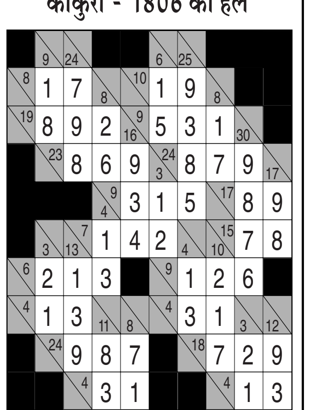

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1807

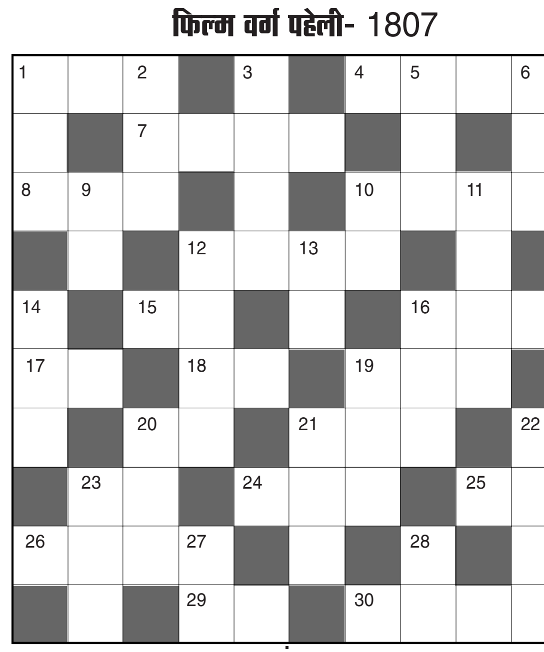

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1806

सूडोकू -1807

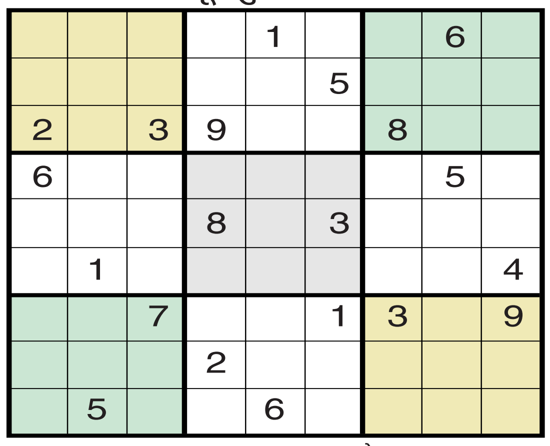

सूडोकु -1806 का हल

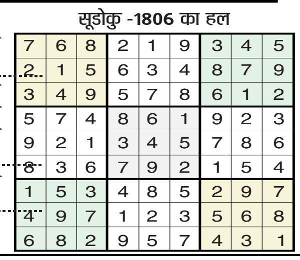

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 1807

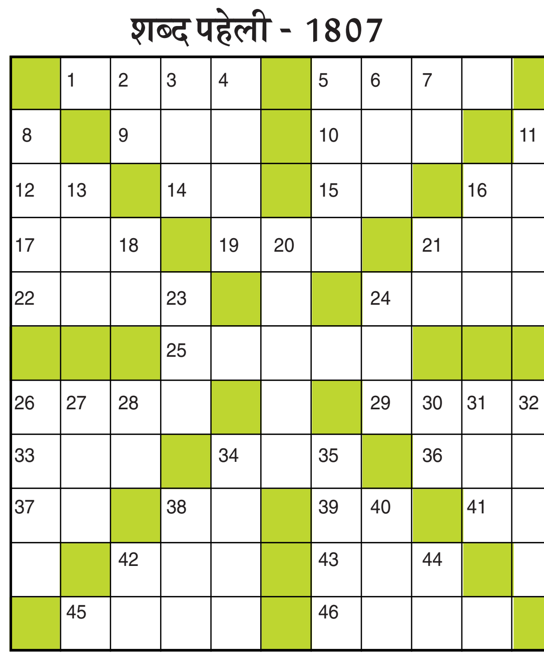

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 1806 का हल

एनसीबी ने 1 किलो चरस, 15 हजार कोडीन सिरप और 12,240 ट्रामाडोल टैबलेट जब्त की, दो गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई जोनल यूनिट ने अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.06 किलो चरस, कोडीन-बेस्ड कफ सिरप की 15,000 से अधिक बोतलें और 12,240 ट्रामाडोल टैबलेट जब्त की हैं। इन कार्रवाइयों में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में अलग-अलग ऑपरेशनों के दौरान यह कार्रवाई की गई। इस मामले की गहन छानबीन एनसीबी की टीम कर रही है। एनसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि गोपनीय जानकारी के आधार पर एनसीबी की टीम ने बुधवार को मुंबई के घाटकोपर इलाके में एक महिला के घर पर छापेमारी कर घरेलू सामान के बीच छिपाकर रखी गई 1.06 किलो चरस बरामद की। जांच में सामने आया कि महिला और उसके सहयोगियों ने कथित तौर पर मुंबई और आसपास के इलाकों में बिक्री के लिए यह ड्रग्स मंगाया था। आरोपित कथित तौर पर ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई और आगामी त्योहारों के कारण बाजार में आई कमी का फायदा उठाकर नशीले पदार्थों को ऊंची कीमत पर बेचने की तैयारी में थे। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है।

पाकिस्तान मूल के सोशल मीडिया खातों से संपर्क का आरोप, कर्नाटक के कलबुर्गी में युवक गिरफ्तार

कलबुर्गी। देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में उत्तर प्रदेश निवासी 23 वर्षीय मोहम्मद समीर को कलबुर्गी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त डॉ. शरणप्पा ने यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि समीर सोशल मीडिया पर देशविरोधी गतिविधियों से जुड़े कुछ खातों के लगातार संपर्क में था। पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी के दौरान मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपित के संपर्क में रहे कुछ सोशल मीडिया खातों को पाकिस्तान में बैठे लोगों द्वारा संचालित किए जाने का संदेह है। पुलिस ने समीर का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इस संबंध में कलबुर्गी विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपित को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

मप्र एसटीएसएफ ने तेंदुओं के शिकार और तस्करी गिरोह का 9वां आरोपित दिल्ली से गिरफ्तार

भोपाल। तेंदुओं के शिकार एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में मध्य प्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संगठित गिरोह के 9वें आरोपित को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से बताया गया कि इस मामले में 23 जुलाई 2026 को उत्तर प्रदेश के आगरा में 10 तेंदुओं की खाल के साथ तस्करों को पकड़ा गया था। यह शिकार क्षेत्र चीता लैंडस्केप में शामिल है, इसलिए संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए मामले में संलिप्त सभी आरोपितों की गहन तलाश जारी है। मामले के तार मध्य प्रदेश से जुड़े पाए जाने पर एसटीएसएफ मध्य प्रदेश और स्थानीय वन अमले की संयुक्त टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 शिकारियों को गिरफ्तार किया था। उनकी निशानदेही पर श्योपुर और मुरैना जिलों से बड़ी मात्रा में तेंदुओं के अवशेष और कंकाल बरामद किए गए। आरोपितों ने कुल 10 तेंदुओं का शिकार करना स्वीकार किया है। इनमें 6 शिकार कूनो वन्यजीव वनमंडल, 2 श्योपुर वनमंडल और 2 चंबल अभयारण्य, मुरैना वनमंडल क्षेत्र में किए जाने की पुष्टि हुई है। शिकार में इस्तेमाल किए गए 3 लेग होल्ड ट्रैप भी जब्त किए गए हैं। प्रकरण में विवेचना जारी है। संगठित गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

आईसीएमआर-एसएचआईएनईः हजारों छात्रों ने करीब से जाना विज्ञान और स्वास्थ्य अनुसंधान

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) की ओर से आयोजित दो दिवसीय आईसीएमआर-एसएचआईएनई 2026 कार्यक्रम का 11-12 अगस्त को समापन हुआ। देशभर में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 9 से 12 तक के हजारों विद्यार्थियों को बायोमेडिकल और सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान को करीब से समझने का अवसर मिला। आईसीएमआर-एसएचआईएनई का आयोजन देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 83 स्थानों पर किया गया। कार्यक्रम को महानगरों तक सीमित न रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम और अंडमान सहित दूरदराज क्षेत्रों तथा झारखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाया गया।

भारत-इंडोनेशिया के बीच 12वीं आर्मी स्टाफ वार्ता

रक्षा सहयोग मजबूत करने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और इंडोनेशिया के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता हुई है। भारत व इंडोनेशिया के बीच इस सैन्य वार्ता का उद्देश्य रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। 11 से प्रारंभ हुई दोनों देशों की यह सैन्य वार्ता 13 अगस्त तक जारी रही। वार्ता में दोनों देशों की सेनाओं के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाने और आपसी संबंधों को और गहरा करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

भारतीय सेना के मुताबिक, दोनों देशों के बीच यह 12वीं आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स है। भारत में आयोजित इस वार्ता में भारतीय सेना के प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशियाई सेना टीएनआई-एडी के प्रतिनिधिमंडल के साथ विभिन्न रक्षा और सैन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रिगेडियर जनरल आरी प्रसत्य, वीएसीओएस इंटेलिजेंस ने किया। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने, संयुक्त प्रशिक्षण के दायरे को बढ़ाने और सैन्य विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को और व्यापक बनाने पर चर्चा की। दोनों सेनाओं के बीच नियमित संवाद और सहयोग के जरिए परिचालन अनुभव तथा विशेषज्ञता साझा करने के मुद्दे पर भी जोर दिया गया। वार्ता में संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण और सैन्य अभ्यासों के विस्तार को महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया गया। दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण गतिविधियों के जरिए एक-दूसरे की कार्यप्रणाली और सैन्य क्षमताओं को बेहतर ढंग से समझने तथा दोनों सेनाओं के बीच समन्वय और आपसी समझ को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और इंडोनेशिया की सेनाओं के बीच इस तरह की वार्ताएं दोनों देशों के सेना के बीच संबंधों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। इनके माध्यम से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने और मौजूदा सहयोग को आगे बढ़ाने के अवसर मिलते हैं। दोनों पक्षों ने भारत और इंडोनेशिया के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है। वार्ता का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को और गहरा करना तथा क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के साझा हितों के अनुरूप सहयोग को आगे बढ़ाना है।

सीजेपी संस्थापक के खिलाफ एफआईआर की मांग

विरोध-प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में नाबालिग को लगी चोट का मामला

एजेंसी

इंदौर। इंदौर पुलिस को एक लिखित शिकायत मिली है। इसमें दिल्ली में नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस की लाठीचार्ज में घायल हुए एक नाबालिग से जुड़ी कथित घटना के सिलसिले में सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। एडिशनल डीसीपी राजेश डंडोत्या ने बताया कि पुलिस को फैजान अंसारी नाम के व्यक्ति से शिकायत मिली, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में अपना बयान भी दर्ज कराया। डंडोत्या ने बताया, 'फैजान अंसारी नाम के एक व्यक्ति इस मामले में आए थे। उन्होंने एक शिकायत दर्ज कराई और विरोध प्रदर्शन के बारे में बयान दिया। उनके बयान के आधार पर एक अर्जी दी गई।' शिकायत के अनुसार, अंसारी ने आरोप लगाया है कि विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस के लाठीचार्ज के दौरान एक 12 साल की लड़की के प्राइवेट पार्ट्स में चोट लग गई। उन्होंने दिपके और अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है और 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज' (पॉक्सो) एक्ट के प्रावधानों का जिक्र किया है। बात करते हुए अंसारी ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन के दौरान नाबालिग, जिनमें लड़कियां भी शामिल थीं, मौजूद थे। 20 जुलाई को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसे सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने आयोजित किया था। वहां नाबालिग बच्चे भी मौजूद थे। लाठीचार्ज के दौरान, एक 12 साल की लड़की के प्राइवेट पार्ट्स में चोट लग गई। इस संबंध में, मैं पॉक्सो एक्ट का जिक्र करना चाहूंगा। यह एक भारतीय कानून है, जिसके तहत, कहीं कोई अपराध होता है, तो उसकी शिकायत कहीं भी दर्ज कराई जा सकती है।'

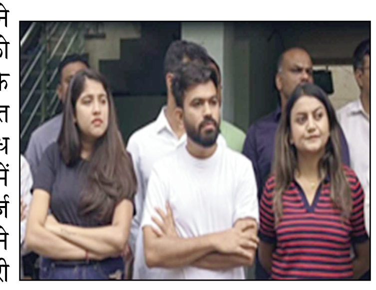

मुख्यमंत्री ने गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर पर 2-लेन स्लिप रोड पुल का किया लोकार्पण

वर्षों से लंबित विकास कार्यों को गति मिली है और दिल्ली विकास की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्वी दिल्ली के कोंडली में गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर पर नवनिर्मित 2-लेन स्लिप रोड पुल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्वी दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पटपड़गंज से विधायक रविंद्र सिंह नेगी और त्रिलोकपुरी से विधायक रविकांत उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि वर्षों से लंबित विकास कार्यों को गति मिली है और दिल्ली विकास की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है। आज पूर्वी दिल्ली के कोंडली क्षेत्र में

बड़े नाले पर निर्मित दो नवनिर्मित स्लिप रोड ब्रिजों का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इन पुलों के निर्माण से त्रिलोकपुरी, कोंडली और पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्रों के हजारों नागरिकों को बेहतर सड़क संपर्क, सुगम आवागमन और अधिक सुविधाजनक यातायात व्यवस्था का लाभ मिलेगा। यह परियोजना क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ-साथ दैनिक यात्रियों की आवाजाही को और आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का ध्यान ऐसी आधारभूत संरचना विकसित करने पर है, जिसका सीधा और व्यापक लाभ आम नागरिकों को मिले। सड़क नेटवर्क को मजबूत करना, यातायात के दबाव को कम करना और दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों के बीच बेहतर आवागमन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। कोंडली में यह परियोजना बेहतर कनेक्टेड, सुगम और विकसित दिल्ली की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ सुरक्षित एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस स्लिप रोड परियोजना का लोकार्पण किया जा रहा है, वह भी लंबे समय से स्वीकृत थी, लेकिन इसके कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी नहीं की गई थीं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का एक्शन

पीएसआईईसी अधिकारियों के कई ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जालंधर जोनल ऑफिस ने चंडीगढ़ और पंजाब के अमृतसर, गुरदासपुर और लुधियाना में तलाशी अभियान चलाया है। इसके साथ ही ईडी द्वारा पंजाब स्मॉल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन (पीएसआईईसी) के ऑफिस में भी सर्वे किया गया। यह कार्रवाई रिश्तेदारों, दोस्तों और अन्य सहयोगियों के नाम पर इंडस्ट्रियल प्लॉट अलॉट करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। तलाशी के दौरान ईडी को कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त किए गए। ईडी ने विजिलेंस ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। यह एफआईआर 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988' और 'भारतीय दंड संहिता (आईपीसी)' की विभिन्न धाराओं के तहत पीएसआईईसी के कई अधिकारियों और अन्य निजी लोगों के खिलाफ दर्ज की गई थी। जांच में पता चला कि औद्योगिक प्लॉट ऐसे लोगों को आवंटित किए गए थे, जिन्हें तकनीकी उद्योगों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। लोगों ने औद्योगिक प्लॉट के लिए आवेदन करते समय नकली फर्मों और नकली पतों का इस्तेमाल किया और पीएसआईईसी अधिकारियों के साथ करीबी संबंधों के कारण इन लोगों को औद्योगिक प्लॉट आवंटित किए गए। प्लॉट का कब्जा भी तय समय के भीतर नहीं दिया गया और इसमें कई वर्षों की देरी हुई। बीच के समय को 'जीरो पीरियड' माना जाता था और भुगतान योजनाओं के लिए आवंटन की तारीखों को कई वर्ष आगे बढ़ा दिया जाता था, जिसमें उस बीच के समय के लिए ब्याज दर शून्य होती थी। जांच से पता चला है कि ये अवैध आवंटन भारी रिश्वत के बदले किए गए थे।

'नया कानून किसी खास संगठन के खिलाफ नहीं'

सिर्फ सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए: प्रियांक खड़गे

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए नया कानून लाने का फैसला किया है। कैबिनेट ने 'कर्नाटक सरकारी परिसर और सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग के नियमन से संबंधित विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी है। गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने इसकी जानकारी दी। प्रियांक खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'कैबिनेट ने 'कर्नाटक सरकारी परिसर और सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग के नियमन से संबंधित विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी है।' सरकार के मुताबिक इस विधेयक का उद्देश्य निजी व्यक्तियों, संगठनों, संघों और सोसायटियों द्वारा सरकारी परिसरों और सार्वजनिक संपत्ति के इस्तेमाल को नियंत्रित और संचालित करना है। विधेयक में सरकारी जमीन, इमारतों, खेल के मैदानों, पार्कों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण और जिम्मेदारी से इस्तेमाल के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार किया गया है, ताकि इनका गलत इस्तेमाल रोका जा सके और जनहित व भलाई के लिए इन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

प्रियांक खड़गे ने आगे लिखा, 'हर कोई ऐसा क्यों सोच रहा है कि इसका मकसद किसी खास संस्थान, संघ, संगठन, सोसाइटी, क्लब, यूनियन, सिंडिकेट या एनजीओ पर रोक लगाना या उसे सीमित करना है? मेरी तो समझ से बाहर है।' अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में कई जगहों पर सरकारी मैदानों, पार्कों और सामुदायिक भवनों का इस्तेमाल बिना अनुमति के कार्यक्रमों, बैठकों और निजी कामों के लिए किया जा रहा था। इससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा था और आम लोगों को दिक्कत हो रही थी। नए विधेयक में स्पष्ट प्रावधान होंगे कि कौन, कब और किस शर्त पर सरकारी परिसर का इस्तेमाल कर सकता है।

असम में बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित इलाकों में संघ कार्यकर्ता सेवाकार्यों में जुटे

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं संघ परिवार के विभिन्न संगठनों ने समन्वित रूप से राहत, सेवा एवं पुनर्वास कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में व्यापक स्तर पर हुई क्षति के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विचार परिवार के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ राहत और पुनर्स्थापन कार्यों में जुटे हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद 3 एवं 4 अगस्त को कार्यकर्ताओं ने संबंधित जिलों का भ्रमण कर प्रभावित परिवारों से संपर्क किया और वहां तत्काल राहत एवं भविष्य् की पुनर्वास आवश्यकताओं का आकलन किया। पड़ोसी राज्य नगालैंड की पहाड़ियों में हुई मूसलाधार वर्षा, भूस्खलन तथा तीव्र जलप्रवाह ने ऊपरी असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दी। इसका

व्यापक प्रभाव शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में देखा गया। जिसमें शिवसागर जिला सर्वाधिक प्रभावित रहा। चराईदेव और जोरहाट में भी भारी क्षति हुई, जबकि गोलाघाट भी काफी प्रभावित हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस आपदा में अबतक 104 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हजारों की संख्या में परिवार तथा चार लाख से अधिक नागरिक इससे प्रभावित हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आजीविका से जुड़ी गंभीर चुनौतियां बनी हुई हैं। इस गंभीर आपदा के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक तथा संघ परिवार से जुड़े विभिन्न संगठनों ने समाज के सहयोग से समन्वित राहत एवं पुनर्वास अभियान चलाया। भोजन, वस्त्र, बिस्तर, दवाइयां और आवश्यक घरेलू सामग्री पहुंचाने के साथ चिकत्सा सेवा, स्वच्छता एवं विसंक्रमण, श्रमदान, प्रभावित परिवार की सहायता, कृषि पुनर्स्थापन तथा विद्यालय, नामघर और घर की सफाई एवं पुनर्वास जैसे कार्य चरणबद्ध रूप से किए गए। रिपोर्ट में तत्काल आवश्यकताओं के रूप में खाद्य सामग्री, वस्त्र, बिस्तर, बर्तन, शिशु आहार, पशु आहार, दवाइयां, पेयजल, वाटर फिल्टर, क्लोरीन टैबलेट एवं अन्य पुनर्वास सामग्री भी चिन्हित की गई थी।

कौशल विकास मिशन और आईआईए के बीच हुआ एमओयू, युवाओं को मिलेगा इंडस्ट्री का सीधा एक्सपोजर

आईआईए के क्षेत्रीय चैप्टर प्रमुखों को जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों से जोड़ने की तैयारी

योगी सरकार की महत्वपूर्ण पहल: युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप रोजगार और अप्रेंटिसशिप से सीधे जोड़ा जाएगा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल बनाने तथा उन्हें रोजगार और अप्रेंटिसशिप के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे, संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार मौजूद रहे। इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट लिंकेज को मजबूत करना, अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट के अवसर बढ़ाना, इंडस्ट्री एक्सपोजर उपलब्ध कराना तथा प्रशिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना है। इसके माध्यम से प्रशिक्षण व्यवस्था को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ते हुए युवाओं को व्यावहारिक एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। एमओयू के तहत आईआईए के क्षेत्रीय चैप्टर प्रमुखों को जिलों में कार्यरत जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों (डीपीएमयू) से जोड़ा जाएगा।

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक और उद्योगपरक बनाने के लिए उद्योगों द्वारा आवश्यक रॉ मैटेरियल यूपीएसडीएम प्रशिक्षण केंद्रों को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षार्थी उद्योग विशेषज्ञों की देखरेख में वास्तविक औद्योगिक कार्यों का अनुभव प्राप्त करेंगे। आईआईए से जुड़े उद्यमी और तकनीकी विशेषज्ञ यूपीएसडीएम के प्रशिक्षण केंद्रों पर गेस्ट लेक्चर, मेंटरशिप और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। साथ ही प्रशिक्षार्थियों को सॉफ्ट स्किल्स, कार्यस्थल व्यवहार और उद्योग में बदलती तकनीकी जरूरतों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए आईआईए के ऑनलाइन पोर्टल iiaonline.in का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा नियमित रूप से जॉब फेयर, अप्रेंटिसशिप मेले, औद्योगिक भ्रमण और इंडस्ट्री एक्सपोजर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस पहल को प्रथम चरण में लखनऊ, बाराबंकी, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, अमेठी, वाराणसी, एनसीआर और बरेली में लागू किया जाएगा। सफल क्रियान्वयन के आधार पर इस मॉडल को प्रदेश के सभी 75 जिलों तक विस्तारित करने की योजना है।

यूपीएसडीएम और आईआईए के बीच यह तीन वर्ष की गैर वित्तीय साझेदारी है। एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा के लिए एक ज्वाइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन किया गया है। समिति द्वारा प्रत्येक तिमाही में कार्यक्रम की प्रगति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अप्रेंटिसशिप, प्लेसमेंट और अन्य परिणामों का आकलन किया जाएगा।

स्कूलों में बेटियों को गरिमा के साथ मिलेगी सुविधा, मास्टर ट्रेनर तैयार कर रही योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ। बेटियों की शिक्षा किसी जैविक प्रक्रिया के कारण बाधित न हो और विद्यालय उनके लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं संवेदनशील वातावरण का स्थान बने–योगी सरकार इस दिशा में व्यवस्थागत पहल को जमीन तक पहुंचा रही है। इसी क्रम में मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़े विषयों पर शिक्षकों की समझ और संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी 75 जनपदों में मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जा रहे हैं। राज्य स्तर पर आयोजित दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में प्रत्येक जनपद से तीन प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। पहले दिन 13 अगस्त को 37 जनपदों के 111 प्रतिभागियों का उन्मुखीकरण पूरा हुआ, जबकि शेष जनपदों से आए 112 प्रतिभागियों का उन्मुखीकरण 14 अगस्त को होगा। इस प्रकार दो दिनों में कुल 223 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह पहल डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार एवं अन्य प्रकरण के संदर्भ में विद्यालयों में मासिक धर्म स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं और संवेदनशील शैक्षिक वातावरण को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षण में यह समझ विकसित की जा रही है कि मासिक धर्म स्वास्थ्य को केवल सैनिटरी पैड की उपलब्धता तक सीमित न रखते हुए सुरक्षित टॉयलेट, पानी, साबुन, उचित निस्तारण, गोपनीयता, जागरूकता और सहयोगी वातावरण से जोड़कर देखा जाए। प्रशिक्षण सामग्री में भी मासिक धर्म स्वास्थ्य को बालिकाओं की गरिमा, शिक्षा और संवैधानिक अधिकारों से जोड़ते हुए व्यापक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण में 30 जनवरी 2026 के डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य से संबंधित बताए गए व्यापक पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण सामग्री के अनुसार मासिक धर्म स्वास्थ्य को गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से जोड़ा गया है तथा सुरक्षित और सम्मानजनक मासिक धर्म प्रबंधन उपलब्ध कराने में राज्य और शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी पर बल दिया गया है।

32 टीमों में 50 मुकाबले, भारत-पाकिस्तान मैच 19 अगस्त को

पहली बार महिला-पुरुष हॉकी वर्ल्डकप एक साथ होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त से हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत हो रही है। पहली बार महिला और पुरुष के टूर्नामेंट एक साथ हो रहे हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं। भारतीय पुरुष टीम वेल्स के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगी। यह मैच दोपहर 4:30 बजे शुरू होगा। इससे पहले महिलाओं का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच दोपहर 1:30 बजे से होगा।

16 दिन चलेंगे टूर्नामेंट, 2 वेन्यू पर मुकाबले – शनिवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट 16 दिन तक चलेंगे। दोनों टूर्नामेंट में कुल 50 मैच खेले जाएंगे। इनका आयोजन 2 फेज में होगा। पहला ग्रुप स्टेज, क्रॉसओवर पूल। फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच होंगे। सभी मैच 2 वेन्यू पर आयोजित होंगे।

कुल 32 टीमें हिस्सा ले रहीं – मेंस और विमेंस वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें (कुल 32 टीमें) हिस्सा लेंगी। ग्रुप स्टेज में 16 टीमें 4 ग्रुप (ए, बी, सी, डी) में बंटेंगी और हर टीम 3 मैच खेलेगी। हर ग्रुप से टॉप-2 टीम क्रॉसओवर राउंड में जाएगी। इन 8 टीमों को 2 ग्रुपों में बांटा जाएगा। इस राउंड में हर टीम तीन और मैच खेलेगी।

29-30 अगस्त को फाइनल होंगे

फाइनल मैच 29 और 30 अगस्त को खेले जाएंगे। महिला वर्ल्ड कप का फाइनल 29 अगस्त को खेला जाएगा। जबकि, पुरुष वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला 30 अगस्त को रात 8:00 बजे से शुरू होगा। दोनों फाइनल के दिन ब्रॉन्ज मेडल मैच भी होंगे।

बेल्जियम में पहली बार वर्ल्ड कप

इस बार के वर्ल्ड कप में क्वार्टर फाइनल नहीं होंगे।

पहली बार पुरुष और महिला हॉकी वर्ल्ड कप एक साथ हो रहे हैं।

बेल्जियम पहली बार वर्ल्ड कप होस्ट कर रहा है। उसकी मेंस टीम नंबर-1 है।

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद

वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी, गौतम-अगरकर 2027 वर्ल्डकप तक बने रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण को बोर्ड 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' नियुक्त करने वाला है। लक्ष्मण अपनी मौजूदा जिम्मेदारियां तो निभाते रहेंगे, लेकिन उनकी भूमिका पहले से ज्यादा व्यवस्थित होगी। लक्ष्मण, जो पहले जूनियर भारतीय टीमों, खिलाड़ियों के रिहैब और पुरुष व महिला क्रिकेटरों के लिए आगे बढ़ने के रास्तों (पाथवे) की देखरेख करते थे, अब आगे चलकर स्टाफ की नियुक्तियों के लिए भी जिम्मेदार होंगे। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सार्वजनिक की है। मीडिया सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया कि बीसीसीआई लक्ष्मण का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने वाला है, जिससे वह दो और साल तक सीओई में बने रहेंगे। कॉन्ट्रैक्ट बढ़ने के साथ उन्हें एक नया पद 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' मिलेगा, जो पहले नहीं था। भूमिका में यह बदलाव भारतीय क्रिकेट के हर स्तर को जोड़ेगा (सीनियर कोच और सेलेक्टर से लेकर सीओई और युवा खिलाड़ियों के लिए बने सिस्टम तक) ताकि टैलेंट की पहचान और खिलाड़ियों के विकास के लिए एक जैसा तरीका अपनाया जा सके। लक्ष्मण के लिए यह एक स्वाभाविक अगला कदम है क्योंकि वह पहले से ही सीओई में गहराई से जुड़े हुए हैं और टैलेंट पाइपलाइन के हर चरण में काम कर रहे हैं। नेशनल सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन अजीत अगरकर का कार्यकाल सितंबर में खत्म होने वाला है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में भारत की खराब स्थिति के बाद श्रीलंका के खिलाफ आगामी 2 मैच कोच के लिए आगे का रास्ता तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मीडिया सूत्रों के हवाले से कहा कि बदली हुई भूमिका में लक्ष्मण असल में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और सिलेक्शन कमिटी के चीफ अजीत अगरकर से ऊपर होंगे। हालांकि अगरकर और गंभीर के तत्काल भविष्य पर कोई खतरा नहीं है।

एशियन गेम्स 2026

भारत-पाकिस्तान के बीच नहीं होगा कोई मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स अगले महीने 19 सितंबर से जापान में शुरू हो रहा है और 4 अक्टूबर को समाप्त होगा. इस खेल इवेंट में क्रिकेट प्रतियोगिता 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगी. पहले महिला का मुकाबला होगा, उसके बाद पुरुष प्रतियोगिता होगी. सभी मैच नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में फैंस को भारत और पाकिस्तान के बीच मेडल मैच से पहले कोई मैच नहीं देखने को मिलेगा. क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, एशियन गेम्स क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग रखा गया है. टूर्नामेंट के ड्रॉ से यह तय हो गया है कि ये दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी पुरुष और महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में केवल मेडल मैच में ही आमने-सामने हो सकते हैं। चौथी सीड वाली पाकिस्तान टीम का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला थाईलैंड से होगा. जीत मिलने पर सेमीफाइनल में उनका मुकाबला श्रीलंका या मलेशिया से हो सकता है. महिला फाइनल और ब्रॉन्ज-मेडल मैच 22 सितंबर को खेले जाएंगे।

मेडल मैच में होगा मुकाबला

इस फिक्सचर से ये साफ हो गया कि भारत और पाकिस्तान ना तो क्वार्टरफाइनल में भिड़ेंगे और ना ही सेमीफाइनल में. लेकिन अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचीत हैं या फिर सेमीफाइनल हारती हैं तो वो दोनों मेडल मैच में आमने सामने हो सकते हैं. दोनों मेडल मैच 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

महिला प्रतियोगिता में भी यही नियम

महिला प्रतियोगिता में भी यही नियम अपनाया गया है, जिसका मतलब है कि शुरुआती राउंड में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला नहीं होगा. महिला टूर्नामेंट में भारत टॉप-सीडेड टीम है और क्वार्टरफाइनल में उसका मुकाबला जापान से होगा। अगर वे आगे बढ़ती हैं, तो सेमीफाइनल में उनका मुकाबला बांग्लादेश या हांगकांग चीन से होगा।

4 टीमें सीधे क्वार्टरफाइनल में

मेंस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमें भाग लेंगी. जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को डायरेक्ट क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिलेगा. बाकी छह टीमों को, जिनमें अफगानिस्तान भी शामिल है, क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए ग्रुप स्टेज से गुजरना होगा. जिसमें नेपाल, हांगकांग चीन, जापान, मलेशिया और ओमान के नाम शामिल हैं।

भारत और पाकिस्तान के मैच का शेड्यूल

भारत को क्वार्टरफाइनल 2 में रखा गया है, जबकि पाकिस्तान क्वार्टरफाइनल 1 खेलेगा. दोनों मैच 28 सितंबर को होंगे. जो ग्रुप स्टेज से आने वाली टीमों का सामना करेंगी. इसके बाद सेमीफाइनल ड्रॉ में भी भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग रखा गया है. क्योंकि क्वार्टरफाइनल 1 की विजेता टीम का मुकाबला क्वार्टरफाइनल 3 की विजेता टीम से होगा, जबकि क्वार्टरफाइनल 2 की विजेता टीम का मुकाबला क्वार्टरफाइनल 4 की विजेता टीम से होगा. सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीता

पोलैंड (एजेंसी)। पोलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने गुरुवार को टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन का फाइनल जीता। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराकर इस साल का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता।यह उनके करियर का 26वां खिताब है।

29 मिनट में जीता पहला सेट – 7वीं वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैच की शुरुआत में ही दूसरी वरीयता प्राप्त रायबकिना की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 29 मिनट में 6-2 से जीत लिया।

तंजिद हसन ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी खिलाड़ी बने

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। बांग्लादेश के ओपनर तंजिद हसन तमीम ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। वे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी क्रिकेटर बन गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। तंजिद ने 188 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि बांग्लादेश की पहली पारी के दौरान हासिल की, जब ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले दिन 198 रन पर ऑलआउट हो गई थी। उनके शतक ने बांग्लादेशी खिलाड़ी के लिए घर से बाहर टेस्ट शतक लगाने का लंबा इंतजार भी खत्म कर दिया। पिछली बार ऐसा 2022 में हुआ था, जब महमुदुल हसन जॉय ने डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 137 रन बनाए थे।

कश्मीर की 17 वर्षीय एमएमए फाइटर रुत्बा शब्बीर

36 सेकंड में प्रतिद्वंद्वी को किया था ढेर

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) (एजेंसी)। रुतबा शब्बीर को 9वीं एमएमए इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में अपनी छाप छोड़ने के लिए ज्यादा समय नहीं लगा. बस 36 सेकंड ही काफी थे. जम्मू-कश्मीर की इस 17 साल की खिलाड़ी ने पिछले महीने इंदौर (मध्य प्रदेश) में बैंटमवेट फाइनल के पहले राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को नॉकआउट कर दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल और 'बेस्ट फीमेल एथलीट' का अवॉर्ड मिला. हालांकि, रुतबा के लिए यह जीत सफर का अंत नहीं थी. उन्होंने ईटीवी भारत को बताया कि यह तो बस शुरुआत है. अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है. उनका यह जवाब उस युवा फाइटर के बारे में उतना ही कुछ बताता है, जितना कि केज (रिंग) के अंदर उनकी तेजी से मिली जीत।

कौन हैं रुत्बा शब्बीर? – रुत्बा श्रीनगर के हैदरपोरा की रहने वालीं हैं. वो अभी गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, अमीरा कदल में 11वीं क्लास की छात्रा हैं. वह 'एपेक्स एमएमए' का प्रतिनिधित्व करती हैं और 'स्रूछ्र्य' के फाउंडर व टीम इंडिया के ऑफिशियल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स कोच आसिफ हुसैन की देखरेख में ट्रेनिंग लेती हैं. नेशनल लेवल पर मिली इस कामयाबी ने उन्हें उन युवा एथलीटों की लिस्ट में शामिल कर दिया है जो जम्मू-कश्मीर के बढ़ते स्रूमूवमेंट को नेशनल स्टेज पर ले जा रहे हैं।

बरसों की मेहनत का नतीजा

रुत्बा को यह पहचान रातों-रात मिली कामयाबी नहीं, बल्कि बरसों की मेहनत का नतीजा है. कोच आसिफ हुसैन ने बताया कि रुत्बा ने उनके अंडर करीब आठ से नौ साल तक ट्रेनिंग की है। एमएमए में आने से पहले वह वुशु में हिस्सा लेती थीं. उन्होंने एमएमए फाइटर के तौर पर खुद को तैयार करने में लगभग चार से पांच साल लगे. वो नेशनल लेवल पर कई मेडल जीत चुकी है. हुसैन ने उनमें आए बदलाव के बारे में बताते हुए कहा, 'वह हमेशा से ऐसी नहीं थीं।'उनके मुताबिक, रुत्बा शुरू में थोड़ी धीमी थीं और उन्हें अपनी फुर्ती पर काम करने की जरूरत थी.

राष्ट्रीय टीम में एंट्री की जंग शुरू

797 खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया में झोंकी पूरी ताकत

रांची (एजेंसी)। 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2026-27 में झारखंड की ओर से प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया शुरू हो गई. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् ,रांची की ओर से आयोजित चयन प्रक्रिया में पहले दिन विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, फिटनेस और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण – अलग-अलग खेल स्थलों पर आयोजित चयन प्रक्रिया में कुल 797 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. बुधवार को नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण हुआ.

भारत आज 600वां टेस्ट खेलेगा

जीता तो वेस्टइंडीज की बराबरी करेगा; श्रीलंका में स्पिन खेलना चुनौती

गॉल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजों की शनिवार से यहां शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में स्पिन के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी और इस श्रृंखला का नतीजा मुख्य कोच गौतम गंभीर की देश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रभारी के तौर पर भूमिका के लिए काफी अहम होगा। गंभीर के कार्यकाल में भारत सफेद गेंद (सीमित ओवरों का क्रिकेट) के क्रिकेट में लगभग अजेय टीम रहा है जिसका अंदाजा चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्व कप में उसके खिताबी अभियान से लगाया जा सकता है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तस्वीर काफी निराशाजनक है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप ने भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। लगातार मिली इन नाकामियों और इसके बाद सहयोगी स्टाफ के दो सहायक कोच तथा एक क्षेत्ररक्षण कोच के जाने से गंभीर और टीम के लिए तत्काल नई ऊर्जा के संचार की जरूरत महसूस होने लगी है। इसका यह मतलब नहीं है कि अगर श्रीलंका में भारत जीत हासिल नहीं कर पाता है तो गंभीर को तुरंत हटा दिया जाएगा लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट में आगे की रणनीति को लेकर सत्ता के गलियारों में निश्चित रूप से चर्चा तेज होगी। हालांकि गॉल में खोई प्रतिष्ठा वापस हासिल करना किसी भी मेहमान टीम के लिए आसान काम नहीं है। अक्सर यहां पहुंचकर सपने टूटते रहे हैं। अगर यह बात महज अतिशयोक्ति लगे तो आंकड़े पर्याप्त हैं। श्रीलंका ने 1998 से यहां खेले गए 49 टेस्ट में से 27 में जीत दर्ज की है। उसकी इस बादशाहत में चतुर स्पिनरों की बड़ी भूमिका रही है। मुथैया मुरलीधरन और रंगना हेराथ के स्वर्णिम दौर से श्रीलंका काफी आगे निकल चुका है लेकिन उसके पास अब भी प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस जैसे स्पिनर हैं, जिन्होंने गॉल को अपना किला बना रखा है। यह स्थिति मौजूदा भारतीय टीम के लिए अनुकूल नहीं है जिसके बल्लेबाज हाल के समय में मिचेल सैंटनर और साइमन हार्मर जैसे स्पिनरों के खिलाफ बुरी तरह संघर्ष करते नजर आए हैं। हालांकि, मौजूदा टीम में उस भारतीय टीम की झलक दिखती है जो 2017 में पिछली बार टेस्ट श्रृंखला खेलने श्रीलंका आई थी। विराट कोहली की अगुआई वाली उस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी थे जो अपने करियर के मध्य चरण में थे। भारत ने उस दौरे पर 3-0 से श्रृंखला जीती थी जिसमें गॉल में मिली जीत भी शामिल थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के दबदबे का दौर शुरू हुआ था। मौजूदा टीम भी युवा कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में करियर के मध्य चरण में पहुंच चुके अनुभवी खिलाड़ियों और अपनी जगह पक्की करने को बेताब युवा खिलाड़ियों से भरी है।

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी और सरफराज खान।

श्रीलंका : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, कामिंदु मेंडिस, दिनेश चांदीमल, पासिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनूषा, निरोशन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशारा नुवंथा, मिलन रत्नायके, असिथ फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्व फर्नांडो और दिलशान मदुशंका।

समय : सुबह 10 बजे।

मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जो अपने निर्भय और बिंदास बोल के कारण हमेशा सुर्खियों भी रहते हैं। हाल ही में अपने कुछ बयानों के कारण वे विवादों में आ गए थे। उससे होने वाले खामियाजे के बारे में वे कहते हैं, 'सच कहूं, तो मैंने कभी निर्भय होकर अपनी बात नहीं रखी है। मैंने तो हाल ही में जितना संभव हो सकता था, सच बोलने की कोशिश की है। मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़ कर बुरा बनाकर पेश किया गया। मेरा निजी तौर पर किसी से कोई बैर नहीं। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे माफ कर दो। मुझसे मत पूछो मैं नहीं जानता।'

तोड़ा-मरोड़ा कंटेंट दिया जाता है

वह आगे कहते हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली कुछ सेकंड्स की क्लिप्स के लिए भी ऐसा तोड़ा-मरोड़ा हुआ कंटेंट दिया जाता है। वह कहते हैं, 'इस तरह की क्लिप्स में जनता को भी खूब रस आता है। तो इसे दिखाने वाले उसी सनसनीखेज अंदाज में पेश करते हैं। मुझे लगता है इन मामलों में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।'

हमारी नाटक कंपनी को नीची निगाह से देखा जाता था

हरफनमौला अन्नू कपूर एक जमाने में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते थे। अपने उस दौर का जिक्र करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे पिताजी की जो नाटक कंपनी थी। उसके कारण हमें नीची निगाह से देखा जाता था। इसलिए माता जी की इच्छा थी कि हम किसी भी इज्जतदार प्रोफेशन में जाएं। जैसे पुलिस, डॉक्टर, आईपीएस अफसर आदि। मैं पढ़ाई में अच्छा था, तो माता जी को मुझसे ही उम्मीद थी, मगर फिर हालात ऐसे बने कि पढ़ाई छूट गई। मैं भी नाटक कंपनी से जुड़ गया। हम तो टैंटों में रहा करते थे। हम घुमंतू जैसे फोक नाटक कंपनी में काम करते थे, तो बारिश के दिन हमारे लिए बहुत ही कहर बरसाने वाले होते थे। घुमंतू नाटकों में 15 दिन इस गांव में, तो 15 दिन उस गांव में जाना होता था। हर नई जगह जाकर स्टेज तैयार करना होता था। अब अगर बारिश हुई तो हम नाटक ही नहीं कर पाएंगे, क्योंकि सब कुछ ओपन एर में होता था। नाटक नहीं कर पाएंगे, तो पब्लिक नहीं आएगी और पब्लिक नहीं आई, तो पैसा नहीं मिलेगा। तब हमें भूखे भी रहना पड़ेगा। तो हम लोग तो भोंपू लेकर बारिश के रुकने के इंतजार मैं बैठे रहते थे कि कब भोंपू बजाएं और कब लोगों को नाटक के लिए बुलाएं। तब बारह आने हुए एक रुपए का टिकट हुआ करता था।'

कब्रिस्तान जाकर पढ़ाई करता था

अन्नू कपूर की हालिया रिलीज 'उत्तर दा पुत्तर' में वास्तु के अलावा अंधविश्वास के मुद्दे भी बात की गई। अन्नू कपूर ने बताया कि वह जरा भी अंधविश्वासी नहीं हैं। उन्होंने अपने स्कूल-कॉलेज के दिनों एक एक किस्सा बयान करते हुए कहा, 'मैं जब नीमच-मध्यप्रदेश में जीवाजीराव सिंधिया हॉस्टल में पढ़ा करता था, तब वहां उस जमाने में हमारे हॉस्टल के पास अंग्रेजों के जमाने का क्रिश्चनों का ग्रेवयार्ड था। मेरे मन में बहुत चाह जागती थी कि चांदनी रात में लालटेन लेकर उस कब्रिस्तान में पढ़ूं तो सही। आपको सुन कर अटपटा लगेगा, मगर मैंने जब वहां पढ़ना शुरू किया, तो मेरा मन लगने लगा।'

हर दिन शुभ, कोई जगह मनहूस नहीं होती

'फिजिक्स केमिस्ट्री का कोई इक्वेशन अगर समझ में नहीं आ रहा है, तो वहां समझ आने लगा। रिजल्ट भी अच्छा आया। मेरी देखा -देखी में मैंने भी अपने दोस्तों को वहां पढ़ने की दावत दी। पहले तो वो थोड़ा झिझके, मगर फिर वो लोग भी जुड़ गए। सालों बाद जब मेरा नीमच जाना हुआ, तो मैं उसी ग्रेवयार्ड को खोज रहा था। तब मेरे साथ के लोग बोले कि अब तो उस पूरे इलाके में बस्तियां बस गई हैं। अब तो उस जगह को आप कब्रिस्तान के रूप में ढूंढ ही नहीं पाएंगे। तो जाहिर है कि अपने कॉलेज के जमाने में भी मैं अंधविश्वासी नहीं था। मेरा मानना कि हर दिन शुभ होता है। कोई भी जगह मनहूस नहीं होती।'

'आवारापन 2' की टीम को मोहित सूरी ने दी बधाई

मोहित सूरी ने 'आवारापन' का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। अब फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। फिल्म के अगले हिस्से पर बात करते हुए डायरेक्टर थोड़ा भावुक होते नजर आए।

फिल्म के सीक्वल की रिलीज से पहले, उन्होंने सीक्वल के निर्देशक नितिन कक्कड़ और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जैसे कोई पुराना प्यार, या ऐसा दोस्त जिससे काफी समय से मुलाकात नहीं हुई, लेकिन आज भी बहुत याद आता है। 19 साल बाद भी यह फिल्म मेरे लिए उतनी ही मायने रखती है। धन्यवाद नितिन कक्कड़, आपने मेरे दिल के इतने करीब चीज को फिर से जिंदा किया, वो भी इतने प्यार, खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ। इस फिल्म पर काम करने वाले कई लोगों के साथ मैं पहले काम कर चुका हूं और आगे भी करूंगा। आप सबने बहुत शानदार काम किया है। इस ट्रेलर को देखकर मुझे बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।' उन्होंने आगे एक्टर इमरान हाशमी और दिशा पटानी का भी जिक्र किया। मोहित ने आगे लिखा, 'दिशा पटानी, मुझे तुम पर बहुत गर्व है, हमेशा की तरह। और इमरान हाशमी, मेरे हीरो और हमेशा हीरो रहोगे। मुझे यकीन है तुमने इस बार भी अपना पूरा दिल लगा दिया होगा, जैसे 18 साल पहले किया था। और मेरे छोटे भाई विशेष भट्ट- मैंने यह जिम्मेदारी तुम्हें दे दी है, और अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दुनिया तुम्हारा जादू देखे। शुभकामनाएं मेरे भाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया। आप सभी को ढेर सारी बधाई। सभी लोग 14 अगस्त को सिनेमाघरों में जाकर 'आवारापन 2' जरूर देखें। तो फिर आओ... मुझको सताओ... मुझको रुलाओ।'

नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी और विशेष फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी नजर आएंगी, जो जारा के किरदार में एक्शन करती दिखेंगी।

नयनतारा ने तोड़ा अपना नियम 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचने के पीछे का बताया कारण

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा आमतौर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री-रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं। यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती हैं, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, ''मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूं। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पातीं, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूं। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।''

'टॉक्सिक' के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे। उन्होंने कहा, ''यश ने मुझे सिर्फ फोन किया और उनके लिए इतना ही काफी था कि मैं इस इवेंट में शामिल हो जाऊं।'' नयनतारा ने यश के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़ा कलाकार अपने आप में खास होता है और सभी कलाकारों में कुछ अलग खूबियां होती हैं। यही वजह है कि वे सभी सुपरस्टार बने हैं लेकिन यश के साथ मेरी पहली मुलाकात का अनुभव कुछ अलग रहा। यश की पर्दे पर जो बड़ी और दमदार छवि दिखाई देती है, असल जिंदगी में भी वह काफी हद तक वैसे ही हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यश को पहली बार मिलने पर मुझे यह महसूस हुआ कि उनका पर्दे वाला व्यक्तित्व सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनकी शख्सियत में भी वही आत्मविश्वास और प्रभाव नजर आता है, जो उनकी फिल्मों में दिखाई देता है।

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' पहले से ही बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अब रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दीपिका पादुकोण के भी फिल्म में होने की नई अटकलों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन 'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज ने कास्टिंग की इन अफवाहों को हवा दी है।

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

एग फ्रीजिंग ट्रेंड पर बोलीं सुरभि चंदना

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने एक्ट्रेस और महिला सेलिब्रिटीज के बीच एग्स फ्रीज़ करने के बढ़ते ट्रेंड पर अपनी राय दी। खास बातचीत में सुरभि ने कहा कि हालांकि वह उन सभी महिलाओं का समर्थन करती हैं जो अपने एग्स फ्रीज करने का फैसला करती हैं, लेकिन उन्हें खुद ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि वह चीजों को उनके नैचुरल तरीके से होने देने में विश्वास रखती हैं। 'नागिन' एक्ट्रेस से पूछा गया, 'आजकल बहुत सी एक्ट्रेस अपने एग्स फ्रीज करवा रही हैं। इस पर आपकी क्या राय है?' इस पर जवाब देते हुए सुरभि ने अपनी बहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने बिना किसी मेडिकल मदद के 39 साल की उम्र में मां बनने का अनुभव लिया। उन्होंने बताया, 'मेरी बहन ने 39 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया। वह अब दो साल का है - और यह एक नॉर्मल डिलीवरी थी। मैं भी इसमें विश्वास रखती हूं, और जो लोग एग्स फ्रीज करना जरूरी समझते हैं, बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसा कि मेरी गायनेकोलॉजिस्ट ने मुझे बताया था, अगर आप ऐसा करती हैं तो बहुत ज्यादा हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।' 'मुझे लगता है कि हर बच्चा अपनी किस्मत लेकर इस दुनिया में आता है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बहन, जिसकी नौकरी में बहुत ज्यादा ट्रैवल करना पड़ता है और जिसका शरीर बहुत ज्यादा तनाव से गुजरता है, अगर वह नैचुरली बच्चे को जन्म दे सकती है, तो मैं भी नैचुरल तरीका ही अपनाना चाहती हूं।' सुरभि ने आगे माना कि उन्हें अभी भी एग्स फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से थोड़ा डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हम कब प्लान करेंगे, लेकिन यह सही समय आने पर होगा। जब भी ऐसा होगा, यह भगवान का तोहफा होगा।'

104 डिग्री बुखार में भी शूटिंग करती रहीं अविका गोर, डेंगू ने बिगाड़ी तबीयत

'बालिका वधू' और 'ससुराल सिमर का' जैसे मशहूर शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली टीवी और फिल्म एक्ट्रेस अविका गोर को लेकर शॉकिंग खबर सामने आई है। पिछले पांच दिनों से 103-104 डिग्री के खतरनाक बुखार से जूझ रहीं अविका को डेंगू की पुष्टि होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अविका गोर को गंभीर हालत के बावजूद काम के प्रति उनका समर्पण देखकर हर कोई हैरान है। इस कठिन समय में उनके पति मिलिंद चंदवानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अविका का हेल्थ अपडेट दिया है और फैंस से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने की अपील की है।

104 डिग्री बुखार में 2 दिन का काम 1 दिन में निपटाया

मिलिंद चंदवानी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अविका के काम के प्रति असाधारण जुनून का खुलासा किया। मिलिंद ने बताया, अविका पिछले पांच दिनों से 103 से 104 डिग्री बुखार से तप रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने काम से ब्रेक नहीं लिया। उनके एक प्रोजेक्ट की दो दिन की शूटिंग बाकी थी। इतने तेज बुखार में भी उन्होंने इतनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी कि मेकर्स ने दो दिन का काम महज एक ही दिन में पूरा कर लिया। शूटिंग खत्म करने के बाद अविका को दो दिन का ब्रेक मिला। इस दौरान वह पूरी तरह बिस्तर पर थीं, दवाइयां ले रही थीं और उनके लिए ठीक से खाना खाना या हिलना-डुलना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन अपने पुराने प्रोफेशनल कमिटमेंट को पूरा करने के लिए वह इसी हालत में दिल्ली के लिए रवाना हो गईं और वहां एक विज्ञापन की शूटिंग पूरी की। दिल्ली जाने से पहले अविका ने ब्लड टेस्ट कराया था। जब वह वापस मुंबई लौटीं, तब रिपोर्ट में डेंगू होने की पुष्टि हुई, जिसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा।

पंजाब से किया हर वादा निभाया

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

आज, हमारे महान देश ने आजादी के 79 साल पूरे कर लिए हैं। इस अरसे के दौरान भारत अमन-शांति, सद्भावना, तरक्की और खुशहाली के प्रति अटूट विश्वास और दृढ़ वचनबद्धता के साथ विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में उभरा है। इस पवित्र दिवस पर मैं पंजाब और देश-विदेश में बसने वाले समस्त पंजाबियों की ओर से देशवासियों को दिल की गहराइयों से मुबारकबाद देता हूं। मैं सबकी अच्छी सेहत, खुशहाली और रौशन भविष्य की कामना करता हूं। इस ऐतिहासिक दिन पर मैं भारत के राष्ट्रीय आजादी संघर्ष के उन जाने-अनजाने स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और देशभक्तों के आगे श्रद्धा और सम्मान के साथ सिर झुकाता हूं, जिन्होंने बहादुरी और साहस का प्रदर्शन करते हुए हमारे देश को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के जुए से मुक्त करवाने के लिए बड़ी कुर्बानियां दी। मार्च, 2022 में पद संभालने के बाद मेरी सरकार ने महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने के लिए हर संभव कदम उठाया है, इस बारे में आपको अवगत करवाना चाहता हूं। प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने राष्ट्रीय नेताओं के सम्मान के रूप में लोगों से किया हरेक वादा पूरा किया है। इतिहास के झरोखे से देखें तो आजादी की लहर में पंजाबियों की विलक्षण और बेमिसाल भूमिका को बार-बार दोहराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अपनी जानें निछावर करने वाले या ब्रिटिश यातना का सामना करने वाले 80 प्रतिशत योद्धाओं और देशभक्तों ने उम्र कैद भुगती, फांसी की सजाएं काटी और अंडमान निकोबार की सैलूलर जेल में कालेपानी का संताप भी भोगा। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि बहादुर पंजाबियों ने सदियों पुराने ब्रिटिश राज को खत्म करने के लिए कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। पंजाब के सपूत-भाई महाराज सिंह हमारी मातृभूमि को विदेशी साम्राज्यवाद से मुक्त करवाने के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले पहले शहीद थे। पंजाब के महान शहीदों, शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, लाला लाजपत राय, शहीद ऊधम सिंह, करतार सिंह सराभा, डा. दीवान सिंह कालेपानी, बाबा राम सिंह और अन्य अनेकों शहीदों ने आजादी हासिल करने के लिए अपने खून का एक-एक कतरा बहा दिया। भारतीय आजादी संघर्ष के दौरान कूका लहर, गदर लहर, बब्बर अकाली लहर, कामागाटामारू घटना, किसान आंदोलन के अलावा जलियांवाला बाग का साका, गुरुद्वारा सुधार लहर, जैतो का मोर्चा और परजा मंडल आंदोलन जैसी ऐतिहासिक लहरों का अमूल्य योगदान है। यह संघर्ष आज के दिवस पर हमारे देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाने में बहादुर पंजाबियों के साहस की याद दिलाता है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण पंजाब ने बंटवारे का संताप भी भोगा और उसके बाद दुखों और पीड़ा से भरे समय को भी पंजाबियों को अपने ऊपर झेलना पड़ा, जिसमें लाखों लोग बेघर हुए और उजड़ गए। मैं इस मौके पर अपने पंजाबी भाई-बहनों के उस मिसाली योगदान की भी सराहना करता हूं, जिन्होंने एक तरफ लंबे संघर्ष के बाद हासिल की गई भारत की आजादी की पूरे उत्साह से रक्षा की है और दूसरी तरफ सर्वांगीण विकास के नए युग की शुरुआत की। जब भी भारत को आंतरिक या बाहरी हमले की चुनौती का सामना करना पड़ा, बहादुर पंजाबियों ने हमेशा आगे होकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा की है। 1965 और 1971 की भारत-पाक जंगों के साथ-साथ कारगिल जंग, जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयों में पंजाब के बहादुर फौजियों की मिसाली और सक्रिय भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा और यह आने वाली पीढ़ियों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए प्रेरित करती रहेगी। स्वतंत्रता दिवस खुशी और जश्न का मौका होने के साथ-साथ आत्म-परीक्षण करने और राज्य के तेजी से विकास के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करने का भी समय है। हमें एक सुखद और बराबरी वाला समाज सृजित करके अपने स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने के लिए अपने आप को फिर से समर्पित करना चाहिए। एक देशवासी होने के नाते हमें अपने अंदर राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को बनाए रखना चाहिए, जो कि मजबूत राष्ट्र का मूल आधार है। यह सच भी किसी से छिपा-छिपा नहीं है कि राज्य के मेहनती और जिद्दी किसानों ने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। हमारे मेहनती किसानों ने देश का पेट भरने के लिए राज्य के अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों—उपजाऊ जमीन और पानी की कुर्बानी दे दी और 60 के दशक से लेकर अब तक पंजाब के किसान देश के अनाज भंडार में योगदान देते आ रहे हैं। मौसम की मारों के बावजूद राज्य का योगदान हमेशा शिखर पर रहा है। हालांकि, आजादी के 79 बीत जाने के बाद भी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद-ए-आजम भगत सिंह तथा बाबा साहेब डा. बी.आर. अंबेडकर जैसे महान राष्ट्रीय नायकों के सपने अधूरे हैं। आजादी के बाद के दशकों में राज्य में सत्ता में आई कई सरकारों से लोगों को बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन बहुत सी सरकारों ने इन उम्मीदों पर पानी फेरने का ही काम किया क्योंकि भ्रष्टाचार, गरीबी, बेरोजगारी और अन्य कई समस्याएं अभी भी राज्य में गहरी ज? जमाए हुए हैं। हालांकि, पद संभालने के बाद हमने न सिर्फ राज्य के लोगों की आशाओं को पूरा करने पर ध्यान दिया, बल्कि अपने स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का संकल्प भी लिया। सत्ता संभालने के पहले दिन से ही हम पंजाब की शान बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और हम इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए लोगों के साथ मिलकर तथा शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बाबा साहेब डा. बी.आर. अंबेडकर के उद्देश्यों के साथ एकजुट होकर काम कर रहे हैं। हमने गरीबी, अनपढ़ता, बेरोजगारी और सामाजिक बुराइयों से मुक्त नया पंजाब सृजित करने का दृढ़ संकल्प लिया है और इसे विकास की लीक पर डाला है। अगर हम अपनी कारगुजारी की ओर नजर डालें तो इस बात की बहुत तसल्ली होती है कि हमने अब तक हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, चाहे वह स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, बुनियादी ढांचा, कृषि, बिजली या अन्य क्षेत्र हों। जब हमने अपना सफर शुरू किया था, तो हमारा रास्ता कठिन था और रुकावटों से भरा हुआ था क्योंकि पिछली सरकारों ने अपनी गलत नीतियों के कारण पूरे राज्य को वित्तीय घाटे में छोड़ दिया था। हालांकि, पंजाब सरकार ने यह यकीनी बनाया कि राज्य के लोगों से किए गए सभी वादे पूरे किए जाएं, जिससे लोक सेवा में नया मील का पत्थर कायम हुआ है। पंजाब को विकास की लीक पर तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने मजबूत नीतियों और कार्यक्रमों के साथ-साथ नवीन पहलों की हैं, जिन्होंने हमें नीचे दिए अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में मनचाहे नतीजे प्राप्त करने के योग्य बनाया है-

मावां-धीयां सत्कार योजना

हमारी सरकार ने अपनी तरह की यह पहली स्कीम शुरू की है, जिसके तहत पंजाब की 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाएं लाभ लेने की हकदार हैं। इस स्कीम के अधीन अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को 1,500 रुपए प्रति माह और आम वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपए प्रति माह दिए जा रहे हैं। इस स्कीम के तहत कुल लक्ष्य एक करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच का है और इस समय 72.13 लाख महिलाएं इस स्कीम का लाभ ले रही हैं। यह स्कीम राज्य की 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को लाभ पहुंचा रही है, जिससे यह देश की सबसे व्यापक महिला-केंद्रित सामाजिक सुरक्षा पहलों में से एक बन गई है।

मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना

लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है जो देश में अपनी तरह की पहली स्कीम है, जिसके अधीन पंजाब के हरेक परिवार को 10 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज मुहैया करवाया जा रहा है। यह बड़े गर्व और तसल्ली की बात है कि पंजाब ऐसा व्यापक स्वास्थ्य कवरेज देने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, जिससे जहां आम लोगों पर वित्तीय बोझ घटा है, वहीं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी यकीनी बनी हैं। इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है और योजना के अधीन इस साल जनवरी से लेकर अब तक लगभग 2.91 लाख लाभार्थियों को करीब 1,044 करोड़ रुपए का मुफ्त इलाज मुहैया करवाया जा चुका है।

मेरी रसोई

प्रदेश सरकार ने जरूरतमंद परिवारों के लिए पौष्टिक आहार सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए 'मेरी रसोई' नामी प्रमुख राशन किट वितरण योजना शुरू की है, जिसके तहत लगभग 40.48 लाख योग्य परिवारों को कवर किया गया है। खास बात यह है कि हरेक परिवार को एक ऐसी राशन किट मिलती है जो एक परिवार की पोषण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें मासिक खपत के लिए दो किलो दालें, दो किलो चीनी, एक किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर सरसों का तेल शामिल है। ये फूड किट 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013' के तहत पहले से मिल रही गेहूं के अलावा दी जा रही हैं।

श्री गुरु रविदास जी महाराज का 650वां प्रकाश पर्व

प्रदेश सरकार श्री गुरु रविदास जी महाराज का 650वां प्रकाश पर्व व्यापक स्तर पर पूरे श्रद्धापूर्वक ढंग से मना रही है। हम भाग्यशाली हैं कि हमें श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस और श्री गुरु रविदास जी महाराज का 650वां प्रकाश पर्व मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। श्री गुरु रविदास जी महाराज ने बिना किसी भेदभाव के बराबरी वाले समाज की कल्पना की थी और प्रदेश सरकार इस पवित्र समारोह को मनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। डेरा सचखंड बल्लां में 10.4 एकड़ रकबे में 37 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 'श्री गुरु रविदास जी बाणी अध्ययन केंद्र' का नींव पत्थर रखा जा चुका है।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा

हमारी सरकार ने श्रद्धालुओं को श्री हरिमंदिर साहिब, दुर्गायणा मंदिर, भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल, श्री आनंदपुर साहिब के साथ-साथ माता नैना देवी और अन्य पवित्र अस्थानों के मुफ्त दर्शन करवाने के लिए 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' शुरू की है। अब इस स्कीम के अधीन हरिद्वार, खाटू श्याम जी महाराज, सालासर बाला जी आदि धार्मिक स्थानों की मुफ्त यात्रा भी यकीनी बनाई जा गई है। यह स्कीम सभी जातियों, धर्मों, आय वर्गों और हर क्षेत्र के लोगों के लिए खुली है और श्रद्धालुओं को इसके लिए एक भी पैसा खर्च नहीं करना पड़ता।

राजस्व सुधार

लोगों को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त मालिया सेवाएं मुहैया करवाने के लिए प्रदेश सरकार ने 'ईजी रजिस्ट्री' और 'ईजी जमाबंदी' पोर्टल शुरू किए हैं। ये क्रांतिकारी पहल सरकार की ईमानदारी, पारदर्शिता और लोक-हितैषी सोच को दर्शाती हैं। देश के किसी भी अन्य राज्य में अभी तक ऐसे कुशल और मजबूत राजस्व सुधार देखने को नहीं मिलेंगे। ये पहल जनता की सुविधाएं प्रदान करने के एक नए दौर की शुरुआत करेंगी।

आम आदमी क्लीनिक

लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रदेश सरकार ने पंजाब भर में 1090 आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए हैं, जिन्होंने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति ला दी है। यहां 107 तरह की दवाइयां और 47 तरह के लैब टेस्ट बिल्कुल मुफ्त किए जा रहे हैं। इन क्लीनिकों को लोगों द्वारा भरपूर हंगामा मिला है, जहां अब तक 5.90 करोड़ से अधिक मरीज अपना इलाज करवा चुके हैं और 3.43 करोड़ से अधिक टेस्ट मुफ्त किए जा चुके हैं।

मुफ्त बिजली

प्रदेश सरकार ने 2022 में लोगों को मुफ्त बिजली देने की गारंटी दी थी और तब से लेकर अब तक राज्य के 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है, जिनके बिजली बिल 'जीरो' आ रहे हैं। इससे गरीब परिवारों के सालाना कम से कम 35,000 रुपए की बचत हो रही है, जिससे आम आदमी की जेब पर बोझ काफी हद तक घटा है। यह भी बड़े गर्व और तसल्ली की बात है कि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ देश के किसानों को भी राज्य में मुफ्त और निर्विघ्न बिजली सप्लाई दी जा रही है।

शिक्षा क्रांति

पंजाब सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए पंजाब शिक्षा क्रांति की शुरुआत की है, जिसके तहत सरकार 118 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' में बदलने के लिए वचनबद्ध है, जो स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक लैब और खेल मैदानों से लैस होंगे। लगातार सुधारों और राष्ट्रीय स्तर की मान्यता के कारण पंजाब राज्य, स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भारत का नंबर वन राज्य बनकर उभरा है और इसने केरल, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे अग्रणी राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। नीति आयोग ने भी पंजाब को स्कूल शिक्षा प्रणाली में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल किया है।